RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को लेकर...

वर्ष : 27 अंक : 20 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 10 जनवरी, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

'वक्फ का जिन जमीनों पर कब्जा है उनका रिकॉर्ड चेक होगा'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी चेतावनी

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि दुनियाभर से आस्थावान लोग प्रयागराज के महाकुंभ में आ रहे हैं और अगर कोई उनकी आस्था और श्रद्धा को ठेस पहुंचाने के लिए ये कहता है कि साहब यह तो वक्फ की जमीन है. उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि हजारों वर्षों की भारत की विरासत का प्रतीक जो आयोजन यहीं पर होता आया है. सीएम योगी ने कहा कि जब किसी तरह की सरकारी सहायता नहीं मिलती थी, तब भी यहीं पर ये आयोजन होता आया है, बगैर किसी निमंत्रण के होता आया है।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उसको भी कोई वक्फ की लैंड बोल दे तो बस यही कहना है कि ये वक्फ बोर्ड है या भूमाफियाओं का बोर्ड है। इस तरह की दुष्प्रवृत्ति पर रोक लगनी ही चाहिए और हम रोक लगाएंगे

भी। सीएम योगी ने कहा कि हमने कुछ संशोधन यहां पर किए हैं कि कोई भी जमीन जिस पर वक्फ ने कब्जा किया है या दावा किया है, 1363 फसली की उसके पूरे रिकॉर्ड को चेक किया जाए। कहीं भी वक्फ शब्द आता है तो पहले उसे देखो की (शेष पृष्ठ-3 पर)

बेटियों को सुप्रीम अदालत ने दिया बड़ा अधिकार

पढ़ाई के लिए माता-पिता से पैसे मांगने का पूरा हक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने आज देश की बेटियों को बड़ा अधिकार दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बेटियों को पढ़ाई के खर्चे के लिए अपने माता-पिता से पैसे मांगने का पूरा अधिकार है। कोर्ट ने लड़कियों को बड़ा अधिकार देते हुए कहा कि वे जरूरत पड़ने पर पढ़ाई का खर्चा देने के लिए अपने माता-पिता को कानूनी तौर पर बाध्य भी कर सकती हैं. उनके माता-पिता अपनी हैसियत के अंदर बेटी को पढ़ाई का खर्चा देने को बाध्य होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला तलाक से जुड़े एक विवाद में दिया है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ कर रही थी। मामले में एक दंपत्ति 26 साल से अलग रह रहे थे। इनकी बेटी आयरलैंड में पढ़ाई कर रही थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

क्योस्क आवेदन में हो रही देरी पर भड़के एनएमआरसी के एमडी

कहा-शीघ्र ही क्योस्क की योजना को करें पूरा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) ने राजस्व बढ़ाने के लिए प्रबंध निदेशक (एमडी) डॉ. लोकेश एम ने कड़े निर्देश जारी किए है। उन्होंने कहा कि निविदा की प्रक्रिया की बाध्यताओं में न उलझकर क्योस्क के लिए आने वाले नये युवा उद्यमियों को पहले आओ पहले पाओ आधार पर क्योस्क का आवंटन करें।

उन्होंने निविदा प्रक्रिया में हो रहे विलम्ब को लेकर कड़ी फटकार लगाई तथा कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने इसके लिए अंतिम डेडलाइन भी घोषित कर दी है ताकि शीघ्र ही विभिन्न स्टेशनों के लिए जारी क्योस्क की योजना को पूरा किया जा सकेक।

प्रबंध निदेशक डॉ. लोकेश एम ने कहा कि क्योस्क के लिए जिनकी निविदा नहीं प्राप्त हुई है उन्हें भी इस योजना में शामिल करें।

बता दें कि पिछले 6 माह के दौरान एनएमआरसी ने 7 निवदिाएं जारी की थी। इस दौरान 3 निविदाएं पूरी कर ली गयी है। इससे एनएमआरसी ने आगामी वर्षों में 6.38 करोड़ रूपये के राजस्व प्राप्ति की संभावना जताई है।

घने कोहरे में हाईवे पर भिड़े कई वाहन

कोहरे ने बढ़ाई ठंड, नोएडा में 7 डिग्री रहा तापमान

हापुड़ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर को आज फिर कोहरे ने अपनी आगोश में ले लिया। कोहरे के कारण हापुड़ जिले में शुक्रवार सुबह घने कोहरे के कारण कई गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं।

आज सुबह करीब 7:30 बजे हापुड़ के थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव सिमरौली बॉर्डर काली नदी पुल स्थित NH-9 पर वाहन आपस में भिड़ गए। बताया गया कि मुरादाबाद से दिल्ली जाने वाले रास्ते पर मारुति ईको मुरादाबाद से दिल्ली की तरफ जा रहे अज्ञात वाहन से

टकरा गई। इस हादसे में दो व्यक्ति घायल हुए, जिनके नाम इमरान पुत्र इकबाल और हीना पत्नी इकबाल है। इस दौरान कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम होने के कारण पीछे से आ (शेष पृष्ठ-3 पर)

बसपा के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी के फार्महाउस पर हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़े पूर्व प्रत्याशी सतवीर नागर के फार्म हाउस के दरवाजे को दो लोगों ने तोड़ने का प्रयास किया। आरोपियों ने इस दौरान गाली गलौज भी की। घटना करीब 6 माह पुरानी है। पूर्व प्रत्याशी ने थाना दनकौर में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से ग्राम अट्टा थाना दनकौर निवासी सतबीर नागर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा दो में रह रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2019 में बहुजन समाजवादी पार्टी से लोकसभा का चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में वह दूसरे स्थान पर रहे थे। सतवीर नागर

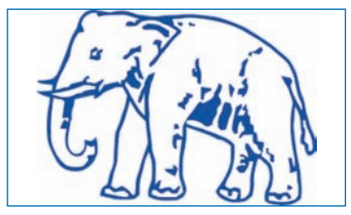

के मुताबिक वह एक राजनीतिक व्यक्ति हैं जिस कारण बहुत से लोग उनसे द्वेष भावना रखते हैं। 13 जुलाई को सलारपुर अंडरपास के पास स्थित उनके फार्म हाउस पर एक कार में दो युवक पहुंचते हैं। दोनों युवकों ने फार्म हाउस के गेट को तोड़ने का प्रयास कर अंदर घुसने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने गाली गलौज भी की। आसपास के लोगों को आता देखकर दोनों युवक अपनी कार (शेष पृष्ठ-3 पर)

दो घरों के ताले तोड़े, नकदी जेवरात पर हाथ साफ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग थाना क्षेत्र में चोरों ने तीन स्थान पर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। चोर नगदी, सोने के जेवरात, बाइक व गैस सिलेंडर को चोरी कर ले गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर सिग्मा 2 में रहने वाले विजय सैनी ने पुलिस को

बताया कि वह 25 दिसंबर को परिवार के साथ अपनी ससुराल मेरठ गया था। 27 दिसंबर को जब वह वापस अपने घर आया तो उसे घर का ताला टूटा हुआ मिला। घर के भीतर जाने पर सारा सामान बिखरा हुआ तथा अलमारी के दरवाजे खुले हुए मिले। चोर उसके घर से 40 हजार रुपए, सोने चांदी के जेवरात व चार बैग को चोरी कर ले गए। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। थाना बीटा दो पुलिस ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-128 चौराहे पर भी बनेगा दूसरा घंटाघर

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-18 के बाद अब सेक्टर-128 चौराहेपर भी नोएडा प्राधिकरण घंटाघर बनने जा रहा है। 25 फुट ऊंचे इस घंटाघर के बनने में 25 लाख रूपये खर्च होंगे। कंपनी का चयन होने के बाद 3 माह में इसका निर्माण पूरा हो जाएगा।

यह नोएडा का दूसरा क्लॉक टावर होगा। सेक्टर 18 में जीआईपी मॉल के पास एक 75 फुट ऊंचा क्लॉक टॉवर पहले से ही निर्माणाधीन है। 1.75 करोड़ रुपये की लागत से इसे बनाया जा रहा है। ये श्रीनगर के लाल चौक पर बने क्लॉक टावर की डिजाइन में तैयार किया जा रहा है। इसके फाउंडेशन का काम पूरा किया जा चुका है।

नोएडा एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित सेक्टर 128 अपनी प्रीमियम

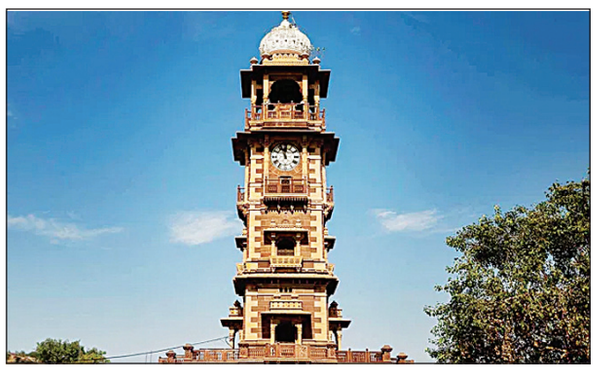

आवासीय परियोजनाओं और कॉर्पोरेट कार्यालयों के लिए जाना जाता है।

आगामी क्लॉक टॉवर ग्रेनाइट और ईंटों से बना होगा। इसमें दो मंजिलें होंगी जो चारों ओर से सुंदर बगीचों से घिरी होंगी। नोएडा प्राधिकरण के उप निदेशक (हार्टिकल्चर) आनंद मोहन सिंह ने कहा कि यह नोएडा के सौंदर्यीकरण और लोगों को एक पाइंट देने का प्रयास है। इसमें तीन और बुद्ध प्रतिमा और एक ओर विशाल गेट होगा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

दबंगों ने घर पर बरसाए पत्थर, तोड़ी कार की लाइट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र के सैनी गांव में दबंगों ने पड़ोसी के घर पर धावा बोलकर गाली गलौज कर तोड़फोड़ की। आरोपियों ने घर पर पत्थर बरसाए और घर के बाहर खड़ी वैगनआर कार की लाइट तोड़ दी। सैनी गांव निवासी आकाश शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 7 जनवरी की रात को गांव के ही छोटू, अभिषेक तथा एक अन्य युवक उसके घर के बाहर खड़े होकर गाली गलौज करने लगे। तीनों आरोपी उसे तथा उसके भाई राहुल को गालियां देकर बाहर आने के लिए कह रहे थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

ट्रांसफार्मर से तेल व कॉपर क्वॉयल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में ट्रांसफार्मर से तेल व कॉपर क्वाइल चोरी करने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। चोरों ने थाना फेस दो क्षेत्र के ग्राम इलाहाबास में स्थापित 400 केवीए के ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर तेल एवं कॉपर कॉइल चोरी कर लिया। विद्युत विभाग के अवर अभियंता ने थाना फेस दो में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। फेस दो

स्थित विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता धर्मेंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्हें 6 जनवरी को सूचना मिली कि ग्राम इलाहाबास में लाइट नहीं आ रही है। इसके बाद उन्होंने लाइनमैन प्रवीण कुमार को पेट्रोलिंग करने के लिए इलाहाबास गांव में भेजा। चेकिंग के दौरान पता चला कि ग्राम इलाहाबास में लगे 400 केवीए के ट्रांसफार्मर को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। चोर ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त करने के बाद तेल एवं कॉपर कॉइल को चोरी कर ले गए हैं। चोरों ने सुरक्षा के लिए ट्रांसफार्मर (शेष पृष्ठ-3 पर)

मौसेरे भाई ने प्लॉट दिलाने के नाम पर लाखों ठगे, दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्लॉट दिलाने के बहाने एक व्यक्ति से उसके मौसेरे भाई ने 10 लाख रुपए हड़प लिए। पीड़ित ने जब वादग्रस्त प्लॉट खरीदने से इनकार किया तो आरोपी ने उसकी (6 वर्षीय) बेटी का अपहरण कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाना रबूपुरा में मुकदमा दर्ज कराया है। रबूपुरा कस्बे में रहने वाले सोहन पाल धामा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके मौसेरे भाई प्रवेश कुमार राठी उर्फ बिट्टू निवासी ग्राम गंगनौली जनपद बागपत ने उसे शोभित कुंज मेरठ में एक प्लॉट सस्ते में दिलाने की बात कही। प्रवेश कुमार राठी ने प्लॉट की कीमत 21 लाख रुपए बताई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

वीडियो बनाने पर दबंगों ने कर डाली धुनाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। वीडियो बनाए जाने का विरोध करने पर दबंगों ने एक व्यक्ति को मारपीट कर लहू लुहान कर दिया। मारपीट में पीड़ित के हाथ की हड्डी टूट गई। पीड़ित ने थाना दादरी में आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। घोड़ी बछेड़ा में रहने वाले अतुल कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 31 दिसंबर की रात को अपने घर के सामने अपनी पत्नी नीतू सिंह व पड़ोस में रहने वाली आंटी रामरति व सविता भाटी के साथ बैठा हुआ था। इस दौरान निशांत उर्फ पप्पू, राहुल, शिवम, सनी, मनीष, चिराग, निशांत व एक अन्य लड़का उनके घर के बाहर पहुंचे और उनकी वीडियो बनाने लगे। उन्होंने जब वीडियो बनाने का विरोध किया तो सभी युवक उसके साथ गाली गलौज करने लगे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

एमएसएमई के महासचिव के पिता का निधन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-122 निवासी एमएसएमई के महासचिव भाई शिव कुमार राणा के पिताजी श्री चरण सिंह राणा का आकस्मिक निधन आज रात में हो गया। वे दर्शनार्थ जगगन्नाथपुरी गए हुए थे। वहां उनको गत रात्रि हार्ट अटैक आ गया और वो बच नहीं सके। एमएसएमई के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह नाहटा ने बताया कि उनके पुत्र एमएसएमई के अध्यक्ष शिव कुमार राणा, सचिन, सुशील कुमार राणा के परिवार पर दुख का पहाड़ टूटा है। उनके अचानक चले जाने से हमारे नोएडा औद्योगिक शहर में मातम छा गया। भगवान उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे।

35 दावेदारों की किस्मत अब भाजपा हाईकमान के हाथ!

दावेदारों में सर्वाधिक 14 ब्राह्मण समाज से

7 ठाकुर, 3 गुर्जर, 3 त्यागी, 2 वैश्य, 1 पंजाबी व 1 दलित समाज से

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर में जिला अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें रिकॉर्ड 35 उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी पेश की है।

35 आवेदकों में 14 आवेदक ब्राह्मण, 7 ठाकुर, 3 त्यागी, 3 गुर्जर, 1 पंजाबी, 2 वैश्य, 1 दलित, तथा 1 लोध ठाकुर बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। इनमें से किसके सिर भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष का सेहरा बंधेगा। इसका निर्णय तो हाईकमान करेगा। लेकिन आवेदन करने के बाद कई दावेदारों ने अब भाजपा के अपने आका नेताओं की परिक्रमा कर जुगाड़ लगाने की कवायद शुरू कर दी है। सूत्र बताते हैं कि 20 जनवरी तक अध्यक्ष पद के नाम की घोषणा किए जाने की संभावना है।

दावेदारों में राकेश शर्मा, विनोद कुमार शर्मा, संजय बाली, मनीष शर्मा, श्रीमती प्रज्ञा पाठक, राजकुमार झा, सुशील शर्मा, उमानंदन कौशिक, मुकेश शर्मा, गिरीश कोटनाला, अशोक मिश्रा, नरेश शर्मा, हरदेव शर्मा, हर्ष चतुर्वेदी, ब्राहमण बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। जबकि महेश चौहान, करतार सिंह चौहान, पूनम सिंह, ब्रजपाल चौहान, नरेश राणा, युद्धवीर चौहान, सुंदर सिंह राणा, ठाकुर बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। प्रशांत त्यागी, अमित त्यागी, उमेश त्यागी, त्यागी समाज से हैं। चंदगीराम यादव, उमेश यादव, यादव समाज से हैं। मनोज गुप्ता, धर्मेन्द्र गुप्ता वैश्य समाज से हैं। महेश अवाना, ओमवीर अवाना, सचिन अम्बावत गुर्जर बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। दलित समाज से अकेले गणेश गौतम जाटव दावेदार हैं जो महानगर कमेटी में महासचिव पद पर हैं। दावेदारों में सर्वाधिक संख्या ब्राहमणों की है।

जिला चुनाव अधिकारी विनोद सोनकर और पूर्व सांसद और सह जिला चुनाव अधिकारी राजीव त्यागी की देखरेख में यह नामांकन प्रक्रिया पूरी हुई। इस दौरान (शेष पृष्ठ-3 पर)

... जब मेढकियों ने भी नाल ठुकवाने को अपनी टांगे बढ़ाई!

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा नोएडा महानगर पद के दावेदारों में अधिकांश दावेदार महानगर कमेटी में पदाधिकारी हैं तो कुछ प्रकोष्ठों के अध्यक्ष व पूर्व अध्यक्ष भी हैं। इसमें कई पूर्व मंडल अध्यक्ष भी शामिल हैं। भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं ने चुटकी लेते हुए कहा कि इसमें ऐसे भी दावेदार हैं जिनको संगठन चलाने का कोई अनुभव नही है। आवेदन जमा करके अब वे अध्यक्ष बनने का ख्वाब देख रहे हैं। यह तो वही कहावत हुई जब घोड़े की नाल ठोंकी जा रहीथी तभी मेढकी ने भी नाल ठुकवाने के लिए अपनी टांग आगे बढ़ा दी।

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

नक्सली हिंसा

छत्तीसगढ़ के माओवादी हिंसा से ग्रस्त बस्तर के इलाके में पत्रकारिता करना तलवार की धार पर चलने जैसा ही है क्योंकि उन्हें न केवल माओवादियों व पुलिस प्रशासन के कोप का भाजन बनना पड़ता है, बल्कि अपराधी राजनेताओं व ठेकेदारों की हिंसा का भी शिकार होना पड़ता है। इसी कड़ी में टीवी पत्रकार मुकेश चंद्राकर की क्रूरता से हत्या करने और शव को सेप्टिक टैंक में डालने की वीभत्स घटना सामने आई। हत्या की वजह मुकेश द्वारा माओवादी इलाके में एक सड़क निर्माण में धांधली उजागर करना बताया गया है। खबर बीते साल दिल्ली के एक बड़े चैनल से प्रसारित हुई थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस मामले में जांच बैठाई थी। मुकेश की हत्या नये साल के पहले दिन की गई और तीन जनवरी को ठेकेदार द्वारा बनाये घरों के पुराने सेप्टिक टैंक से मुकेश का शव बरामद किया गया। बाद में मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया। दरअसल, ठेकेदार से राजनेता बने सुरेश चंद्राकर कांग्रेस के एक प्रकोष्ठ में राज्य स्तरीय पदाधिकारी रहे हैं। कहते हैं कि पिछले महाराष्ट्र चुनाव में वे एक विधानसभा के पर्यवेक्षक भी रहे हैं। जिसके चलते इस मुद्दे पर जमकर राजनीति हुई। एक ओर बीजेपी ने हत्यारे पर कांग्रेस पार्टी से जुड़े होने का आरोप लगाया तो कांग्रेस ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। इस मुद्दे पर दोनों तरफ से खूब बयानबाजी हुई। लेकिन इसके बावजूद एक हकीकत यह है कि पत्रकारों को केवल माओवादियों व सुरक्षाबलों के गुस्से का ही शिकार नहीं होना पड़ता, उन्हें ठेकेदारों, राजनेताओं व अन्य अपराधी तत्वों की हिंसा का भी शिकार होना पड़ता है। उन्हें निर्भीक पत्रकारिता की कीमत जान देकर चुकानी पड़ती है। कहने को तो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कह रहे हैं कि वे स्थिति से परिचित हैं और पत्रकारों के साथ खड़े हैं। लेकिन व्यवहार में पत्रकारों की सुरक्षा राम भरोसे ही है। उल्लेखनीय है कि ठेकेदार की क्रूरता का शिकार हुए मुकेश को पहले माओवादियों ने पुलिस- सरकार का आदमी बताकर धमकाया था। परिजनों का आरोप है कि माओवादियों की धमकी भरी चिट्ठी से पहले सुरक्षा बलों ने मुकेश समेत कुछ अन्य पत्रकारों पर बंदूक तानकर धमकाया था। जिसकी रिपोर्ट भी मुकेश ने बनायी थी। इससे कुछ माह पूर्व बीजापुर के एसडीएम ने मुकेश समेत कुछ पत्रकारों को माओवादी हिंसा की खबर प्रकाशित करने पर नोटिस देकर जवाब मांगा था। वहीं बीजापुर में कांग्रेस अध्यक्ष ने खबरों में पक्षपात के आरोप लगाकर मुकेश समेत कुछ पत्रकारों का बहिष्कार पत्र जारी किया था। घटनाक्रम का दुखद पहलू यह है कि मुकेश की हत्या माओवादियों, सुरक्षा बल या किसी राजनीतिक दल ने नहीं बल्कि एक ऐसे भ्रष्ट ठेकेदार ने की है, जो मुकेश का रिश्तेदार भी था। निश्चय ही यह घटना अन्य पत्रकारों के लिये लगातार असुरक्षित होते हालात की तरफ भी इशारा करती है। कुछ साल पहले बीजापुर में पत्रकार साईं रेड्डी की हत्या कर दी गई थी। जिसे पहले पुलिस ने छत्तीसगढ़ जन सुरक्षा कानून में जेल भेज दिया था और बाद में माओवादियों ने उसकी हत्या कर दी थी। बाद में पत्रकारों के आंदोलन के बाद माओवादियों ने खेद जताया कि यह शीर्ष नेतृत्व का फैसला नहीं था। निचले कैडर की लापरवाही से उनकी हत्या हुई। इससे पहले माओवादियों ने उन पर पुलिस का मुखबिर होने का आरोप लगाकर उनके घर तक को बम से उड़ा दिया था। दरअसल, मुकेश चंद्राकर एक निर्भीक पत्रकार थे। वे न केवल एनडीटीवी के लिये काम करते थे बल्कि यू ट्यूब पर 'बस्तर जंक्शन' के नाम से एक लोकप्रिय चैनल भी चलाते थे। जिसमें वे बस्तर की दबी-छिपी खबरों को प्रसारित करते रहते थे। उल्लेखनीय है कि सुकमा के पत्रकार नेमीचंद की भी माओवादियों ने पुलिस की मदद करने वाला बताकर हत्या कर दी थी। बहरहाल, बस्तर के पत्रकार चौतरफा हमलों के निशाने पर हैं जबकि उनके संस्थानों से उन्हें पर्याप्त पैसा व सुरक्षा तक नहीं मिलती। माओवादियों, पुलिस व प्रशासन के नजले का शिकार होते पत्रकारों की सुरक्षा के लिये बना कानून भी निष्प्रभावी नजर आ रहा है। अब राज्य सरकार विधानसभा में पत्रकार सुरक्षा कानून पेश करने की बात कर रही है।

अमेरिकी आर्थिक नीतियां अन्य देशों को विपरीत रूप से कर सकती है प्रभावित

वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अन्य देशों की मुद्राओं की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिर रही है। इससे, विशेष रूप से विभिन्न वस्तुओं का आयात करने वाले देशों में वस्तुओं के आयात के साथ मुद्रा स्फीति का भी आयात हो रहा है। इन देशों में मुद्रा स्फीति बढ़ती जा रही है और इसे नियंत्रित करने के उद्देश्य से एक बार पुन: ब्याज दरों में वृद्धि की सम्भावना भी बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के अवमूल्यन को रोकने के लिए भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में से लगभग 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर को बेचना पड़ा है जिससे भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अपने उच्चत्तम स्तर 70,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर 65,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के भी नीचे आ गया है।

अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने के चलते विश्व के लगभग सभी देशों की यही स्थिति बनती हुई दिखाई दे रही है। दूसरी ओर, अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है एवं अमेरिका को इसे नियंत्रित करने के लिए अपनी आय में वृद्धि करना एवं व्यय को घटाना आवश्यक हो गया है। परंतु, 20 जनवरी 2025 को डॉनल्ड ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति बनते ही सम्भव है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा आयकर में भारी कमी की घोषणा की जाय। डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने चुनावी भाषण में इसके बारे में इशारा भी किया था। हां, सम्भव है कि आयकर को कम करने के चलते कुल आय में होने वाली कमी की भरपाई अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि कर इसके निर्यात में वृद्धि एवं अमेरिका में विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका में होने वाले आयात पर कर में वृद्धि करने के चलते कुछ हद तक हो सके। परंतु, कुल मिलाकर यदि आय में होने वाली सम्भावित कमी की भरपाई नहीं हो पाती है तो अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि में अतुलनीय वृद्धि सम्भव है। जो एक बार पुन: अमेरिका में मुद्रा स्फीति को बढ़ा सकता है और फिर से अमेरिका में ब्याज दरों में कमी के स्थान पर वृद्धि देखने को मिल सकती है।

पूरे विश्व में पूंजीवादी नीतियों के चलते मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से विभिन्न देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा की जाती रही है। किसी भी देश में मुद्रा स्फीति की दर यदि खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के चलते बढ़ रही है तो इसे ब्याज दरों में वृद्धि कर नियंत्रण में नहीं लाया जा सकता है। हां, खाद्य पदार्थों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर जरूर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। अत: यह मांग की तुलना में आपूर्ति सम्बंधी मुद्दा अधिक है। उत्पादों की मांग में कमी करने के उद्देश्य से बैंकों द्वारा

ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है, जिससे ऋण की लागत बढ़ती है और इसके कारण अंतत: विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ती है। उत्पादन लागत के बढ़ने से इन उत्पादों की मांग बाजार में कम होती है जो अंतत: इन उत्पादों के उत्पादन में कमी का कारण भी बनती है। उत्पादन में कमी अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छँटनी करने के परिणाम के रूप में भी दिखाई देती है। हाल ही के वर्षों में अमेरिका में जब मुद्रा स्फीति की दर पिछले लगभग 50 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर अर्थात 10 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई थी, तब फेडरल रिजर्व द्वारा फेड दर (ब्याज दरों) को भी 0.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत तक लाया गया था, और यह दर लम्बे समय तक बनी रही थी। इसका प्रभाव, अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रही कम्पनियों पर अत्यधिक विपरीत रूप में पड़ता दिखाई दिया था और लगभग 2 लाख इंजीनियरों की छँटनी इन कम्पनियों द्वारा की गई थी। अत: मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करने का निर्णय अमानवीय है एवं इसे उचित निर्णय नहीं कहा जा सकता है। ब्याज दरों में वृद्धि करने का परिणाम वैश्विक स्तर पर कोई बहुत अधिक सफल भी नहीं रहा है। अमेरिका को मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के लिए लगभग 3 वर्ष(?) का समय लग गया है और यह इस बीच ब्याज दरों को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने के बावजूद सम्भव नहीं हो पाया है।

भारत में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर (ब्याज दर) में पिछले लगभग 22 माह तक कोई परिवर्तन नहीं किया गया था एवं इसे उच्च स्तर पर बनाए रखा गया था जिसका असर अब भारत के आर्थिक विकास दर पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत रही है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की रही थी। आर्थिक विकास दर में वृद्धि दर का कम होना अर्थात देश में रोजगार के कम अवसर निर्मित होना एवं नागरिकों की आय में वृद्धि की दर का भी कम होना भी शामिल रहता है। अत: लंबे समय तक ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर नहीं बनाए रखा जाना चाहिए।

यह सही है कि मुद्रा स्फीति को एक दैत्य की संज्ञा भी दी जाती है और इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। अत: किसी भी देश के लिए इसे नियंत्रण में रखना अति आवश्यक है। परंतु, मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने हेतु लगातार ब्याज दरों में वृद्धि करते जाना भी अमानवीय कृत्य है। ब्याज दरों में वृद्धि की तुलना में विभिन्न उत्पादों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए। आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों में इन उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि करना भी शामिल होगा, कम्पनियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि करने के साथ साथ रोजगार के नए अवसरों का निर्माण भी किया जाएगा। इस प्रकार के निर्णय देश की अर्थव्यवस्था के लिए हितकारी एवं लाभदायक साबित होंगे।

अमेरिका द्वारा आर्थिक क्षेत्र से सम्बंधित की जा रही विभिन्न घोषणाओं जैसे चीन एवं अन्य देशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर आयात कर में 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की वृद्धि करना, अमेरिका पर लगातार बढ़ रहे ऋण को कम करने हेतु किसी भी प्रकार के प्रयास नहीं करना, अमेरिकी बजटीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विदेशी व्यापार के क्षेत्र में व्यापार घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विभिन्न देशों द्वारा डीडोलराईजेशन के प्रयास करना आदि ऐसी समस्याएं हैं जिनका हल यदि शीघ्र ही नहीं निकाला गया तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ साथ अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगी।

प्राचीन भारत के इतिहास में मुद्रा स्फीति जैसी परेशानियों का जिक्र नहीं के बराबर मिलता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भारत में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता रहा है अत: वस्तुओं की बढ़ती मांग के स्थान पर बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति ही अधिक रही है। ग्रामीण इलाकों में 50 अथवा 100 ग्रामों के क्लस्टर के बीच हाट (बाजार) लगाए जाते थे जहां स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं/उत्पादों/खाद्य पदार्थों को बेचा जाता था। स्थानीय स्तर पर निर्मित की जा रही वस्तुओं को स्थानीय बाजार में ही बेचने से इन वस्तुओं के बाजार मूल्य सदैव नियंत्रण में ही रहते थे। अत: वस्तुओं की मांग की तुलना में उपलब्धता अधिक रहती थी। कई बार तो उपलब्धता का आधिक्य होने के चलते इन वस्तुओं के बाजार में दाम कम होते पाए जाते थे। इस प्रकार मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं दिखाई नहीं देती थीं। जबकि वर्तमान में, विभिन्न देशों के बाजारों में विभिन्न उत्पादों की उपलब्धता पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है, इन वस्तुओं की मांग बढ़ने से इनकी कीमतें बढ़ने लगती हैं, और, इन कीमतों पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से यह प्रयास किया जाने लगता है कि किस प्रकार इन वस्तुओं की मांग बाजार में कम की जाय, इसे एक नकारात्मक निर्णय ही कहा जाना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर अर्थशास्त्र के वर्तमान सिद्धांत (मॉडल) विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं को हल करने के संदर्भ में बोथरे साबित हो रहे हैं। इसलिए अमेरिकी एवं अन्य विकसित देशों के अर्थशास्त्री आज साम्यवादी एवं पूंजीवादी सिद्धांतों (मॉडल) के स्थान पर वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु एक तीसरे रास्ते (मॉडल) की तलाश करने में लगे हुए हैं और इस हेतु वे भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन इस संदर्भ में निश्चित ही वर्तमान समय में आ रही विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के हल में सहायक एवं लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

-प्रह्लाद सबनानी

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि शिवजी ने बहुत तरह से अपनी सास को समझाया। तब वे शिवजी के चरणों में सिर नवाकर घर गईं। फिर माता ने पार्वती को बुला लिया और गोद में बिठाकर यह सुंदर सीख दी- ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

करेहु सदा संकर पद पूजा। नारिधरमु पति देउ न दूजा॥
बचन कहत भरे लोचन बारी। बहुरि लाइ उर लीन्हि कुमारी॥

हे पार्वती! तू सदाशिवजी के चरणों की पूजा करना, नारियों का यही धर्म है। उनके लिए पति ही देवता है और कोई देवता नहीं है। इस प्रकार की बातें कहते-कहते उनकी आँखों में आँसू भर आए और उन्होंने कन्या को छाती से चिपटा लिया॥

कत बिधि सृजीं नारि जग माहीं। पराधीन सपनेहूँ सुखु नाहीं॥
भै अति प्रेम बिकल महतारी। धीरजु कीन्ह कुसमय बिचारी॥

(फिर बोलीं कि) विधाता ने जगत में स्त्री जाति को क्यों पैदा किया? पराधीन को सपने में भी सुख नहीं मिलता। यों कहती हुई माता प्रेम में अत्यन्त विकल हो गईं, परन्तु कुसमय जानकर (दु:ख करने का अवसर न जानकर) उन्होंने धीरज धरा॥

पुनि पुनि मिलति परति गहि चरना। परम प्रेमु कछु जाइ न बरना॥
सब नारिन्ह मिलि भेंटि भवानी। जाइ जननि उर पुनि लपटानी॥

मैना बार-बार मिलती हैं और (पार्वती के) चरणों को पकड़कर गिर पड़ती हैं। बड़ा ही प्रेम है, कुछ वर्णन नहीं किया जाता। भवानी सब स्त्रियों से मिल-भेंटकर फिर अपनी माता के हृदय से जा लिपटीं॥

(क्रमश:...)

चाय का चक्कर (व्यंग्य)

एक दिन मैं और मेरे मित्र, विकास जी, एक सरकारी दफ्तर में गए थे। दफ्तर में पहुंचते ही यह खबर फैल गई कि किसी बड़े आदमी के साथ कोई राजनेता दफ्तर में आया है। खैर, यह खबर जल्द ही बड़े साहब के कानों तक पहुंच गई होगी, जो एक अनुभवी अधिकारी थे। साहब ने अपनी डेली ड्यूटी के दस्तावेजों को पलटते हुए एक पल के लिए सोचा होगा, अगर कोई राजनेता दफ्तर में आए, तो क्या करना चाहिए? और फिर, साहब ने सोचा होगा—उसे चाय जरूर पिलानी चाहिए। उनके दिमाग में और भी विचार आए होंगे—अगर उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति हो तो उसे भी चाय पिलानी चाहिए। उन्होंने फिर बड़े बाबू को आदेश दिया, जब इनका काम खत्म हो जाए, तो उन्हें चाय के लिए ले आइए।

हमारा काम खत्म हुआ तो बड़े बाबू ने कहा, साहब के साथ चाय पी लीजिए। चाय पीने का अनुभव मेरे लिए नया नहीं था, लेकिन सरकारी अधिकारियों के साथ चाय पीने का ख्याल मुझे थोड़ी घबराहट दे रहा था। फिर भी, सोचा, यह अनुभव कुछ नया हो सकता है। हम दोनों साहब के कमरे में दाखिल हुए। साहब के चेहरे पर एक हल्की मुस्कान फैली हुई थी, जो कि किसी सरकारी अधिकारी की विशेष मुस्कान थी—अत्यधिक विनम्रता और ढ़ोंग का मिश्रण।

साहब ने मुस्कराते हुए पूछा, क्या हाल हैं, शर्मा जी? उनका सवाल इतना सामान्य था कि एक ही शब्द में इसका उत्तर दिया जा सकता था—सब ठीक है। शर्मा जी ने हलका सा उत्तर दिया और फिर साहब ने मेरी ओर रुख किया, और आप, मिश्रा जी, आपका काम कैसा चल रहा है? मैंने भी उसी रूटीन तरीके से जवाब दिया—सब ठीक है।

अब सवाल उठता है, जब कोई सरकारी अधिकारी बात करने के लिए कुछ नहीं चाहता, तो क्या किया जाए? हम तीनों की नजरें दरवाजे पर थीं। हम तीनों चाय के इंतजार में थे। लेकिन चाय का क्या? चाय तो थी ही नहीं। चपरासी, जो चाय लाने गया था, हमारी ओर देखकर दुश्मन जैसा व्यवहार कर रहा था। वह चाय के लिए इतना दूर क्यों गया था? और चाय आ भी रही थी या नहीं, इस पर कोई कुछ नहीं कह पा रहा था।

साहब की स्थिति भी दिलचस्प थी। वह अपने पद की प्रतिष्ठा के बारे में सोचते हुए कुर्सी पर बिल्कुल तनकर बैठ गए थे। लेकिन जैसे ही शर्मा जी ने अपनी छड़ी की मूठ पर हाथ रखा, साहब की मुद्रा ढीली हो गई। वह अब छड़ी पर ध्यान केंद्रित करने लगे, मानो वह छड़ी ही कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति हो।

हमारे बीच चुप्पी थी, लेकिन यह चुप्पी किसी असहज स्थिति से ज्यादा किसी जाल का हिस्सा लग रही थी। साहब अपनी पेंसिल को गाल पर घिस रहे थे, मैं पेपरवेट से खेल रहा था और श्रीवास्तव जी छड़ी की मूठ पर हाथ फेरने में लगे हुए थे। तीनों की स्थिति बहुत ही अजीब थी। हम जैसे गहरे समुद्र में डूबते जा रहे थे, और चाय का जहाज हमें कहीं नजर नहीं आ रहा था।

फिर अचानक साहब ने घंटी बजाई। चाय के लिए घंटी बजाना अधिकारियों का एक परंपरागत तरीका था, जो किसी तरह की नर्वसनेस को शांत करने के लिए होता था। चपरासी दरवाजे से आया और उसने बताया कि होटल में दूध खत्म हो गया था और वह काफी दूर से चाय ले कर आ रहा था। यह सुनकर हमें और भी घिन आ रही थी। दूध खत्म हो गया? हम चाय के बिना ही बैठने को मजबूर थे!

हम तीनों की हालत जैसे सर्दी में सिकुड़ी हुई थी। साहब ने अपनी पेंसिल को गाल पर रगड़ते हुए दरवाजे की ओर देखा। हम सब एक-दूसरे को देखकर शून्य में खो गए थे। साहब ने फिर वही सवाल पूछा, क्या हाल हैं, शर्मा जी? शर्मा जी ने फिर जवाब दिया, सब ठीक है। फिर उन्होंने मेरी ओर रुख किया, क्या हाल है, मिश्रा जी? और मैंने भी वही जवाब दिया, सब ठीक है।

यह खेल कुछ ऐसा लग रहा था जैसे हम एक-दूसरे से बहुत दूर खड़े हो, लेकिन फिर भी एक दूसरे के साथ खड़े हैं। साहब को यह समझने में वक्त नहीं लगा कि चाय का इंतजार करना व्यर्थ था। वह फिर से घंटी बजाते हैं, और चपरासी के आने के बाद हम सब चाय पीने में लगे। चाय आ चुकी थी, लेकिन चाय का स्वाद हमारी स्थिति से कहीं अधिक बेहतर था। हम जल्दी से चाय पीते हुए उठे और साहब से विदा ले ली। दरवाजे तक पहुंचते ही, विकास जी ने कहा, मिश्रा जी, क्या हाल हैं हैदराबाद के? मैं हंसते हुए बोला, बस ठीक हैं, विकास जी, बस ठीक हैं!

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',

राशिफल

पौष शुक्ल पक्ष एकादशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन का आगमन बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा रहेगा

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शुभता के प्रतीक बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। स्वास्थ्य की स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम, संतान बहुत अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शुभ कार्यों में खर्च होगा। लेकिन खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है। बाकी प्रेम-संतान का साथ है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार अच्छा। आय के नवीन सोर्स बनेंगे।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
वाहन धीरे चलाएं। बहुत सावधानी बरतें। कोई रिस्क न लें। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय। प्रेम-संतान के लिए बहुत अच्छा समय। व्यापार अच्छा रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का बहुत अच्छा योग। घर में कुछ उत्सव हो सकता है। शुभ संस्कार हो सकते हैं।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। प्रेम व संतान की स्थिति अच्छी होगी। व्यापार भी अच्छा रहेगा।

भाजपा सरकार में हो रहा है व्यापारियों का शोषण : प्रदीप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी व्यापार सभा की समीक्षा बैठक गांव रोज़ा जलालपुर में आयोजित की गई। बैठक में समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में तथा प्रदेश सचिव डॉ. अजय चौरसिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नागर ने की तथा बैठक का संचालन समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव मनोज शर्मा ने किया।

इस अवसर पर भाजपा के पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला मंत्री सत्यपाल प्रजापति ने दर्जनों साथियों के साथ भाजपा छोड़कर सपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस मौके पर समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा सरकार में व्यापारियों का शोषण हो रहा है। आज भाजपा सरकार चंद पूंजीपतियों को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से छोटे और मध्यम वर्गीय दुकानदारों के रोजगार समाप्त कर रही है। छोटे व्यापारी पूरी तरह से तबाही के कगार पर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का व्यापारियों की समस्याओं की ओर ध्यान नहीं है। सरकार का लक्ष्य केवल व्यापारियों से अधिक से अधिक टैक्स वसूलने का है।

इस मौके पर समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष विपिन सेन ने कहा कि समाजवादी पार्टी ही व्यापारियों की सच्ची हितैषी है। व्यापारियों का हित समाजवादी पार्टी में सुरक्षित है।

इस मौके पर प्रमुख रूप से रामपाल नागर, डॉ. शशि यादव, मोहित यादव, अकबर खान, जगदीश सैन, दीपक नागर, हैप्पी पंडित, विजय यादव, संदीप सैन, उपेंद्र सिंह यादव, मुकेश वर्मा, नीरज तंवर, सतीश भाटी, फुरकान सिद्दीकी, संदीप कुमार, सुमित कुमार, कपिल कुमार, टेकचंद, श्याम, अजय, अन्नू कुमार, मोहित कुमार, सन्नी कुमार, विशाल कुमार आदि मौजूद रहे।

जेल से छूटने पर सीटू के जिलाध्यक्ष का हुआ स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। मजदूर-किसान आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा की परसों देर रात लुकसर जेल से रिहाई हुई। जेल से बाहर आते ही सैकड़ों मजदूर-किसान संगठनों के कार्यकर्ताओं ने उनका फूल-माला पहनाकर और पगड़ी बांधकर जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर किसान सभा के जिला संयोजक वीर सिंह नगर ने कहा कि किसान आंदोलन में गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में सीटू के कार्यकर्ताओं का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। किसानों की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने आंदोलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किसानों की बिना शर्त रिहाई की मांग को लेकर 12 दिसंबर 2024 को सीटू ने अन्य सहयोगी संगठनों के साथ डीएम कार्यालय सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा पर प्रदर्शन का ऐलान किया था।

प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस के उच्च अधिकारी उन पर दबाव बना रहे थे, लेकिन प्रदर्शन स्थगित करने से मना करने के कारण नाराज पुलिस अधिकारियों ने 19 दिसंबर 2024 को उन पर झूठा मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया। गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि पुलिस के उत्पीड़न के आगे हम झुकने वाले नहीं हैं और अपने हक-अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

सीटू के जिला महासचिव रामसागर ने कहा कि पुलिस द्वारा लगाए गए सभी आरोप फर्जी हैं। जनपद के मजदूर, किसान और आम जनता सब कुछ समझ रही है और मजबूती से गंगेश्वर दत्त शर्मा के साथ खड़ी है। कल और आज शहर के विभिन्न सम्मानित लोगों ने उनका स्वागत किया और जेल से रिहाई की बधाई दी।

सोरन प्रधान का हुआ स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान और किसान आंदोलन में जेल गए सभी साथियों का स्वागत और सम्मान मतलूब अली, निवासी ग्राम डेरिन खूबन, ने अपने आवास पर किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अलीहसन मुखिया जी ने की और संचालन जिला अध्यक्ष पप्पे नागर ने किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान जी ने आंदोलन के पूरे घटनाक्रम पर प्रकाश डाला और गांव के सभी लोगों को यह भरोसा दिलाया कि वे अपनी मांगों को लेकर पूरी तरह गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हमें जेल भेजकर हमारे मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही है, लेकिन यदि अपनी किसान बिरादरी के लिए बार-बार जेल जाना भी पड़े, तो हम इसके लिए तैयार हैं।

गांव की ओर से अलीहसन मुखिया जी और गांव के अन्य सभी लोगों ने आंदोलनकारियों का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की बात कही।

इस अवसर पर बाबा देशराज, श्रीकृष्ण बेसला, मोहनपाल बीडीसी, मेहरबान अली, जोराभाटी, सहदेव भाटी, रामहर प्रधान, सतीश नागर, अरुण नंबरदार, मनोज भाटी, सोनू मावी, सचिन मावी, फ़ाइन ख़ान फौजी, फरमान त्यागी, पप्पू, यामीन मुखिया, सल्लन पहलवान, इमरान ख़ान, फैजान डीलर, हैदर ख़ान, नाज़िम त्यागी, शारुख़ ख़ान, विक्की, जिसान समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

चुनाव को लेकर हुई भाजपा की बैठक

ज्ञानपुर (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय ज्ञानपुर में कल बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश महामंत्री व विधान परिषद सदस्य, गोविंद नारायण शुक्ला, और जिला चुनाव अधिकारी व प्रदेश कार्य समिति सदस्य, दिनेश राय उपस्थिति रहे।

बैठक में भाजपा के जिला अध्यक्ष और प्रांतीय परिषद के नामांकन हेतु आवेदन पत्र (फॉर्म) वितरित किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यालय पर गहमागहमी का माहौल बना रहा।

बैठक के दौरान, प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने कहा कि संगठन का यह चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा और प्रदेश नेतृत्व के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी एक बड़ा दल है, जहां कार्यकर्ता हमेशा उत्साह और गर्व के साथ काम करते हैं। इस अवसर पर भदोही सांसद डॉ. विनोद बिंद, पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय, पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्रा, पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष अनूरुद्ध त्रिपाठी सहित अन्य प्रमुख नेता, मंडल अध्यक्ष, और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

बेटियों को सुप्रीम अदालत ....

लड़की ने अपनी मां को दिए जा रहे कुल गुजारा भत्ते के एक हिस्से के रूप में अपने पिता द्वारा उसकी पढ़ाई के लिए दिए गए 43 लाख रुपये लेने से इनकार कर दिया।

अदालत ने आदेश में कहा कि बेटी होने के नाते उसे अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च प्राप्त करने का ऐसा अधिकार है जिसे खत्म नहीं किया जा सकता है। इस आदेश को कानूनी रूप से लागू किया जा सकता है।

अदालत ने कहा कि लड़की ने अपनी गरिमा का ध्यान रखते हुए इस राशि को रखने से इनकार कर दिया और अपने पिता को पैसे वापस लेने को कहा, लेकिन पिता ने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि बेटी कानूनी रूप से राशि की हकदार थी। पिता ने बिना किसी कारण के पैसे दिए, जिससे पता चलता है कि वे फाइनेंशियल तौर पर मजबूत हैं और अपनी बेटी की पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद करने में सक्षम हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम केवल इतना ही मानते हैं कि बेटी को अपनी शिक्षा जारी रखने का मौलिक अधिकार है, जिसके लिए माता-पिता को अपने वित्तीय संसाधनों की सीमा के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है।

'वक्फ का जिन...

जमीन किसके नाम पर थी और फिर उसको हम वापस दिलाने का काम कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि कहीं भी, किसी भी ऐसी जमीन पर जो सार्वजनिक उपयोग में होगी. हिंदू आस्था से जुड़े पवित्र स्थलों की जमीन होगी या सरकार की जमीन होगी, वहां पर हम इस प्रकार के किसी भी भूमाफिया बोर्ड को कब्जा नहीं करने देंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ये कुंभ की भूमि है और आने वाले साधु-संतों को कुंभ के आयोजन के लिए इसी प्रकार से उपलब्ध होती रहेगी।

35 दावेदारों की किस्मत...

जिला अध्यक्ष पद के लिए 35 नामांकन पत्रों के साथ-साथ प्रदेश परिषद सदस्य पद के लिए भी दो नामांकन पत्र दाखिल किए गए। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में नामांकन पार्टी में लोकतांत्रिक प्रक्रिया और कार्यकर्ताओं के उत्साह को दर्शाता है।

वीडियो बनाने पर...

उसने जब गाली देने का विरोध किया तो युवकों ने उसे लाठी डंडों और सरियों से पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर पड़ोसी इकट्ठा हो गए। पड़ोसियों ने किसी तरह उसे हमलावर युवकों के चंगुल से बचाया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

अतुल कुमार के मुताबिक वह अपना इलाज कराने अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि उसके हाथ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मौसेरे भाई ने प्लॉट ...

मौसेरे भाई की बातों का विश्वास कर उसने प्रवेश कुमार राठी को 22 जून 2024 को 1050000 दे दिए। इस दौरान उसे पता चला कि जिस प्लॉट को प्रवेश उसे दिलवा रहा है वह वादग्रस्त है। इसके बाद उसने अपने मौसेरे भाई से प्लॉट खरीदने से इनकार करते हुए दिए गए पैसे वापस मांगे। प्रवेश कुमार राठी उसे पैसे देने के लिए बहाना बनाता रहा। उसने जब सख्त तगादा किया तो प्रवेश ने स्पष्ट कहा कि वह कोई पैसा वापस नहीं करेगा।

पीड़ित के मुताबिक 26 सितंबर को प्रवेश ने फोन पर व्हाट्सएप मैसेज भेज कर गंदी-गंदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। 27 सितंबर को प्रवेश उसके घर कस्बा रबूपुरा आया। इस दौरान वह घर पर नहीं था उसकी पत्नी काजल ने दरवाजा नहीं खोला तो प्रवेश उसके मकान तथा जिस स्कूल में उसकी 6 वर्षीय बेटी पढ़ती है उसका फोटो खींचकर ले गया। प्रवेश कुमार राठी ने घर व स्कूल के फोटो उसके व्हाट्सएप पर भेज कर उसकी बेटी का अपहरण कर जान से मारने की धमकी दी।

सोहन पाल धाम के मुताबिक उसके मौसेरे भाई पर हत्या जैसे कई संगीन मामले भी दर्ज हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बसपा के पूर्व लोकसभा...

में बैठकर फरार हो गए। सतबीर नागर के मुताबिक यह पूरी घटना फार्म हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पूर्व प्रत्याशी का कहना है कि इस घटना से वह काफी सहमे हुए हैं और भविष्य में भी उनके अथवा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कोई अनहोनी घटना घटित हो सकती है। सतवीर नागर ने दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई तथा स्वयं को सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की है।

घने कोहरे में हाईवे...

रही गाड़ियां भी आपस में टकरा गईं। हाईवे पर पिकअप गाड़ी और आर्टिका, मारुती वैन और स्विफ्ट कार भी आपस में टकरा गई।

पुलिस के अनुसार, पीछे से टकराने वाली गाड़ी में कोई घायल नहीं है। सभी लोग सुरक्षित है और तुरंत वाहनों को हाईवे से हटवा दिया गया। इसके बाद पुलिस ने वाहनों का आवागमन शुरू कराया गया।

उधर पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ा दी है। ठंडी हवाएं चलने की वजह से नोएडा समेत पूरा एनसीआर भीषण शीतलहर की चपेट में है और धुंध ने लोगों की दुश्वारियो को बढ़ा दिया है। नोएडा में सुबह का पारा 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वही ग्रेटर नोएडा में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, हाइवे पर वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा और जो गाडियां चल भी रही है उन्हें लाइट जलाकर चलना पड रहा है। मौसम विभाग ने बारिश का भी अलर्ट किया जारी।

नोएडा शीतलहर की चपेट में है और कोहरे की चादर आसमान पर नजर आ रही है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार नोएडावासियो लोगों को ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं नजर आ रहे हैं वेस्टर्न हिमालय रीजन में वेस्टर्न साइक्लोन एक्टिव है जिसके चलते आने वाले दिनों का मौसम ठंडा होगा।

दो घरों के ताले तोड़े नकदी...

पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 36 में रहने वाले इंद्रदेव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 3 जनवरी की रात को मध्य प्रदेश के नागपुर गया था। 9 जनवरी को जब वह घर लौटा तो उसे घर का ताला टूटा हुआ मिला।चोर उसके घर से एक लाख रुपए व सोने चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए।

वहीं थाना रबूपुरा में एक व्यक्ति ने घर से बाइक व गैससिलेंडर चोरी करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम फलेंदा बांगर निवासी मंगतू ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 23 दिसंबर की रात्रि को कुछ लोग उसके घर से बाइक व सिलेंडर चोरी कर ले गए। उसने सुबह जब रास्ते पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो उसमें दो व्यक्ति मुंह को ढके हुए बाइक से जाते हुए दिखाई दिए। यह लोग उसके घर के बाहर से बाइक और सिलेंडर को चोरी कर ले जा रहे थे। पीड़ित के मुताबिक उसे गांव के ही कालू, अरविंद व कोल्डिक पर चोरी कर शक था। उसने जब बाइक व गैस सिलेंडर के बारे में इन लोगों से पूछा तो तीनों आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि इस घटना से उसका परिवार सहमा हुआ है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

सेक्टर-128 चौराहे पर....

इस बीच, सेक्टर 18 में जीआईपी मॉल के पास क्लॉक टॉवर को बनाने का काम जारी है। इसका डिज़ाइन श्रीनगर के प्रसिद्ध लाल चौक क्लॉक टावर से प्रेरित है। लेकिन इसकी प्रेरणा के विपरीत, इस क्लॉक टावर में कई मंजिलें नहीं होंगी। इसके बजाय, इसकी चोटी पर तिरंगा झंडा फहराया जाएगा।घड़ी में रोमन अंक होंगे और यह सौर ऊर्जा से चलेगी। टावर का निर्माण करने वाली कंपनी ही घड़ी लगाने की भी जिम्मेदारी लेती है। लाल रंग की संरचना उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के तत्वों को प्रदर्शित करेगी।

सेक्टर 18 क्लॉक टॉवर के चारों ओर एक ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी। जिसमें बैठने की बेंच और एक सेल्फी प्वाइंट होगा। स्थान को रणनीतिक रूप से चुना गया था क्योंकि यह दिल्ली से सीधे जुड़ने वाली सड़क पर स्थित है। ये एक तरफ सेक्टर 18 के व्यस्त वाणिज्यिक केंद्र और दूसरी तरफ लोकप्रिय जीआईपी मॉल से घिरा हुआ है। दोनों क्लॉक टावर शहरी विकास को सौंदर्य करण का एक हिस्सा है।

दबंगों ने घर पर...

जब वह लोग बाहर नहीं निकले तो उन्होंने घर पर पत्थर मारे। इसके बाद आरोपियों ने घर के बाहर उसके चाचा के दामाद की खड़ी वेगनर कार की लाइट तोड़ दी। इसके बाद आरोपी दोनों भाइयों को जान से मारने की धमकी देकर चले गए। यह पूरी घटना घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

आकाश शर्मा ने बताया कि छोटू और अभिषेक उसके भाई राहुल से रंजिश मानते हैं और पूर्व में भी कई बार उन पर जानलेवा हमला कर चुके हैं। पीड़ित के मुताबिक 1 दिसंबर की रात को भी गौरव, सचिन व अन्य लोगों ने उनके घर पर उसके भाई को जान से मारने के लिए गोली चलाई थी। इसके अलावा उसके भाई तथा उनकी मां व पत्नी के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की थी। इस मामले की रिपोर्ट भी उन्होंने पूर्व में थाने में दर्ज कराई थी। पीड़ित ने आरोपियों से अपनी तथा परिवार की जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

इलाहाबास में लगे...

के पास लगाई गई फेंसिंग को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मौके पर ट्रांसफार्मर टैंक,कोर व ढक्कन अलग-अलग जगह पर पड़े हुए मिले। अवर अभियंता के मुताबिक इस घटना से जहां उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है वहीं विभाग को करीब 592206 की धनराशि का नुकसान हुआ है। बता दें कि चोरों ने पूर्व में भी कई स्थानों पर ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर तेल व कॉपर क्वाइल चोरी करने की घटनाओं को अंजाम दिया है। हाल ही में थाना दादरी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद ट्रांसफार्मरो से तेल चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

एक हजार लीटर शराब पर चलाया बुलडोजर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने लगभग 3 लाख रुपए की अवैध शराब को नष्ट कर दिया है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की गई है। नोएडा पुलिस ने 1000 लीटर अवैध शराब को सेक्टर-63 थाना पुलिस ने पकड़ा था। चेकिंग के दौरान पुलिस ने लाखों की शराब बरामद की थी।

बाद में पुलिस ने अवैध शराब को बुलडोजर से नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई से पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ सख्त संदेश दिया है।

फुटपाथ पर सोए लोगों को रैन बसेरों में भेजा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शीत लहर एवं ठंड को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से सुरक्षित रखने के लिए डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरों का संचालन, अलाव तथा अन्य राहत कार्य कराये जा रहे हैं।

इसी कड़ी में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा विवेकानंद मिश्रा ने नोएडा में रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया और उनको बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जनपद में रैन बसेरे बनाए गए हैं, आप खुले आसमान या सड़क किनारे फुटपाथ पर न सोए। उन्होंने आम जनमानस से भी अपील करते हुए कहा कि यदि उनको भी कोई व्यक्ति खुले आसमान में सड़क किनारे फुटपाथ पर सोता हुआ मिले तो, उसको रैन बसेरे के संबंध में बताएं कि वह ऐसे खुले में ना सोकर जिला प्रशासन द्वारा संचालित किये जा रहे रैन बसेरों में प्रवास कर सकते हैं। साथ ही इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए।

नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के नेतृत्व में इसी प्रकार से रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे या खुले आसमान में सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया जाएगा एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए जाएंगे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

महाकुम्भ से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपए की होगी वृद्धिः सीएम योगी

प्रयागराज (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि महाकुम्भ 2025 अब तक के सभी कुम्भ पर्वों से अधिक दिव्य और भव्य होगा। इस महाकुम्भ में आस्था और आधुनिकता का समागम होगा और यह समागम प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कैसे खुशहाली ला सकता है, इसका उदाहरण भी बनेगा। उन्होंने कहा कि लाखों लोग इस महासमागम और व्यवस्था के साथ जुड़े हुए हैं। ये प्रयागराज के साथ साथ पूरे देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा। अकेले प्रयागराज कुम्भ से अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपए का ग्रोथ होने का अनुमान है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ सांस्कृतिक एकता का ऐसा महायज्ञ है जो पूर्व से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण न केवल भारतवर्ष को अपितु सम्पूर्ण विश्व को एक नीड़ (घोंसले) में लाकर स्थापित कर देता है। यजुर्वेद का संदर्भ देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यजुर्वेद में कहा गया है यत्रविश्वं भवत्येक नीड अर्थात जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक घोंसले में आ जाता है। महाकुम्भ उसी परिकल्पना का उत्कृष्ट उदाहरण है।

गुरुवार को महाकुंभ नगर में डिजिटल मीडिया सेंटर का लोकार्पण करने के बाद पत्रकारों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि 2017 से पहले की सरकारों ने आस्था का सम्मान नहीं किया। हमने आस्था का सम्मान किया और आस्था कैसे अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाती है, प्रयागराज इसका उदाहरण बनने जा रहा है। उन्होंने देश भर के पत्रकारों से अपील की कि हमने इस महाआयोजन को एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आधुनिक महासमागम के रूप में प्रस्तुत करने की जो योजना बनाई है, उसे अपनी रिपोर्टिंग के माध्यम से पूरी दुनिया में प्रसारित करना होगा, ताकि न केवल प्रयागराज बल्कि उत्तर प्रदेश को दुनिया के बेहतरीन डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया जा सके। यह मान्यता प्रयागराज को पहले ही मिल जानी चाहिए थी, लेकिन आपकी रिपोर्टिंग आज प्रयागराज को उसका हक दिलाने में मददगार होगी।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पत्रकार बंधुओं की आवश्यकता और अपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए सूचना विभाग द्वारा यह सर्वसुविधायुक्त मीडिया सेंटर तैयार किया गया है। खबरें फाइल करनी हों या इंटरव्यू और पॉडकास्ट, एडिटिंग हो या संदर्भ ग्रंथों की आवश्यकता, आप सभी की हर जरूरत को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। 2019 कुम्भ को आपने आस्था के अद्भुत संगम के रूप में देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया था। परिणाम था कि यूनेस्को ने प्रयागराज कुम्भ को मानवता की अमूर्त विरासत की मान्यता प्रदान की। इस बार भी विश्व मानता के कल्याण का मार्ग यहां से प्रशस्त हो, इसके लिए यह मीडिया सेंटर आपको समर्पित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 12 वर्ष के बाद महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है और उसमें भी 144 वर्ष का वह शुभ मुहुर्त आया जो सचमुच आज की पीढ़ी के लिए सौभाग्य की बात है। यह उनके लिए भी गौरव का क्षण है जो जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस आयोजन से जुड़े हैं। ये हमारा सौभाग्य है कि सनातन गर्व के प्रतीक महाकुम्भ पर्व का आयोजन करने का डबल इंजन सरकार को अवसर प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने कहा कि विगत 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री ने 5500 करोड़ की स्थायी परियोजनाओं का लोकार्पण किया। यह स्थायी विकास के कार्य हैं, जो प्रयागराज को नई पहचान देने वाले हैं। पांच कॉरीडोर, प्रयागराज

के छत्र कहे जाने वाले अक्षयवट का भव्य कॉरिडोर, भारद्वाज आश्रम कॉरीडोर, हनुमान मंदिर कॉरीडोर, प्रभु श्री राम और उनके सखा निषादराज की मिलन स्थली श्रृंगवेरपुर कॉरिडोर और सरस्वती कूप कॉरीडोर को प्रधानमंत्री जी ने लोकार्पित किया है। ब्रह्मा जी का यज्ञस्थल दशाश्वमेध घाट व मंदिर, नागवासुकि मंदिर या द्वादशमाधव के मंदिरों का जीर्णोद्धार, प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव को अविस्मरणीय बना देगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु वर्षों से पक्के घाट की प्रतीक्षा कर रहे थे, इस बार 12 किलोमीटर पक्के घाट बनाकर इस चिरप्रतीक्षित कार्य को पूरा कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज के अंदर 2019 के कुम्भ के दौरान भी इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य हुआ था। इस बार उससे भी दोगुना कार्य किया गया है। महाकुम्भ के बहाने प्रयागराज का कायाकल्प हो रहा है। उन्होंने मेला प्राधिकरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि कुम्भ का आयोजन मां गंगा और यमुना के तट पर ही संपन्न होता है और आयोजन के लिए हम लोगों के पास दिसंबर तक का समय होता है। अत्यधिक वर्षा के कारण हमें सिर्फ ढाई माह का समय मिला और उस दौरान तटों व नदी को व्यवस्थित करना, वहां कैंप लगाने, अस्थाई आश्रम स्थापित करके सुविधाएं प्रदान करना सुनिश्चित किया गया। इस मास्टर प्लान और लेआउट प्लान को जमीनी धरातल पर उतारने का कार्य इन ढाई महीने के अंदर मेला प्राधिकरण ने संपन्न कराया है।

सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि 2019 कुम्भ के पहले कुछ लोग भारत की आस्था, उसके सम्मान की कोई कीमत नहीं समझते थे। उन लोगों ने कुम्भ को गंदगी, अव्यवस्था और भगदड़ का पर्याय बनाया था। उनके लिए यह सबक होना चाहिए। कुम्भ इस बार आस्था और आधुनिकता के महासमागम के साथ दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन से जुड़ने जा रहा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आबादी इस महाआयोजन की साक्षी बनेगी। 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु यहां आएंगे। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में 2019 का कुम्भ स्वच्छता का प्रतिमान बना था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा, आज त्रिवेणी संगम को भी शुद्ध जल उपलब्ध हो रहा था। 2025 में और बेहतर व्यवस्था देखने को मिल रही है। 2019 में यहां पर कुल 1.15 हजार टॉयलेट बन पाए थे, इस बार ये 1.5 लाख से अधिक बन चुके हैं। ऐसे ही सेक्टर की संख्या बढ़ाई गई। प्रयास किया गया है कि संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो। इसके लिए 550 शटल बसें और इलेक्ट्रिक बसें भी उपलब्ध कराई गई हैं। कुम्भ स्वच्छ और सुरक्षित भी रहे इसकी भी पुख्ता व्यवस्था की गई है। 56 थाने बनाए गए हैं। एक एक गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। एंटी ड्रोन सिस्टम यहां स्थापित हो चुका है। पर्याप्त मात्रा में सीसीटीवी कैमरों का कवरेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में 13 अखाड़े स्थापित हो चुके हैं। दंडीबाड़ा, खाकचौक, आचार्यबाड़ा ये सभी व्यवस्थित रूप से यहां संचालित हो रहे हैं। प्रयागवाल भी अपनी व्यवसव्था को आगे बढ़ा रहा है। इस दौरान 25 से 30 लाख कल्पवासी भी अगले एक महीने तक प्रयागराज में रहेंगे। वे भी यहां एक-दो दिन में पर्याप्त मात्रा में प्रवेश कर जाएंगे। सीएम ने कहा कि इस बार 6 प्रमुख स्नान में तीन परंपरागत रूप से शाही स्नान थे जिन्हें पूज्य संतों ने अमृत स्नान के रूप में मान्यता दी है। मौनी अमावस्या के दिन हमारा अनुमान है कि 8 से 10 करोड़ श्रद्धालु प्रयागराज आएंगे। बसंत पंचमी में भी हमारा अनुमान है कि 5-6 करोड़ श्रद्धालु स्नान करने आएंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर भी भारी मात्रा में श्रद्धालु आने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 3 हजार से अधिक स्पेशल ट्रेनें दी हैं। यहां पर पहले से एयर कनेक्टिविटी के लिए 14 नई फ्लाइट्स जोड़ी गई हैं। 8 हजार से अधिक परिवहन की बसें श्रद्धालुओं को लाने के लिए लगाई गई हैं। 9 रेलवे स्टेशन हैं, जहां श्रद्धालुओं के लिए वेटिंग स्टेशन बनाए गए हैं जिसमें एक लाख लोगों के रुकने की व्यवस्था रहेगी। मोबाइल टिकट भी हर स्टेशन पर उपलब्ध होंगे। डिजिटल डिस्प्ले के माध्यम से सभी परिवहन स्थलों पर गाड़ियों के आने जाने की सूचना मिलेगी।

इस अवसर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना एवं जनसम्पर्क संजय प्रसाद व अन्य प्रमुख अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्रीस में मिला एचएमपीवी का संक्रमण

एथेंस। ग्रीस में एक व्यक्ति में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण की पुष्टि हुई है। मरीज को निमोनिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित था और उसे थेसालोनिकी में गहन देखभाल में रखा गया है। स्वास्थ्य कर्मचारियों को कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करने और सख्त स्वच्छता उपायों को अपनाने की सलाह दी है। इस संबंध में एथेंस के नेशनल एंड कपोडिस्ट्रियन विश्वविद्यालय के महामारी विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर गिकिकास मैगियोर्किनिस ने जनता को आश्वस्त किया कि इस वायरस को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह वायरस पहले से ही मौजूद है और खतरनाक नहीं है। यह वायरस पहले से ही 2001 से मौजूद है और अब तक इसके कारण किसी गंभीर प्रभाव की सूचना नहीं है। इंडोनेशिया के स्वास्थ्य मंत्री बुदी गुनादी सादिकिन ने भी मंगलवार को इस वायरस की पुष्टि की थी और बताया कि इससे संक्रमित कई बच्चे सामने आए हैं, लेकिन यह बीमारी खतरनाक नहीं है।

लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग अब शहर के रिहायशी इलाकों तक पहुंच गई है। इसे राज्य के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी आपदा बताया जा रहा है। वहीं अधिकारियों ने बताया कि इस भीषण आग में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तूफानी हवा के झोंकों ने आग को और भड़का दिया है।

प्रीतीश नंदी का निधन, शोक में डूबी फिल्मी दुनियां

मुंबई। फिल्म निमार्ता, चित्रकार और पत्रकार प्रीतीश नंदी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया, जिससे फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। प्रीतीश नंदी के निधन पर करीना कपूर खान, अनिल कपूर, अनुपम खेर और अन्य फिल्मी सितारों ने सोशल मीडिया पर शोक जताया है। अभिनेता अनिल कपूर ने इस खबर को झटका बताते हुए नंदी के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने पोसट में लिखा- प्रीतीश नंदी निडर और एक साहसी इंसान थे। वह हमेशा ईमानदारी के साथ खड़े रहते थे और हमेशा दूसरों की मदद करते थे। मुझे आज भी वह वीकली कवर शूट याद है, जब उन्होंने मेरी असहजता को समझते हुए उसे तुरंत रद्द कर दिया था।

एचएमपीवी महज सर्दियों में होने वाला सामान्य संक्रमण : डब्ल्यूएचओ

एजेंसी

जिनेवा। सर्दियों के दौरान सांसो से जुड़े संक्रमण में बढ़ोतरी और ह्यूमन मेटाप्नूमोवायरस (एचएमपीवी) को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अधिकारी मार्गरेट हैरिस ने इसको लेकर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सर्दियों और वसंत ऋतु के दौरान श्वसन संक्रमणों का बढ़ना सामान्य है और इससे घबराने की जरूरत नहीं है। बता दें कि बीते दिनों एचएमपीवी ने भारत में भी दस्तक दे दी है। देश में एचएमपीवी के 5 नए मामले सामने आए थे। इनमें से 2 मामले कर्नाटक में, 2 तमिलनाडु में और 1

गुजरात में मिले थे। हालांकि केंद्र सरकार ने आश्वस्त किया था कि इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। मार्गरेट हैरिस ने यह भी कहा कि चीन में श्वसन संक्रमण के जो मामले सामने आ रहे हैं, वे सामान्य स्तर पर हैं और सर्दियों के मौसम में इस तरह के मामले अक्सर आते रहते हैं। उन्होंने बताया कि चीन में अस्पतालों का उपयोग दर पिछले साल की तुलना में इस समय कम है और किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति घोषित नहीं की गई है। हैरिस ने यह स्पष्ट किया कि ह्यूमन मेटाप्नूमोवायरस कोई नया वायरस नहीं है। इसे पहली बार 2001 में पहचाना गया था और यह लंबे समय से मानव आबादी में मौजूद है। यह वायरस सर्दियों और वसंत के मौसम में सक्रिय होता है और इसके लक्षण सामान्य सर्दी जैसे होते हैं। उन्होंने बताया कि चीन के रोग नियंत्रण केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मौसमी इन्फ्लुएंजा वायरस सबसे ज्यादा मामलों में सामने आ रहा है। दिसंबर के अंत में इन्फ्लुएंजा के लिए टेस्ट पॉजिटिविटी रेट 30प्रतिशत से अधिक थी, जो आउटपेशेंट और आपातकालीन विभागों में फ्लू जैसे लक्षणों के साथ प्रस्तुत होने वाले मरीजों के लिए सामान्य है। हैरिस ने संक्रमण से बचाव के लिए सरल उपाय अपनाने की सलाह दी है। ये वही उपाय हैं, जो कोविड-19 के दौरान सुझाए गए थे। उन्होंने कहा, सर्दियों के दौरान बीमार होने से बचने के लिए सबसे अच्छा तरीका है, संक्रमण से बचाव के उपायों को अपनाना।

70 से अधिक रेलवे स्टेशनों का किया जा रहा विकास : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने कहा कि विशाखापत्तनम के नए शहर में साउथ कोस्ट रेलवे जोन के मुख्यालय की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के लिए इस विकास के महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे एक अलग रेलवे जोन की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साउथ कोस्ट रेलवे जोन मुख्यालय की स्थापना से क्षेत्र में कृषि और व्यापार गतिविधियों का विस्तार होगा और पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने हजारों करोड़ रुपये की कनेक्टिविटी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का भी उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश 100% रेलवे विद्युतीकरण वाले राज्यों में से एक है और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 70 से अधिक रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आंध्र प्रदेश के लोगों की यात्रा को आसान बनाने के लिए सात वंदे भारत ट्रेनें और अमृत भारत ट्रेन चलाई जा रही हैं।

सऊदी अरब में भारी बारिश, तूफान का अलर्ट

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब में भारी बारिश, तेज हवाओं और ओलों के साथ देश के कई हिस्सों में आंधी-तूफान का कहर जारी है। नेशनल सेंटर फॉर मेट्रोलॉजी (एनसीएम) ने राजधानी रियाद, मक्का, असीर, और बहा समेत कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश, ओले और धूल भरी आंधी के साथ दृश्यता कम होने की चेतावनी भी जारी की है।

सऊदी के मौसम विभाग के मुताबिक मक्का, मदीना और जेद्दा में भारी बारिश से निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। रियाद में मौसम की पहली बारिश दर्ज की गई, जिससे

जनजीवन प्रभावित हुआ। लोगों को जलभराव वाले इलाकों और घाटियों से दूर रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने अनुमान है कि देश के उत्तरी हिस्सों में तापमान में गिरावट आएगी। वहीं, रियाद, कासिम, पूर्वी क्षेत्र और जजान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। लाल सागर के ऊपर हवाओं की गति 20-50 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान है, जिससे समुद्र में लहरों की ऊंचाई डेढ़ से दो मीटर ऊपर तक पहुंच सकती है। सोशल मीडिया पर मक्का, मदीना और जेद्दा के वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें सड़कों पर पानी भरा हुआ और डूबी हुई कारें दिखाई दे रही हैं। सिविल डिफेंस ने नागरिकों को घर के अंदर रहने और सुरक्षा निदेशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है।

सऊदी अरब के मौसम में पिछले कुछ सालों में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। जहां रेतीले इलाकों में हरी घास उगने के मामले सामने आए हैं, वहीं अब भारी बारिश और बाढ़ की घटनाएं सामने आ रही हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में मौसम असामान्य हो गया है। खराब मौसम से बढ़ते खतरे के बीच, सऊदी प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए जनता को सुरक्षित रहने के निर्देश दिए हैं।

ओम बिरला ने की ऋषि सुनक से मुलाकात

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इन दिनों ब्रिटेन के दौरे पर हैं। ओम बिरला ने ब्रिटेन के पूर्व पीएम ऋषि सुनक से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बिरला ने अपनी मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने ब्रिटेन और भारत के ऐतिहासिक संबंधों, संसदीय लोकतंत्र के साझा मूल्यों, और कई समकालीन मुद्दों पर भी चर्चा की। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सोशल मीडिया, फर्जी खबरों के प्रभाव और इन चुनौतियों से निपटने के लिए उपयुक्त कानूनों की जरुरत पर भी विचार किया। ओम बिरला ने ऋषि सुनक को पीएम मोदी की कई प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी।

होमगार्ड जवान ने की पत्नी बेटी और भतीजी की हत्या

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक होमगार्ड जवान ने जालाहल्ली क्रॉस पर अपनी पत्नी, बेटी और भतीजी की बेरहमी से हत्या कर दी। सूचना मिलने पर गश्ती टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और तीनों को मृत पाया, जिनके शरीर पर धारदार हथियार से चोट के निशान थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेंगलुरु पूर्व के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया गश्ती टीम को सूचना मिली थी कि जालाहल्ली क्रॉस पर तीन शव पड़े हैं उसके तुरंत टीम घटनास्थल पर पहुंची और तीनों के शव बरामद किए। वहीं होमगार्ड जवान गंगाराजू को मौके से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि हत्या करने के बाद आरोपी गंगाराजू ने हथियार लेकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि हत्याओं के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल सका है और आगे की पूछताछ के बाद इसका पता लगाया जाएगा। जहां आरोपी गंगाराजू का परिवार पिछले पांच सालों से किरायेदार से रह रहा था वहां के मकान मालिक ने बताया कि इससे पहले उनके बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि मकान मालिक को संदेह है कि घटना के समय गंगाराजू नशे में होगा। होमगार्ड गंगाराजू ने पत्नी भाग्या (36), बेटी नव्या (19) और भतीजी हेमावती (23) की हत्या कर दी।

दिल्ली चुनाव में भाजपा और आप के बीच पोस्टर वॉर तेज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच पोस्टर वॉर तेज हो गया है। पिछले 9 दिनों में दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप के पोस्टर और एडिटेड वीडियो शेयर किए हैं। भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़ी चार पोस्टर साझा किए, जिसमें एक में उन्हें गोविंदा की फिल्म राजा बाबू के रूप में दिखाया गया, वहीं दूसरे पोस्टर में केजरीवाल के साथ एक टॉयलेट शीट की फोटो लगाकर टॉयलेट चोर का आरोप लगाया। इसके अलावा भाजपा ने केजरीवाल को दुलकर सलमान की फिल्म लकी भास्कर के पोस्टर के रूप में भी पेश किया। भाजपा के इन पोस्टरों के जवाब में आप ने भी 8 पोस्टर और एडिटेड वीडियो शेयर किए। दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रही हैं, जो सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है। आप ने पहले ही अपनी पूरी सूची उम्मीदवारों की घोषित कर दी है, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव मैदान में है। इस बीच, कांग्रेस ने भी अपनी तीन लिस्ट में 48 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा को कालकाजी सीट से प्रत्याशी बनाया है, जबकि भाजपा ने अपनी पहली लिस्ट में 29 उम्मीदवारों का ऐलान किया है, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश वर्मा को नई दिल्ली से उम्मीदवार बनाया गया है।

सड़क हादसे में दो की मौत

मुंबई। सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर के प्री-रिलीज इवेंट से लौट रहे दो फैंस की सडक हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, काकिंडा के गाइगोलुपाडु के रहने वाले अरवा मणिकांता (23) और थोका चरण (22) इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में, एक तेज रफ्तार वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दोनों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत पेड्डापुरम के अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, उनकी चोटें इतनी गंभीर थीं कि डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से राम चरण के फैंस और उनके परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई।

रूस ने यूक्रेन पर दागी मिसाइलें, 13 की मौत

एजेंसी

मॉस्को। रूस ने दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर पर मिसाइलें दागीं जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई जबकि 30 अन्य घायल हो गए। रूस के अधिकारियों ने इस हमले में एक बड़े ड्रोन हमले की बात मानी है और कहा कि उन्होंने लड़ाई के लिए एक आपातकालीन कमांड सेंटर स्थापित किया है। वहीं यूक्रेन ने भी अपनी तरफ से लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोन का शस्त्रागार विकसित करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं ताकि वह रूस में पश्चिमी आपूर्ति वाली मिसाइलों से हमला कर सके। यूक्रेन ने ड्रोन और मिसाइलों को अपनी सेना के लिए बेहद महत्वपूर्ण बनाते हुए सीमाओं तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा

है। इससे पहले यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने बताया कि रूस के सारातोव क्षेत्र के एंगेल्स में एक भंडारण सुविधा पर ड्रोन हमला हुआ था। इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन ड्रोन के मलबे से एक औद्योगिक संयंत्र में आग लग गई। यह हमला हुआ और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसे नागरिक क्षेत्रों पर किए गए एक और क्रूर हवाई हमले के रूप में बताया। आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंची जेलेंस्की ने कहा कि इस हमले के दौरान कई लोग मलबे के नीचे दब गए थे और उन्हें बचाने के लिए आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंची। उन्होंने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक पोस्ट की जिसमें नागरिक मलबे से भरी सड़कों पर पड़े हुए दिखाई दे रहे थे। राष्ट्रपति ने इसे नागरिकों पर किए गए हवाई हमलों की क्रूरता का उदाहरण बताया। जापोरिज्जिया क्षेत्र के गवर्नर इवान फेडोरोव ने कहा कि हमले से कुछ मिनट पहले ही उन्होंने विनाशकारी ग्लाइड बम और मिसाइल हमलों की चेतावनी दी थी। दोपहर में रूसी सैनिकों ने जापोरिज्जिया में ग्लाइड बम गिराना शुरू कर दिया और इनमें से कम से कम दो बम शहर की आवासीय इमारतों पर गिरे। फेडोरोव ने घोषणा की कि गुरुवार को इस क्षेत्र में शोक का दिन होगा।

खास खबर

आकाश दीप एक माह तक खेल से बाहर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप सिंह चोटिल होने के कारण करीब एक महीने तक खेल से दूर रहेंगे। आकाशदीप को हाल के ऑस्ट्रेलिया दौरे में चोट लगी थी। आकाशदीप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में पीठ दर्द के कारण नहीं खेले थे। आकाशदीप तब तकरीबन एक महीने तक कोई मैच नहीं खेल पाएंगे। इस दौरान बेंगलुरू स्थित एनसीए (नेशनल क्रिकेट एके-डमी) में उनका इलाज ओर रिहैबिलिटेशान होगा। आकाश दीप को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो टेस्ट मैच में खेलने का अवसर मौका मिला था। इसमें वह पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। अब तक आकाश ने कुल 7 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्हें अब तक एकदिवसीय और टी20 खेलने का अवसर नहीं मिला है। उनके इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अवसर मिल सकता था पर चोटिल होने के कारण यें सभावना समाप्त हो गयी है।

कराटे चैंपियनशिप में बनर्जी ने जीता खिताब

रानीगंज। कौशल, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन का असाधारण प्रदर्शन करते हुए कोलकाता की 16 वर्षीय कराटेका ऋषिका बनर्जी ने राष्ट्रीय पूर्ण संपर्क कराटे चैम्पियनशिप 2025 जीत लिया है, इसी के साथ वह यह चैम्पियनशिप जीतने वाली सबसे कम उम्र की विजेता बन गई हैं। ओपन-वेट वयस्क वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, ऋषिका की जीत ने टूर्नामेंट की विरासत में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर चिह्नित किया। पश्चिम बंगाल के रानीगंज में आयोजित इस चैंपियनशिप में ऋषिका ने चार मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ कठिन मुकाबले खेले, जिनमें से प्रत्येक कई कठिन दौरों तक चला। चुनौतियों के बावजूद, ऋषिका ने शानदार तकनीक और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। अपनी जीत पर ऋषिका ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह जीत सिर्फ. मेरे लिए नहीं बल्कि हर उस युवा मार्शल आर्टिस्ट के लिए है जो बड़े सपने देखता है।

मिस्ट्री गर्ल के साथ नजर आये चहल

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की जिंदगी में आजकल सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पत्नी धनश्री वर्मा से उनके अलगाव की खबरें आ रही हैं। चहल और धनश्री ने साल 2020 में शादी की थी पर अब इन दोनो के संबंधों में दूरी आ गयी है। इसका संकेत इससे मिलता है कि दोनो ने ही सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। चहल ने अपनी पत्नी के साथ वाली तस्वीरें भी हटा दीं हैं। वहीं अब मुंबई के एक होटल के बाहर चहल एक मिस्ट्री गर्ल के साथ दिखे हैं जिससे भी अफवाएं बढ़ रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार चहल ने फोटोग्राफर्स को देखकर अपना चेहरा छुपाने का प्रयास कर रहे थे पर उनकी तस्वीर ऑनलाइन लीक हो गई। तस्वीर में चहल सफेद टी-शर्ट और बैगी जींस में थे, और उनका चेहरा ढका हुआ था। वहीं मिस्ट्री गर्ल स्वेटशर्ट और काली जींस में नजर आयी।

आकाशदीप एक महीने के लिए बाहर

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज और संभावित रूप से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में वापसी करने की उम्मीद है। नवंबर 2023 में विश्व कप फाइनल के बाद से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज ने हाल ही में सफेद गेंद क्रिकेट खेलना फिर से शुरू किया है और उनके भारतीय टीम के लिए उपलब्ध होने की संभावना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार, एनसीए की मेडिकल टीम शमी की बारीकी से निगरानी कर रही है, जिनकी दाहिनी एड़ी की सर्जरी हुई है। एड़ी ठीक हो गई है, लेकिन उनके घुटने में हल्की सूजन है, जिसके कारण उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद के चरणों के लिए विचार से बाहर कर दिया गया है। हाल ही में, शमी ने बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ खेलों में भाग लिया है और गुरुवार को बड़ौदा में हरियाणा के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में फिर से खेलने के लिए तैयार हैं।

जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

एजेंसी

राजकोट । स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय महिला किकेट टीम आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में जीत के इरादे से उतरेगी। हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज में जीत से टीम उत्साहित है और उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। मंधाना ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनो ही प्रारूपों में सबसे अधिक रन बनाए। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में भी बेहतर बल्लेबाजी करना रहेगा। इस सीरीज में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम देकर मंधाना को कप्तानी दी गयी है। हरमनप्रीत के अलावा तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को भी आराम दिया गया है। ऐसे में इस सीरीज में हरलीन देयोल, प्रतीका रावल को शामिल किया गया है। टीम में रन बनाने की

जिम्मेदारी मंधाना के अलावा जेमिमा रौड्रिग्स पर भी रहेगी। गेंदबाजी में रेणुका के नहीं होने से अब नई गेंदबाज टिटास साधू और साइमा ठाकोर को शामिल किया गया है। एकदिवसीय में तीन और टी20 में 13 विकेट ले चुकी साधू इस बार भी बेहतर करना चाहेंगी। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रफ्तार और स्विंग से प्रभावित किया है। वहीं साइमा ने अब तक आठ एकदिवसीय में सात विकेट लिए हैं। इसके अलावा आफ स्पिनर और उपकप्तान दीप्ति शर्मा की भूमिका भी अहम होगी जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 31 रन देकर छह विकेट लिये । उनका साथ देने के लिये प्रिया मिश्रा और तनुजा कंवर होंगी। ऑलराउंडर राघवी बिष्ट और सयाली सतघारे को भी टीम में शामिल किया गया है। वह इस अवसर का लाभ उठाना चाहेंगी। वहीं दूसरी ओर गैरी लुईस की कप्तानी वाली आयरलैंड भी अपनी ओर से पूरी तकता लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो आयरलैंड टीम ने अब तक 12 एकदिवसीय में एक भी बार भारत को नहीं हराया है। ऐसे में इस सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

दोनो टीमें

भारत : स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, उमा छेत्री, रिचा घोष, तेजल हसंबिस, राघवी बिष्ट, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधू, साइमा ठाकोर, सयाली सतघारे।

आयरलैंड : गैबी लुईस (कप्तान), एवा केनिंग, क्रिस्टिना रीली, अलाना डालजेल, लौरा डेलानी, जॉर्जिना डेंपसे, सारा फोर्ब्स, अलेर्ने केली, जोआना लोगरान, एमी मागिरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडेरगास्ट, उना रेमंड होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका दौरे के लिए की टीमघोषित, स्मिथ करेंगे कप्तानी

एजेंसी

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने श्रीलंका के खिलाफ इसी माह 29 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को दी गयी है क्योंकि टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस अभी निजी कारणों से टीम से बाहर हैं। इसके साथ ही वह उनके टखने में भी चोट है। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अंडर-19 क्रिकेट टीम के उपप्तान कूपर कोनोली को भी जगह मिली है। इसके अलावा युवा खिलाड़ी नाथन मैकस्वीनी की भी वापसी हुई है। मैकस्वीनी को भारत के खिलाफ सीरीज में विफल होने के कारण अंतिम टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। स्पिनर मैट कुहनेमैन और टॉड मर्फी को भी टीम में जगह मिली है। जोश हेजलवुड और मिशेल मार्श को फिट नहीं होने के कारण टीम में

जगह नहीं मिली है। , वहीं ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, स्पिनर एडम जाम्पा और पीटर हैंड्सकॉम्ब जैसे खिलाड़ियों को दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों के रूप में गया था पर टीम में शामिल नहीं किया गया है। चयनकताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि श्रीलंका में लाल गेंद से खेलने का अनुभव खिलाड़ियों के लिए काफी अच्छा रहेगा। बेली ने कहा, श्रीलंका दौरा चुनौतीपूर्ण रहेगा क्योंकि यहां खिलाड़ियों को अलग-अलग हालातों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही कहा कहा, हम उन टीम के सदस्यों के लिए भी उत्साहित हैं।

गुजरात, उत्तर प्रदेश की पुरुष टीमें शीर्ष दस में पहुंची

एजेंसी

भावनगर। गुजरात के भावनगर स्थित सिदसर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही 74वीं सीनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में गुजरात और उत्तर प्रदेश की पुरुष और पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र की महिला टीमें लेवल 2 से शीर्ष 10 में पहुंच गई हैं। यह चैंपियनशिप गुजरात बास्केटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से भारतीय बास्केटबॉल महासंघ के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। आज सुबह पुरुष वर्ग के क्वालीफाइंग दौर के मैचों में गुजरात ने असम को 78-41 से हराया। गुजरात के लिए सहज कुमार पटेल ने सरवाधिक 25 अंक अर्जित

सीनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप

किये, सहज के अलावा नमन ने 17 और कृष्णा ने 15 अंक अर्जित किये, जबकि असम के लिए जय प्रकाश ने 23 और अमित ने 16 अंक बनाए। वहीं, उत्तर प्रदेश ने ओडिशा को 84-59 से हराया। उत्तर प्रदेश के लिए रियांशु ने 19, हर्ष डागर ने 14 और सत्यजीत ने 12 अंक हासिल किये, जबकि ओडिशा के लिए अमित और शाहिद ने 19-19 अंक बनाए। महिला वर्ग में महाराष्ट्र ने तेलंगाना को 64-49 से हराया। महाराष्ट्र के लिए शिरीन लिमाए (16) और अंकिता (14) शीर्ष स्कोरर रहीं। वहीं, तेलंगाना के लिए सुदर्शिनी ने 16 और दुर्गा ने 15 अंक हासिल किये। पश्चिम बंगाल ने पुडुचेरी को 62-49 से हराकर प्रो क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पश्चिम बंगाल के लिए नीमा दोमा (18) और अवनि वर्धन (17) शीर्ष स्कोरर रहीं। वहीं, पांडुचेरी के लिए हारिनी बी ने 19 और वर्षिनी ने 10 अंक हासिल किये। बुधवार को पुरुष वर्ग में अंतिम सीटी बजने से तीन सेकंड पहले सहज प्रताप सिंह सेखों के तीन-पॉइंटर की मदद से भारतीय रेलवे ने ग्रुप ए के मैच में पंजाब को (73-72) हराया, जबकि ग्रुप बी के एक अन्य मैच में केरल ने सर्विसेज को (63-52) हराकर चौंका दिया।

मैंने वेवजह बुमराह को उकसा दिया : कोंस्टास

एजेंसी

सिडनी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने डेब्यू मैच में शानदार प्रदर्शन कर सभी की नजरों में आये ऑस्ट्रेलिया के युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास इस मैच में विवादों में भी रहे। उनकी विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह से झड़प तक हुई थी जिसके बाद अंपायर तक को हस्तक्षेप करना पड़ा था। डेब्यू मैच ही कोंस्टास की विराट के साथ भिड़ंत हो गई थी। इसके बाद सीरीज के अंतिम मुकाबले में कोंस्टास बुमराह से भिड़ गये। उसी को लेकर अब कोंस्टास का कहना है कि उससे गलती हुई। उन्होंने

बेवजह ही बुमराह को उकसा दिया था। बुमराह के साथ हुई झड़प को लेकर कोंस्टास ने कहा, मैं ज्यादा परेशान नहीं हुआ। दुर्भाग्य से, उस्मान ख्वाजा आउट हो गए। वह थोड़ा समय निकालने की कोशिश कर रहे थे। शायद यह मेरी गलती थी कि मैंने बुमराह को उकसा दिया था, लेकिन ऐसा होता है। यह क्रिकेट है। इसका श्रेय बुमराह को जाता है। उन्होंने विकेट हासिल किया। कोंस्टास को ऑस्ट्रेलिया के लिए बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में डेब्यू का मौका मिला था। कोंस्टास ने बुमराह के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। जिससे वह अतिउत्साहित थे। इसी दौरान उनको विराट कोहली का कंधा लग गया। जिससे दोनो के बीच विवाद हो गया।

विराट अभी रिटायर होते हैं तो भारतीय टीम का होगा नुकसान : क्लार्क

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि अगर अभी विराट कोहली संन्यास लेते हैं तो भारतीय क्रिकेट टीम को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। क्लार्क के अनुसार हाल के खराब प्रदर्शन के बाद विराट को टीम में रखे जाने पर सवाल उठा रहें। विराट न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में रन नहीं बना पाये। क्लार्क ने कहा कि अगर वे यदि वे कप्तान होते तो कोहली को टीम में बनाये रखने टीम प्रबंधन से भी टकरा जाते। क्लार्क ने कहा, ह्यवह सही है कि विराट पिछले मैचों में उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना सके हैं पर उनमें काफी प्रतिभा है। वह कब दोहरा शतक लगा दे कहा नहीं जा सकता। क्लार्क ने साथ ही कहा, ह्यवे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे आगे खेल

सकते हैं। उन्हें तब तक खेलना चाहिए जब तक कि उनका बेहतरीन खेल बाकी है। यदि वे अभी टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो जाते हैं तो केवल भारतीय टीम को ही नुकसान होगा।ह्ल विराट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 मैच में केवल 190 रन ही बना पाए थे। उन्होंने सीरीज के पहले मैच में शतक बनाया पर उसके बाद वह बाकि मैचों में विफल रहे। , कोहली के इस प्रदर्शन के बाद भी क्लार्क का मानना है कि भारतीय टीम में अभी उन्हें बनाये रखा जाना चाहिये।

इंग्लैंड की अंडर-19 टीम के कप्तान बने आर्ची

लंदन । इंग्लैंड ने ऑलराउंडर आर्ची वॉन को दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए पुरुष अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया है। आर्ची इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के बेटे हैं। इंग्लैंड दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 जनवरी से 6 फरवरी तक तीन 50 ओवर और दो लाल गेंद के मुकाबले होंगे। इसमें आर्ची 18 सदस्यीय अपनी टीम की कप्तानी करेंगे। आर्ची ने पिछले सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था। उन्होंने समरसेट की ओर से केवल चार काउंटी चैंपियनशिप मैचों में 15 विकेट लेने 236 रन भी बनाये हैं। आर्ची ने कहा कि वह टीम की कप्तानी को लेकर उत्साहित हैं। साथ ही कहा कि कप्तान बनने की जानकारी जब मिली तो वह मेरे लिए एक बहुत ही विशेष क्षण था।

जडेजा का अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त होने की ओर : रिपोर्ट

- चैंपियंस ट्रॉफी में भी जगह मिलने की संभावना नहीं

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का क्रिकेट करियर समाप्त होने की ओर है। एक समय जहां जडेजा आपनी अक्रामक बल्लेबाजी, कसी हुई फिल्डिंग और बेहतरीन गेंदबाजी के कारण टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते थे। वहीं अब ये बात नहीं रही और उनका प्रदर्शन भी नीचे आने लगा है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से प्रभावित नहीं कर पाये। ऐसे में जडेजा को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह शायद ही मिले। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन अब

एकदिवसीय विश्व कप 2027 की तैयारियों में लगे हैं। ऐसे में उसी अनुसार टीम भी बनाएंगे। इसकी शुरूआत चैंपियंस ट्रॉफी से ही होने की संभावना है। सफेद और लाल गेंद दोनो ही प्रारूपों में ही जडेजा का प्रदर्शन जिस प्रकार नीचे जा रहा है उससे भी टीम प्रबंधन उनके विकल्प देखना चाहेगा। इसके अलावा उनकी उम्र भी 35 तक पहुंच गयी है। वहीं गंभीर हर प्रारुप में कोर टीम बनाना चाहते हैं जो लंबे समय तक खेल सके। अभी तक उन्होंने लंबे प्रारूपों के साथ बहुत अधिक बदलाव नहीं किया है पर एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक मजबूत टीम बनाने में वह लगे हैं। ऐसे में वह उनकी जगह किसी नये खिलाड़ी को अवसर देना चाहेंगे। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर नितीश कुमार रेड्डी , वाशिंगटन सुंदर जैसे नाम है। पिछले साल जुलाई में टी20 विश्व कप जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा करने के बाद जडेजा को श्रीलंका में एकदिवसीचय सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। ऐसे में अब टेस्ट क्रिकेट में भी टीम प्रबंधन उनसे आगे बढ़ कसता है।

दूसरी ओर अक्षर पटेल भी जडेजा के लिए एक बड़ी चुनौती है। उन्हें जडेजा के विकल्प के रूप में तैयार किया गया है। वाशिंगटन सुंदर का स्पिनर ऑलराउंडर के रूप में उभरना भी एक बड़ी सकारात्मक बात है। इसके कुलदीप यादव की फिटनेस पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम को उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

अश्विन टीम में जगह नहीं मिलने से निराश थे : हैडिन

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर ब्रैड हैडिन ने कहा है भारतीय टीम के दिगगज स्पिनर आर अश्विन ने जिस प्रकार से सीरीज के बीच में संन्यास लिया वह उन्हें बेहद अटपटा लगा। हैडिन के अनुसार भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए पूरी तैयारी के साथ नहीं आई थी, जिसकी वजह से अश्विन निराश हुए होंगे। पहले तीन टेस्ट मैचों में से दो में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। ऐसे में ब्रिस्बेन टेस्ट के बाद अश्विन ने अचानक ही खेल को अलविदा कहने की घोषणा कर दी। हैडिन ने कहा कि अश्विन बेंच पर बैठने से खुश

नहीं थे और इसी वजह से उन्होंने यह बड़ा फैसला लिया होगा। हैडिन ने कहा, पहले तीन टेस्ट मैचों में भारतीय टीम ने तीन अलग-अलग स्पिनरों को खिलाया, जिससे साफ पता चलता है कि उन्हें अपनी रणनीति ही नहीं पता थी। ऑस्ट्रेलिया में खेलने का उन्हें अच्छा अनुभव है और उन्हें यहां सफलता भी मिली है, इसलिए अश्विन का सीरीज के बीच में संन्यास लेना अटपटा लगा। मुझे नहीं लगता कि यह मामला यहीं खत्म हो गया है। मुझे लगता है कि वह टीम में जगह न मिलने से निराश थे। अश्विन 106 टेस्ट मैचों में 537 विकेट लेकर भारत के दूसरे सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले (619 विकेट) हैं। हैडिन ने कहा कि अश्विन पहली पसंद के स्पिनर के रूप में नहीं चुने जाने के लिए तैयार नहीं थे, यही कारण हो सकता है कि उन्होंने अचानक संन्यास ले लिया। वह अपने को नंबर एक स्पिनर मानने थे और इसमें कोई गलती भी नहीं थी।

शुभमन की जगह यशस्वी को मिल सकता है अवसर

एजेंसी

नई दिल्ली । आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चयनकताओं बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शामिल कर सकते हैं। यशस्वी को इस टूनार्मेंट में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरूआत करने का अवसर मिल सकता है। यशस्वी इसलिए भी चयन समिति की पहली पसंद है क्योंकि शुभमन गिल का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की हार को भुलाकर आगे बढ़ना चाहेंगे और इसके लिए उन्हें एक अच्छे

जोड़ीदारी की जरुरत होगी। टेस्ट में भले ही रोहित पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर एक एकदिवसीय में जमकर रन बना सकते हैं। वहीं यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान पारी की शुरूआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं एकदिवसीय विश्वकप में रोहित के जोड़ीदारर रहे शुभमन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। वह इस दौरान एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। दूसरी ओर यशस्वी ने उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाए थे। यशस्वी ने 5 मैच की 10 पारियों में 1 शतक और 2 अर्धशतक की सहायता से 391 रन बनाये थे। यशस्वी ने अब तक कोई एकदिवसीय नहीं खेला है, ऐसे में वह इस टूनार्मेंट से 50 ओवरों के प्रारुप में डेब्यू कर सकते हैं।

ओडिशा वॉरियर्स ने असोटेक हिल्स, रांची का दौरा कर समुदाय को किया प्रेरित

रांची। झारखंड- खेल भावना और समुदाय की भागीदारी का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, ओडिशा वॉरियर्स महिला हॉकी टीम ने असोटेक हिल्स रांची प्रोजेक्ट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने निवासियों को आनंदित किया और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया। रांची में अभ्यास और उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग टूर्नामेंट में भाग लेने आई इस टीम ने युवा निवासियों से बातचीत की और उन्हें खेल को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। खिलाड़ियों ने ऑटोग्राफ दिए, सेल्फियां लीं और प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं, जिससे असोटेक हिल्स में एक जीवंत और यादगार माहौल बन गया। दौरे के दौरान टीम ने प्रोजेक्ट का भ्रमण किया और इसके विश्व स्तरीय सुविधाओं और जीवनशैली की खूब तारीफ की। उनकी सराहना ने निवासियों को गर्व से भर दिया, जो इस बात को और पुख्ता करती है कि असोटेक हिल्स एक बेहतर जीवन शैली के लिए प्रतिबद्ध समुदाय है। यह हम सबके लिए एक यादगार दिन था, एक निवासी ने साझा किया। विश्व स्तर के हॉकी सितारों और ओलंपिक हीरोज से मिलना, खासकर युवाओं के लिए, एक अविस्मरणीय अनुभव था।

ओडिशा वॉरियर्स उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग में अग्रणी हैं, जो देश में इस पैमाने का पहला अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी टूर्नामेंट है।

टीम में शामिल

यिब्बी जेन्सन-एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर 2024, क्लेयर कॉलविल -एफआईएच राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर 2024 नॉमिनी, जैनेक स्कोपमैन-एफआईएच कोच ऑफ द ईयर 2024, दीप ग्रेस एक्का -अर्जुन अवार्डी 2022, नेहा - टीम कप्तान और कुशल मिडफील्डर , ईशिका चौधरी-उप-कप्तान और मजबूत डिफेंडर और टीम के कई अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ी।

ग्रुप के प्रतिनिधि ने कहा

हमारा उद्देश्य केवल टीम का स्वामित्व लेना नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच बनाना है जहां महिला हॉकी खिलाड़ी चमक सकें। इन खिलाड़ियों में कौशल, सहनशक्ति और वह जज्बा है जो लाखों लोगों को प्रेरित करता है। वे खेल में किसी से कम नहीं हैं। असोटेक हिल्स रांची में यह दिन खेल और समुदाय के बंधन का जीवंत उत्सव था, जहां निवासियों ने ओडिशा वॉरियर्स से मिलकर और उन्हें समर्थन देकर गर्व महसूस किया। टूर्नामेंट की तैयारी में जुटी टीम ने एक ऐसा प्रभाव छोड़ा, जो सभी के लिए खेल भावना और आत्म-विश्वास का प्रतीक बनेगा।

जगन्नाथ मंदिर के 10 चमत्कार

।। नमोः नारायणाय। नमोः भगवते वासुदेवाय।।

माना जाता है कि भगवान विष्णु जब चारों धामों पर बसे अपने धामों की यात्रा पर जाते हैं तो हिमालय की ऊंची चोटियों पर बने अपने धाम बद्रीनाथ में स्नान करते हैं। पश्चिम में गुजरात के द्वारिका में वस्त्र पहनते हैं। पुरी में भोजन करते हैं और दक्षिण में रामेश्वरम में विश्राम करते हैं। द्वापर के बाद भगवान कृष्ण पुरी में निवास करने लगे और बन गए जग के नाथ अर्थात जगन्नाथ। पुरी का जगन्नाथ धाम चार धामों में से एक है। यहां भगवान जगन्नाथ बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजते हैं।

मंदिर का इतिहास

इस मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्ववसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है।

हिन्दुओं की प्राचीन और पवित्र 7 नगरियों में पुरी उड़ीसा राज्य के समुद्री तट पर बसा है। जगन्नाथ मंदिर विष्णु के 8वें अवतार श्रीकृष्ण को समर्पित है। भारत के पूर्व में बंगाल की खाड़ी के पूर्वी छोर पर बसी पवित्र नगरी पुरी उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर से थोड़ी दूरी पर है। आज का उड़ीसा प्राचीनकाल में उत्कल प्रदेश के नाम से जाना जाता था। यहां देश की समृद्ध बंदरगाहें थीं, जहां जावा, सुमात्रा, इंडोनेशिया, थाईलैंड और अन्य कई देशों का इन्हीं बंदरगाह के रास्ते व्यापार होता था।

पुराणों में इसे धरती का वैकुंठ कहा गया है। यह भगवान विष्णु के चार धामों में से एक है। इसे श्रीक्षेत्र, श्रीपुरुषोत्तम क्षेत्र, शाक क्षेत्र, नीलांचल, नीलगिरि और श्री जगन्नाथ पुरी भी कहते हैं। यहां लक्ष्मीपति विष्णु ने तरह-तरह की लीलाएं की थीं। ब्रह्म और स्कंद पुराण के अनुसार यहां भगवान विष्णु पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतरित हुए और सबर जनजाति के परम पूज्य देवता बन गए। सबर जनजाति के देवता होने के कारण यहां भगवान जगन्नाथ का रूप कबीलाई देवताओं की तरह है। पहले कबीले के लोग अपने देवताओं की मूर्तियों को काष्ठ से बनाते थे। जगन्नाथ मंदिर में सबर जनजाति के पुजारियों के अलावा ब्राह्मण पुजारी भी हैं। ज्येष्ठ पूर्णिमा से आषाढ़ पूर्णिमा तक सबर जाति के दैतापति जगन्नाथजी की सारी रीतियां करते हैं।

पुराण के अनुसार नीलगिरि में पुरुषोत्तम हरि की पूजा की जाती है। पुरुषोत्तम हरि को यहां भगवान राम का रूप माना गया है। सबसे प्राचीन मत्स्य पुराण में लिखा है कि पुरुषोत्तम क्षेत्र की देवी विमला है और यहां उनकी पूजा होती है। रामायण के उत्तराखंड के अनुसार भगवान राम ने रावण के भाई विभीषण को अपने इक्ष्वाकु वंश के कुल देवता भगवान जगन्नाथ की आराधना करने को कहा। आज भी पुरी के श्री मंदिर में विभीषण वंदापना की परंपरा कायम है।

स्कंद पुराण में पुरी धाम का भौगोलिक वर्णन मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार पुरी एक दक्षिणवर्ती शंख की तरह है और यह 5 कोस यानी 16 किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। माना जाता है कि इसका लगभग 2 कोस क्षेत्र बंगाल की खाड़ी में डूब चुका है। इसका उदर है समुद्र की सुनहरी रेत जिसे महोदधी का पवित्र जल धोता रहता है। सिर वाला क्षेत्र पश्चिम दिशा में है जिसकी रक्षा महादेव करते हैं। शंख के दूसरे घेरे में शिव का दूसरा रूप ब्रह्म कपाल मोचन विराजमान है। माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा का एक सिर महादेव की हथेली से चिपक गया था और वह यहीं आकर गिरा था, तभी से यहां पर महादेव की ब्रह्म रूप में पूजा करते हैं। शंख के तीसरे वृत्त में मां विमला और नाभि स्थल में भगवान जगन्नाथ रथ सिंहासन पर विराजमान है।

राजा इंद्रदयुम्न ने बनवाया था यहां मंदिर

राजा इंद्रदयुम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रदयुम्न को सपने में हुए थे जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रदयुम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति। विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्ववसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा तक पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी। विश्ववसु अपने आराध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान भी दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रदयुम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दे। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्ववसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए।

अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्वकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएंगे और अकेले में बनाएंगे। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रदयुम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाई। वह दरवाजे के पास गई तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गई। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया।

जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अधूरी मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि सुभद्रा के हाथ-पांव बनाए ही नहीं गए थे। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अधूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं।

वर्तमान में जो मंदिर है वह 7वीं सदी में बनवाया था। हालांकि इस मंदिर का निर्माण ईसा पूर्व 2 में भी हुआ था। यहां स्थित मंदिर 3 बार टूट चुका है। 1174 ईस्वी में ओडिसा शासक अनंग भीमदेव ने इसका जीर्णोद्धार करवाया था। मुख्य मंदिर के आसपास लगभग 30 छोटे-बड़े मंदिर स्थापित हैं।

हवा के विपरीत लहराता ध्वज

श्री जगन्नाथ मंदिर के ऊपर स्थापित लाल ध्वज सदैव हवा के विपरीत दिशा में लहराता है। ऐसा किस कारण होता है यह तो वैज्ञानिक ही बता सकते हैं लेकिन यह निशचित ही आश्चर्यजनक बात है।

यह भी आश्चर्य है कि प्रतिदिन सायंकाल मंदिर के ऊपर स्थापित ध्वज को मानव द्वारा उल्टा चढ़कर बदला जाता है। ध्वज भी इतना भव्य है कि जब यह लहराता है तो इसे सब देखते ही रह जाते हैं। ध्वज पर शिव का चंद्र बना हुआ है।

गुंबद की छाया नहीं बनती

यह दुनिया का सबसे भव्य और ऊंचा मंदिर है। यह मंदिर 4 लाख वर्गफुट में क्षेत्र में फैला है और इसकी ऊंचाई लगभग 214 फुट है। मंदिर के पास खड़े रहकर इसका गुंबद देख पाना असंभव है। मुख्य गुंबद की छाया दिन के किसी भी समय अदृश्य ही रहती है। हमारे पूर्वज कितने बड़े इंजीनियर रहे होंगे यह इस एक मंदिर के उदाहरण से समझा जा सकता है। पुरी के मंदिर का यह भव्य रूप 7वीं सदी में निर्मित किया गया।

चमत्कारिक सुदर्शन चक्र - पुरी में किसी भी स्थान से आप मंदिर के शीर्ष पर लगे सुदर्शन चक्र को देखेंगे तो वह आपको सदैव अपने सामने ही लगा दिखेगा। इसे नीलचक्र भी कहते हैं। यह अष्टधातु से निर्मित है और अति पावन और पवित्र माना जाता है।

हवा की दिशा

सामान्य दिनों के समय हवा समुद्र से जमीन की तरफ आती है और शाम के दौरान इसके विपरीत, लेकिन पुरी में इसका उल्टा होता है। अधिकतर समुद्री तटों पर आमतौर पर हवा समुद्र से जमीन की ओर आती है, लेकिन यहां हवा जमीन से समुद्र की ओर जाती है।

गुंबद के ऊपर नहीं उड़ते पक्षी

मंदिर के ऊपर गुंबद के आसपास अब तक कोई पक्षी उड़ता हुआ नहीं देखा गया। इसके ऊपर से विमान नहीं उड़ाया जा सकता। मंदिर के शिखर के पास पक्षी उड़ते नजर नहीं आते, जबकि देखा गया है कि भारत के अधिकतर मंदिरों के गुंबदों पर पक्षी बैठ जाते हैं या आसपास उड़ते हुए नजर आते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा रसोईघर

500 रसोइए 300 सहयोगियों के साथ बनाते हैं भगवान जगन्नाथजी का प्रसाद। लगभग 20 लाख भक्त कर सकते हैं यहां भोजन। कहा जाता है कि मंदिर में प्रसाद कुछ हजार लोगों के लिए ही क्यों न बनाया गया हो लेकिन इससे लाखों लोगों का पेट भर सकता है। मंदिर के अंदर पकाने के लिए भोजन की मात्रा पूरे वर्ष के लिए रहती है। प्रसाद की एक भी मात्रा कभी भी व्यर्थ नहीं जाती।

मंदिर की रसोई में प्रसाद पकाने के लिए 7 बर्तन एक-दूसरे पर रखे जाते हैं और सब कुछ लकड़ी पर ही पकाया जाता है। इस प्रक्रिया में शीर्ष बर्तन में सामग्री पहले पकती है फिर क्रमश- नीचे की तरफ एक के बाद एक पकती जाती है अर्थात सबसे ऊपर रखे बर्तन का खाना पहले पक जाता है। है न चमत्कार!

समुद्र की ध्वनि

मंदिर के सिंहद्वार में पहला कदम प्रवेश करने पर ही (मंदिर के अंदर से) आप सागर द्वारा निर्मित किसी भी ध्वनि को नहीं सुन सकते। आप (मंदिर के बाहर से) एक ही कदम को पार करें, तब आप इसे सुन सकते हैं। इसे शाम को स्पष्ट रूप से अनुभव किया जा सकता है।

इसी तरह मंदिर के बाहर स्वर्ग द्वार है, जहां पर मोक्ष प्राप्ति के लिए शव जलाए जाते हैं लेकिन जब आप मंदिर से बाहर निकलेंगे तभी आपको लाशों के जलने की गंध महसूस होगी।

रूप बदलती मूर्ति

यहां श्रीकृष्ण को जगन्नाथ कहते हैं। जगन्नाथ के साथ उनके भाई बलभद्र (बलराम) और बहन सुभद्रा विराजमान हैं। तीनों की ये मूर्तियां काष्ठ की बनी हुई हैं।

यहां प्रत्येक 12 साल में एक बार होता है प्रतिमा का नव कलेवर। मूर्तियां नई जरूर बनाई जाती हैं लेकिन आकार और रूप वही रहता है। कहा जाता है कि उन मूर्तियों की पूजा नहीं होती, केवल दर्शनार्थ रखी गई हैं।

विश्व की सबसे बड़ी रथयात्रा

आषाढ़ माह में भगवान रथ पर सवार होकर अपनी मौसी रानी गुंडिचा के घर जाते हैं। यह रथयात्रा 5 किलोमीटर में फैले पुरुषोत्तम क्षेत्र में ही होती है। रानी गुंडिचा भगवान जगन्नाथ के परम भक्त राजा इंद्रदयुम्न की पत्नी थी इसीलिए रानी को भगवान जगन्नाथ की मौसी कहा जाता है।

अपनी मौसी के घर भगवान 8 दिन रहते हैं। आषाढ़ शुक्ल दशमी को वापसी की यात्रा होती है। भगवान जगन्नाथ का रथ नंदीघोष है। देवी सुभद्रा का रथ दर्पदलन है और भाई बलभद्र का रक्ष तल ध्वज है। पुरी के गजपति महाराज सोने की झाड़ू बुहारते हैं जिसे छेरा पैररन कहते हैं।

हनुमानजी करते हैं जगन्नाथ की समुद्र से रक्षा

माना जाता है कि 3 बार समुद्र ने जगन्नाथजी के मंदिर को तोड़ दिया था। कहते हैं कि महाप्रभु जगन्नाथ ने वीर मारुति (हनुमानजी) को यहां समुद्र को नियंत्रित करने हेतु नियुक्त किया था, परंतु जब-तब हनुमान भी जगन्नाथ-बलभद्र एवं सुभद्रा के दर्शनों का लोभ संवरण नहीं कर पाते थे।

वे प्रभु के दर्शन के लिए नगर में प्रवेश कर जाते थे, ऐसे में समुद्र भी उनके पीछे नगर में प्रवेश कर जाता था। केसरीनंदन हनुमानजी की इस आदत से परेशान होकर जगन्नाथ महाप्रभु ने हनुमानजी को यहां स्वर्ण बेड़ी से आबद्ध कर दिया। यहां जगन्नाथपुरी में ही सागर तट पर बेदी हनुमान का प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर है। भक्त लोग बेड़ी में जगड़े हनुमानजी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

महान सिख सम्राट महाराजा रणजीत सिंह ने इस मंदिर को प्रचुर मात्रा में स्वर्ण दान किया था, जो कि उनके द्वारा स्वर्ण मंदिर, अमृतसर को दिए गए स्वर्ण से कहीं अधिक था।

पांच पांडव भी अज्ञातवास के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने आए थे। श्री मंदिर के अंदर पांडवों का स्थान अब भी मौजूद है। भगवान जगन्नाथ जब चंदन यात्रा करते हैं तो पांच पांडव उनके साथ नरेन्द्र सरोवर जाते हैं।

कहते हैं कि ईसा मसीह सिल्क रूट से होते हुए जब कश्मीर आए थे तब पुन- बेथलेहम जाते वक्त उन्होंने भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए थे।

बुरी तरह फ्लॉप रही बेबी जॉन, फिर भी खरीदा करोड़ों का घर

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल मुंबई के प्रमुख जुहू इलाके में अपने नए रियल एस्टेट निवेश की वजह से चर्चा में आ गए हैं। इस जोड़ी ने हाल ही में डीडेकोर ट्वेंटी बिल्डिंग में दो शानदार फ्लैट खरीदे हैं। इसकी कीमत करोड़ों में हैं।

छठी और सातवीं मंजिल पर है आलीशान आशियाना

इन दोनों फ्लैट का कार्पेट एरिया 9,730 स्क्वायर फीट है। अभिनेता के ये फ्लैट बिल्डिंग की छठी और सातवीं मंजिल पर स्थित है। इसमें पांच करोड़ 21 लाख रुपये का स्टाम्प ड्यूटी भी अदा की गई।

इतनी है अपार्टमेंट की कीमत

वरुण धवन और नताशा दलाल के इस अपार्टमेंट में आठ कार पार्किंग स्पेस भी हैं, जो इस घर की लग्जरी को और भी ज्यादा बढ़ा रहे हैं। इस खरीदारी का प्रति वर्ग फीट मूल्य 89,332 रुपये है। घर की कीमत 86.92 करोड़ रुपये है। जुहू क्षेत्र अपनी शानदार लाइफस्टाइल और फिल्मी हस्तियों के लिए मशहूर है। इस जगह पर कई सितारों के घर मौजूद हैं।

जुहू में रहते हैं कई सितारे

जुहू और बांद्रा मुंबई के वे प्रमुख इलाके हैं, जहां कई बॉलीवुड सितारे रहते हैं। अमिताभ बच्चन के पास जुहू में प्रतिष्ठा और जलसा जैसे शानदार बंगले हैं। इसके अलावा, धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी, अक्षय कुमार, अजय देवगन, काजोल, गोविंदा और संजय लीला भंसाली भी जुहू क्षेत्र में रहते हैं। वहीं, सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान, सैफ अली खान और करीना कपूर सहित कई सितारे बांद्रा इलाके में रहते हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगे वरुण

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वरुण धवन फिल्म बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव के साथ नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। उनकी आगामी फिल्म की बात करें तो वह फिल्म नो एंट्री 2 में नजर आएंगे, जिसमें दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर भी होंगे। इसके अलावा, वरुण धवन के पास फिल्म बॉर्डर 2 में भी है। फिल्म में वह सनी देओल, दिलजीत और अहान शेट्टी के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

राशा से लेकर शनाया तक इस साल डेब्यू करेंगे ये स्टारकिड्स

इस साल 2025 में कई बॉलीवुड स्टार किड्स बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रहे हैं। आइए आपको बताते हैं इन स्टार किड्स के एजुकेशन के बारे में...

राशा थडानी

बॉलीवुड की दुनिया में आजाद फिल्म से डेब्यू करने जा रही राशा ने धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने साल 2021 में इंटरनेशनल जनरल सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन की पढ़ाई साल 2021 में पूरी की है। वे अब फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं।

इब्राहिम अली खान

सारा अली खान के भाई इब्राहिम अली खान सरजमीं से डेब्यू करेंगे। इब्राहिम ने धीरूभाई अंबानी स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से ग्रेजुएशन कर फिल्म मेकिंग में डिग्री ली।

अमान देवगन

अजय देवगन के भांजे अमान देवगन भी राशा के साथ फिल्म आजाद से डेब्यू करने जा रहे हैं। अमान ने मुंबई के स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने नेब्रास्का विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा मिशिगन विश्वविद्यालय के रॉस स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की डिग्री ली।

सिमर भाटिया

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी डेब्यू करने को तैयार है। सिमर ने मुंबई के स्कूल से स्कूलिंग की। उनकी आगे की पढ़ाई की डिटेल्स अभी मौजूद नहीं है।

अहान पांडे

अहान पांडे मोहित सूरी की फिल्म से डेब्यू करेंगे। अहान ने मुंबई के ओबेरॉय स्कूल से पढ़ाई की और फिर ग्रेजुएशन किया। वे दो फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक रह चुके हैं।

शनाया कपूर

शनाया कपूर भी इस साल बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। बॉक्स ऑफिस पर साल 2025 में उनकी फिल्म वृषभा और आंखों की गुस्ताखियां रिलीज होने वाली हैं। एजुकेशन की बात करें तो मुंबई के इकोले मोंडिएल वर्ल्ड स्कूल से पढ़ाई की। उन्होंने एक्टिंग की ट्रेनिंग की है। शनाया वर्तमान में लंदन के इस विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में कला स्नातक की पढ़ाई कर रही हैं। शनाया अपनी पहली फिल्म में लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीरजादा के साथ काम करने वाली हैं।

वीर पहाड़िया

स्काई फोर्स से डेब्यू कर रहे वीर पहाड़िया ने भी धीरूभाई अंबानी के स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद बॉस्टन के कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री भी ले चुके हैं। उन्होंने ग्लोबल बिजनेस मैनेजमेंट में बी.ए. की पढ़ाई की है।

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बोलीं एक्ट्रेस पार्वती

अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु वायनाड लिटरेचर फेस्टिवल में अतिथियों में से एक थीं, लेखिका अरुंधति रॉय के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि आज के युवा मलयालम अभिनेता पुरानी पीढ़ी से बदतर हैं। उन्होंने कहा कि लड़ाई झगड़े और हिंसा करने वाले पुरुषों का गुणगान करने वाले सितारों के लिए फिल्में अभी भी बन रही हैं।

नई पीढ़ी को लेकर की बात

जब पार्वती से पूछा कि वर्तमान पीढ़ी में महिलाओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों का तरीका थोड़ा परेशान करने वाला है। पहले के लोग कुछ अन्य चीजों से परेशान थे, आज के लोगों की समस्याएं दूसरी हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है। इंडस्ट्री में कुछ लोग निराश हैं क्योंकि उन्हें वे लाभ नहीं मिल रहे हैं जो पुरानी पीढ़ी को मिल रहे थे।

इसलिए चर्चा में रहती हैं पार्वती

पार्वती थिरुवोथु को उनके खुलकर बोलने की बात करने की आदत के कारण जाना जाता है। उन्होंने कहा कि मलयालम इंडस्ट्री में बहुत सारे बदलाव आए हैं। यहां बड़ी बजट की फिल्में बनने लगी हैं, इसके बाद भी वही मुद्दे फिल्मों में दिखाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पहले मुझे चिंता होती थी कि मुझे फिर से इन लोगों के साथ काम करना पड़ेगा। लेकिन अब ऐसे विचार मुझे परेशान नहीं करते। पार्वती ने कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में बाथरूम पार्वती का नाम मिला क्योंकि उन्होंने सेट पर महिलाओं को लिए सही शौचालय व्यवस्था को लेकर बात की थी। इससे पहले पार्वती को मलयालम फिल्म हर में देखा गया, इसका निर्देशन लिजिन जोस ने किया था।

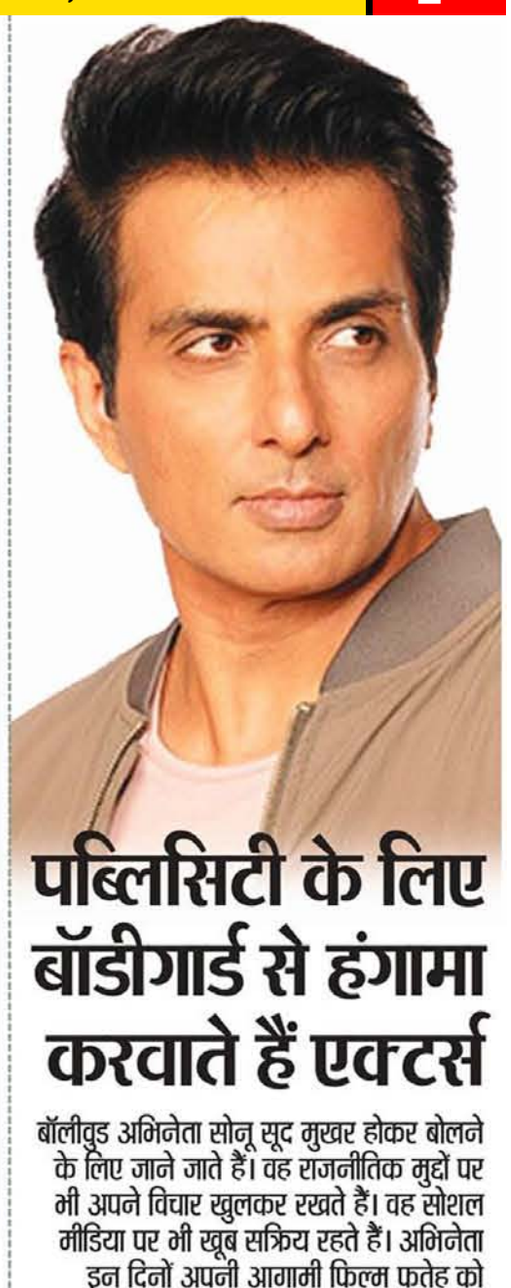

पब्लिसिटी के लिए बॉडीगार्ड से हंगामा करवाते हैं एक्टर्स

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मुखर होकर बोलने के लिए जाने जाते हैं। वह राजनीतिक मुद्दों पर भी अपने विचार खुलकर रखते हैं। वह सोशल मीडिया पर भी खूब सक्रिय रहते हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फतेह को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। सोनू सूद फिल्म का खूब प्रमोशन कर रहे हैं। साथ ही इंडस्ट्री की कई छुपी बातों का खुलासा भी कर रहे हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया है कि कुछ अभिनेता लोगों का अटेंशन लेने के लिए अपने बॉडीगार्ड से हंगामा करवाते हैं।

पब्लिसिटी के लिए कलाकार करते हैं ये काम

हाल ही में जिस्ट के साथ एक साक्षात्कार में, सोनू सूद ने बॉलीवुड कलाकारों पर कटाक्ष किया है और कहा है कि कुछ लोग कैमरे के पीछे भी काफी अच्छी एक्टिंग करते हैं। अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि बॉलीवुड के लोगों के सिर्फ कैमरे के आगे की एक्टिंग करनी चाहिए। जैसे ही कैमरा बंद हो जाए, उन्हें एक्टिंग करनी भी बंद कर देनी चाहिए। हालांकि, कुछ लोगों से इतना भी नहीं होता है, उनकी पूरा जीवन हर समय एक्टिंग करने में ही निकल जाता है।

फैंस से बातचीत करना सोनू को है पसंद

अभिनेता ने आगे कहा, कई बार वीडियो वायरल होते हैं कि किसी कलाकार के बॉडीगार्ड ने हंगामा कर कर दिया। कई लोग बॉडीगार्ड साथ लेकर जाते हैं। यहां तक कि मैं भी बड़े इवेंट्स में बॉडीगार्ड साथ लेकर जाता हूं। हालांकि, मैं अपने बॉडीगार्ड से कहता हूं कि मुझे लोगों के बीच में जाने दो क्योंकि मुझे उनसे बातचीत करना पसंद है। कई कलाकार इसका भी पब्लिसिटी के इस्तेमाल करते हैं।

लोगों की अटेंशन पाने के लिए सोनू रखते थे बॉडीगार्ड

सोनू ने यह भी बताया कि बॉलीवुड में कई लोग बॉडीगार्ड सिर्फ अटेंशन लेने के लिए रखते हैं। अभिनेता ने कहा, उन्होंने कहा, उनमें से कई लोग एयरपोर्ट पर भी अपने बॉडीगार्ड रखते हैं और फिर वे वहां पूरा तमाशा बनाते हैं। एक बार मैंने एक बॉडीगार्ड से बात की और पूछा, तुम तमाशा क्यों बना रहे हो? क्या तुम शांति से नहीं चल सकते? उसने कहा, नहीं सर, हमें ड्रामा करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोग नहीं करेंगे नोटिस

बॉडीगार्ड ने अभिनेता से कहा कि अगर ऐसा नहीं किया तो हम पर चिल्लाया जाएगा। सोनू ने कहा कि इसलिए बहुत से अभिनेता लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने साथियों के साथ ये सब ड्रामा करते हैं क्योंकि उन्हें बस इस बात का डर होता है कि अगर वे बिना ड्रामा के किसी जगह पर जाएंगे तो लोग उन्हें नोटिस नहीं करेंगे।

गुड बैड अग्ली की रिलीज डेट का एलान, प्रभास की द राजा साब से भिड़ेंगे अजित

अभिनेता अजित कुमार की आगामी फिल्म गुड बैड अग्ली को आधिकारिक तौर पर इसकी रिलीज की तारीख मिल गई है। फिल्म का निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कई तरह की आशंकाएं बनी हुई थीं, लेकिन आखिरकार आज निर्माताओं ने गुड बैड अग्ली की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है।

फिल्म की नई रिलीज डेट

निर्दशक आदिक रविचंद्रन ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया और एलान किया कि यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आज सोमवार को एक्स पर शेयर किए गए नए पोस्टर में अजित एक शानदार टू-पीस व्हाइट सूट में एक पिस्तौल पकड़े हुए सोफे पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ आदिक रविचंद्रन ने एक कैप्शन लिखा, गुड बैड अग्ली 10 अप्रैल को आ रही है।

प्रभास की फिल्म से कड़ी टक्कर

हालांकि, इस तारीख को फिल्म की रिलीज आसान नहीं होने वाली है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सुपरस्टार प्रभास की फिल्म द राजा साब से होगी। 10 अप्रैल 2025 को प्रभास की द राजा साब भी रिलीज हो रही है। प्रभास इस समय सबसे बड़े पैन इंडिया स्टार हैं, जबकि अजीत के तमिलनाडु में बहुत बड़े प्रशंसक हैं, इसलिए यह टकराव देखना बहुत दिलचस्प होगा। अब देखना यह होगा कि कौन सी फिल्म किस पर भारी पड़ती है। गुड बैड अग्ली के बारे में अपडेट साझा करते हुए इससे पहले मैत्री मूवी मेकर्स के निर्माता नवीन यरनेनी ने चेन्नई में पुष्पा 2 के प्री-रिलीज इवेंट में फिल्म की रिलीज के बारे में अपडेट साझा किया। उन्होंने गुड बैड अग्ली के पोस्टपोन का संकेत दिया था। दरअसल, यह फिल्म को पहले पोंगल 2025 के मौके पर रिलीज किया जाना था, क्योंकि अजित की एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म विदामुयार्ची की रिलीज को रास्ता दिया गया था, लेकिन अंतिम समय में विदामुयार्ची की रिलीज को भी आगे खिसका दिया गया। ऐसे में अजित की दोनों फिल्मों के हाथ से पोंगल की तारीख निकल गई। हालांकि, अब तक विदामुयार्ची की नई रिलीज पर अपडेट नहीं आया है, लेकिन गुड बैड अग्ली की रिलीज की तारीख ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। इस फिल्म में अजित कुमार, तृषा, प्रसन्ना और सुनील प्रमुख भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में होंगे। अजित के तीन किरदार फिल्म के नाम गुड बैड अग्ली को दिखाएंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि अजित एक नकारात्मक किरदार भी निभा सकते हैं।

तलाक के बाद प्यार की तलाश में हैं संजीदा?

टीवी अभिनेत्री संजीदा शेख अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। संजीदा ने पहले आमिर अली से शादी की थी, हालांकि अब अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें प्यार पर भरोसा है। एक साक्षात्कार में संजीदा शेख कहा कि आज के वक्त में प्यार ढूंढना कोई मुश्किल काम नहीं है।

संजीदा ने बताया कि आज के समय में कोई ऐसा पार्टनर मिले, जो आपकी आत्मा को शांति दे। अभिनेत्री ने आगे कहा कि मैं उम्मीद करती हूं कि यह एक्सपीरियंस सबको मिले। संजीदा ने यह भी कहा कि रिश्ते में धोखा हमेशा ही मिलता है, लेकिन प्यार पर भरोसा करना जरूरी है।

न्यू नोएडा के अधिसूचित गांवों में अवैध निर्माण पर होगी कड़ी कार्यवाही : डॉ. लोकेश एम

नोएडा (चेतना मंच)। न्यू नोएडा में चयनित गांवों में किसी भी सूरत में अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह निर्णय बैठक में तय हुआ।

न्यू नोएडा क्षेत्र के लिए भूमि बैंक विकसित करने की योजना के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में जिलाधिकारी बुलंदशहर, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री, वन्दना त्रिपाठी, महेन्द्र प्रसाद, सतीश पाल, मुख्य विधि सलाहकार रविन्द्र प्रसाद गुप्ता, वित्त नियंत्रक स्वतंत्र कुमार, विशेष कार्याधिकारी क्रान्ति शेखर सिंह, अरविन्द कुमार सिंह, महाप्रबन्धक मीना भार्गव और इश्तयाक अहमद ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

न्यू नोएडा के विकास के लिए पहले चरण में अधिसूचित ग्रामों का चयन किया जाएगा। न्यू नोएडा में अधिसूचित ग्रामों में बिना नोएडा की अनुमति के हो रहे अवैध और अनधिकृत निर्माण पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जाने की योजना बनाई गई।

भूमि अधिग्रहण या आपसी समझौते के आधार पर भूमि क्रय की प्रक्रिया पर चर्चा की गई और प्रतिकर दरों के निर्धारण के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। न्यू नोएडा में प्रस्तावित विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और इस योजना को सही समय पर लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। यह बैठक न्यू नोएडा के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी और इससे क्षेत्र में अवैध निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के साथ-साथ विकास कार्यों की गति में भी तेजी आएगी।

डॉयल-112 के पर्यवेक्षण में गौतमबुद्धनगर दूसरे स्थान पर

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन व पुलिस उपायुक्त यातायात/नोडल अधिकारी यू0पी0 112 गौतमबुद्धनगर के पर्यवेक्षण में पीआरवी वाहनों का औसत समय 4 मिनट 2 सेकंड रहा। इसी प्रयास से यूपी में गौतमबुद्धनगर का प्रदेश में दूसरा स्थान रहा।

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के कुशल निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त यातायात/नोडल अधिकारी यू0पी0 112 गौतमबुद्धनगर के कुशल पर्यवेक्षण में इस माह दिसम्बर में यू0पी0-112 के पीआरवी वाहनों पर 1 जनवरी से 7 जनवरी तक नव वर्ष के पहले सप्ताह में कुल 5726 सूचना/ इवेन्ट प्राप्त हुए जिनका औसत रेस्पॉन्स टाईम 4 मिनट 2 सेकेण्ड रहा। साथ ही रात्रि के समय में रास्तों फुटपाथ बस स्टैंड आदि स्थानों पर सोने वाले लगभग 56 असहाय गरीब व्यक्तियों को अभियान के तहत P 112 द्वारा रेन बसेरा में भेजा गया जिसकी जनता के व्यक्तियों द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गई।

समय समय पर पीआरवी वाहनों के रूटचार्ट में प्राप्त होने वाली इवेन्ट/सूचना के आधार पर जिस क्षेत्र में सबसे ज्यादा इवेन्ट प्राप्त होते हैं वहाँ पर पीआरवी वाहन की संख्या के साथ साथ भ्रमण का समय भी बढाया गया है जिससे पीडित को जल्दी से जल्दी पुलिस सहायता प्राप्त हो सके। इस कार्य प्रणाली से कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर को प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

मोबाइल टॉवरों से उपकरण चुराने वाले दबोचे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा थाना बीटा-2 पुलिस ने मोबाइल टावरों से आरआरयू व अन्य कीमती उपकरण चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी का एक आरआरयू बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त कर रही थी। सेक्टर सिग्मा-4 के टी पॉइंट के पास पुलिस टीम को दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। संदेह के आधार पर उनकी तलाशी ली गई तो इनके पास से एक आरआरयू बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम सनी पुत्र सुरेश व अंकित पुत्र सतीश बताया। दोनों चोरों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह आरआरयू एक दिन पहले मोबाइल टावर से चोरी किया था। दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह मौका देखकर सुनसान स्थान पर लगे मोबाइल टावरों से आरआरयू व अन्य उपकरण को चोरी करने की घटना को अंजाम देते हैं। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

फोनरवा व आरडब्ल्यूए संग बैठक करेंगे डीसीपी

पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने फोनरवा को दिया आश्वासन

नोएडा (चेतना मंच)। फोनरवा के प्रतिनिधिमंडल ने गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह से मुलाकात की। बैठक के दौरान अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा एवं महासचिव के के जैन नोएडा ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से मीटिंग करवाने का निवेदन किया।

उन्होंने कहा कि सेक्टर-104 के सामने वाले 75 मीटर रोड पर के आसपास पूरे रोड पर गाड़ियों के खड़े होने की वजह से बहुत अधिक जाम लग जाता है। इसके साथ साथ

योगेंद्र शर्मा

के.के. जैन

अन्य स्थानों में ट्रैफिक जाम से संबंधित समस्या के समाधान करने का निवेदन किया।

श्रीमती लक्ष्मी ने सभी डीसीपी को फोनरवा व आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों के साथ शीघ्र ही मीटिंग करने का आदेश दिया। इसके बाद जल्दी ही सभी आरडब्ल्यूए की मीटिंग पुलिस कमिश्नर के साथ भी होगी

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के के जैन, उपाध्यक्ष लाट साहिब लोहिया, उमाशंकर शर्मा आदि उपस्थित थे।

सेक्टर-18 में वेडिंग जोन के विरोध में उतरे व्यापारी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-18 में वेंडिंग जोन बनाने को लेकर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ व्यापारियों ने नारे बाजी की प्राधिकरण हाय हाय के नारे लगाए। व्यापारियों का कहना है कि ठेला व रेहड़ी, पटरी वालों को दुकान दी जाएगी, जिससे यहां के स्थाई शोरूम में आने वाले ग्राहकों को परेशानी होगी। हमारे यहां आस पास बड़े व्यापारी है जो ज्वैलरी में डील करते है इसको देखते हुए यहां पर वारदात भी बढ़ेंगी, व्यापारियों ने बताया कि मार्केट में काम नहीं है ऐसे में अगर सड़क पर वेंडिंग जोन हो जाएगा तो यहां पर हमारा काम बंद हो जाएगा ऊपर से वेंडिंग जोन बनाने से व्यापारियों को दोहरी मार भी झेलनी पड़ेगी।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से चिह्नित स्थान की नापी कराते हुए वहां निशान भी लगा दिया है।। इस बीच आस-पास के स्थाई शोरूम मालिकों ने वेंडिंग जोन बनाए जाने का विरोध शुरू कर दिया है। व्यापारी सौरभ अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, रोहित विज, यश विज, नवल बंसल अनिरुद्धा, राहुल गुप्ता, आदि व्यापारियों का कहना है कि वेंडिंग जोन बनाए जाने से यहां आने वाले लोगों के वाहन कहां खड़े होंगे, यह सवाल बना हुआ है

इससे दुकानों पर ग्राहकों की संख्या भी कम हो जाएगी। जिसका नुकसान व्यापारियों को उठाना पड़ेगा। जिससे यहां के व्यापारियों के समक्ष संकट बना हुआ है। वेंडर जोन बन जाने से समस्या और बढ़ सकती है। प्राधिकरण के अधिकारियों को लिखित शिकायत देने के बाद भी नहीं पड़ा कोई असर, अगर मांगे नहीं मानी गई तो होगा कल से विरोध प्रदर्शन और धरने पर व्यापारी वर्ग बैठेगा।

सेक्टर-62 रजत विहार पहुंची 'नोएडा आपके द्वार' की टीम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा आपके द्वार की टीम सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सी ब्लॉक पहुंची। इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल, सिविल से अशोक वर्मा, जल एवं सीवर से अमर जीत वरिष्ठ प्रबंधक, उद्यान विभाग से उमेश चंद्र आदि सभी विभागों के अधिकारी उपष्ठित रहे। आरडब्लूए से अध्यक्ष अमित नागपाल, महासचिव गोपाल शर्मा, दीप्ति, ममता, संजीव गर्ग, मुकेश गर्ग, विश्वाश सक्सेना, सुनीता, कुसुम आदि सभी आरडब्लूए पदाधिकारी रहे।

महासचिव गोपाल शर्मा ने पार्कों के सौंदर्यीकरण, पार्कों, नालों की सफाई, भवनों का जीर्णोधार, मुख्य दीवार की मरम्मत, योग पार्क का निर्माण, बच्चों के लिए झूला, खेल मैदान, निवासियों के उपर लगे धारा 10 हटाने आदि बहुत से विकास एवं समस्या से अवगत कारया।

समलैंगिक डेटिंग ऐप से चैटिंग, फिर ब्लैक मेलिंग

नोएडा (चेतना मंच)। समलैंगिक ऐप के जरिए लोगों को

फंसाकर और फिर उन्हें ब्लैकमेल कर अपने अकाउंट में रूपये ट्रांसफर व सामान लेने वाले एक रैकेट का नोएडा पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस रैकेट में शामिल ब्लैकमेलर्स की उम्र महज 22 साल है।

थाना फेस-3 पुलिस ने समलैंगिक ग्राइंडर ऐप के माध्यम से लोगों को फंसाकर उनको डरा धमकाकर उनसे रुपये ट्रान्सफर कराने व उनके पैसे व सामान ले लेने की घटनाओं को अन्जाम देने वाले 4 जालसाजों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 12,700 रुपये व एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, एक आरसी बरामद हुई है। पुलिस ने शनि पुत्र हरपाल सिंह, करन कुमार पुत्र मनोज कुमार, रजत पुत्र राजकिशोर व तुषार पुत्र विजय को सेक्टर-63 बी ब्लॉक पार्क से गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए जालसाजों ने बताया कि हम लोग ग्राइंडर समलैंगिक ऐप के माध्यम से अलग-अलग आईडी बनाकर लोगों को अपने पास बुलाकर उसे डरा धमकाकर उसके पैसे ट्रांसफर करा लेते है व उनका सामान व कागजात ले लेते है। हम चारो ने मिलकर ग्राइंडर समलैंगिक ऐप पर अक्की गोस्वामी नाम की आई.डी. वाले लड़के को फंसाने का प्लान बनाया। हमने शनि नाम की आई.डी. से आपस में चैट कर उसे बुलाया था तथा उसे लेने के लिए शनि को उसके पास भेजा था जहाँ से उसे साथ लेकर ममूरा शनि के कमरे पर गये प्लानिंग के मुताबिक अक्की की जेब से 4000 रूपये निकाल लिये थे। उन्होंने अक्की को डराया धमकाया गया कि हम तुम्हारे समलैंगिक होने की बात तुम्हारे घरवालों व रिश्तेदारों को बता देंगे अन्यथा तुम्हारे खाते में जितने रुपये है हमें ट्रान्सफर करो। अक्की के खाते से जालसाजों द्वारा गूगल-पे के माध्यम से 14,300 रूपये व 10,000 रुपये अक्की के भाई से शनि के खाते में ट्रांसफर कराये।

जालसाजों ने बताया कि ग्राइंडर समलैंगिक डेटिंग ऐप से लोगो को फंसाकर समाज में बदनामी का भय दिखा कर धोखाधड़ी करते है। ऑनलाइन ऐप पर प्रोफाइल मैचिंग के बाद चैट करते है, और इस तरह के तथ्य जुटा लेते है जिससे पीड़ित को बाद में ब्लैकमेल किया जा सके। गोपनीय बातों को सार्वजनिक करने के नाम पर पीड़ित को गुमराह करते है जिससे पैसे निकलवा पाए। अभियुक्त खुद की प्रीमियम प्रोफाइल बनाते है ताकि वह प्रमाणित लगे और पीड़ित को इनके इरादों पर शक ना हो। उनको डरा धमाकर उनसे गलत तरीके से रुपये ट्रान्सफर करा लेते है।

किशोरी लापता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र से एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर से लापता हो गई। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बिसरख गांव में किराए पर रहने वाले दिनेश काल्पनिक नाम ने बताया कि उनकी बेटी सुबह के समय घर से बाहर गई थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उन्होंने अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरी की तलाश की जा रही है।

निर्माणाधीन साइट से सरिया चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा क्षेत्र में फलेदा रोड पर बन रहे आरसीसी नाले की निर्माणाधीन साइट से चोरों ने करीब एक कुंतल सरिया चोरी कर लिया। ठेकेदार ने एक कबाड़ी पर शक जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।अशोक कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मैसेज दिशा इंटरप्राइजेज द्वारा नगर पंचायत रबूपुरा में सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अंतर्गत फलेदा रोड पर आरसीसी नाले एवं राज्य वित्त आयोग निधि से पुराने जेवर रोड पर डंपिंग ग्राउंड के निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। 8 जनवरी की रात्रि को फलेदा रोड नाला निर्माण साइड से चोरों ने करीब एक कुंतल सरिया चोरी कर लिया। अशोक कुमार ने मौसम कबाड़ी के ऊपर चोरी का शक जताया है।

'औद्योगिक सेक्टर में कटिया डालकर बिजली की चोरी'

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के औद्योगिक सेक्टरों में बनी झुग्गियों में रहने वाले

कटिया डालकर बिजली की चोरी कर रहे हैं। इस चोरी में कुछ दुकानदार भी शामिल हैं। इसका खामियाजा उद्यमियों को उठाना पड़ रहा है।

नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता हरीश बंसल, अधीक्षण अभियंता रितेश आनन्द, विवेक कुमार, अधीशासी अभियंता मोहित गोयल, निशांत, नवीन, शेलेश शर्मा, प्रवीन कुमार, तथा विद्युत विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक में नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन एंव वरि0 उपाध्यक्ष एंव चेयरमैन विद्युत कमेटी-एनईए हरीश जोनेजा ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को बताया कि

सैक्टर-10 में बी-84 से बी-102 के मध्य लगे विद्युत पोल में आस-पास की झुग्गियो तथा उनमें चल रही दुकान वालों ने सैकड़ो की तादात में कटियां डाल रखी है जिसके कारण आये दिन तारों में शार्ट सर्किट होने के कारण इकाईयों की विद्युत बाधित होती रहती है जिसके कारण इकाईयों में उत्पादन प्रभावित होता है। साथ ही मैसर्स सुपर स्पीड इन्डस्ट्रीज,सी-8, सैक्टर-10 में लगे विद्युत संयोजन के बिल कामर्शियल के रेट से भेजे जा रहे थे, जिसे जॉच के उपरांत कामर्शियल से औद्योगिक श्रेणी में कर दिया गया लेकिन उद्यमी द्वारा जमा कराई गई अतिरिक्त राशि का समायोजन नही किया जा रहा है। सैक्टर-9 में जी एंव एच ब्लाक वाली सड़क पर तथा कई अन्य औद्यौगिक सैक्टरों में बिजली की तारें टाईट न होने के कारण काफी नीची हो गई है तथा ऑधी आने पर आपस में टकराती है जिसके कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होती है तथा तारों का माल वाहक वाहनों से टकराने का खतरा बना रहता है।

उद्यमियों की समस्याएं सुनने के बाद मुख्य अभियंता हरीश बंसल ने कहा कि सैक्टर-10 में झुग्गियों में अलग से कनेक्शन के लिए बॉक्स लगाये जाऐंगे, जिन औद्यौगिक श्रेणी की औद्यौगिक इकाईयों को कामर्शियल के विद्युत भेजे गये थे उनका आगामी विद्युत बिलों में समायोजन कर दिया जाएगा । जहॉ भी बिजली की तारें लटक रही हैं उन्हें टाईट करवा दिया जाएगा।

बैठक में एनईए महासचिव वी0के0सेठ, राकेश कोहली, धर्मवीर शर्मा, कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, उपाध्यक्ष मोहन सिंह, सुधीर श्रीवास्तव, आर0एम जिंदल, मौ0 इरशाद, सचिव कमल कुमार, आलोक कुमार गुप्ता, राहुल नैययर, राजन खुराना, विरेन्द्र नरूला, सह सचिव जी0के0बंसल, नवनीत अग्रवाल, अजय अग्रवाल, तमनजीत सिंह चड्ढा, इन्दरपाल खांडपुर, असीम जगिया, एस.एन. शर्मा, दलीप मल्होत्रा, रमन वासन, राजेश गिरधर, कार्तिक मिश्रा उपेन्द्र सिंह, संजीव गुप्ता, अमित गुप्ता, नवनीत शर्मा, अमित चुग व रमन वासन, सहित कई उद्यमी उपस्थित थे।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को लेकर...

वर्ष : 27 अंक : 20 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 10 जनवरी, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

'वक्फ का जिन जमीनों पर कब्जा है उनका रिकॉर्ड चेक होगा'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी चेतावनी

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि दुनियाभर से आस्थावान लोग प्रयागराज के महाकुंभ में आ रहे हैं और अगर कोई उनकी आस्था और श्रद्धा को ठेस पहुंचाने के लिए ये कहता है कि साहब यह तो वक्फ की जमीन है. उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि हजारों वर्षों की भारत की विरासत का प्रतीक जो आयोजन यहीं पर होता आया है. सीएम योगी ने कहा कि जब किसी तरह की सरकारी सहायता नहीं मिलती थी, तब भी यहीं पर ये आयोजन होता आया है, बगैर किसी निमंत्रण के होता आया है।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उसको भी कोई वक्फ की लैंड बोल दे तो बस यही कहना है कि ये वक्फ बोर्ड है या भूमाफियाओं का बोर्ड है। इस तरह की दुष्प्रवृत्ति पर रोक लगनी ही चाहिए और हम रोक लगाएंगे

भी। सीएम योगी ने कहा कि हमने कुछ संशोधन यहां पर किए हैं कि कोई भी जमीन जिस पर वक्फ ने कब्जा किया है या दावा किया है, 1363 फसली की उसके पूरे रिकॉर्ड को चेक किया जाए। कहीं भी वक्फ शब्द आता है तो पहले उसे देखो की (शेष पृष्ठ-3 पर)

बेटियों को सुप्रीम अदालत ने दिया बड़ा अधिकार

पढ़ाई के लिए माता-पिता से पैसे मांगने का पूरा हक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने आज देश की बेटियों को बड़ा अधिकार दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बेटियों को पढ़ाई के खर्चे के लिए अपने माता-पिता से पैसे मांगने का पूरा अधिकार है। कोर्ट ने लड़कियों को बड़ा अधिकार देते हुए कहा कि वे जरूरत पड़ने पर पढ़ाई का खर्चा देने के लिए अपने माता-पिता को कानूनी तौर पर बाध्य भी कर सकती हैं. उनके माता-पिता अपनी हैसियत के अंदर बेटी को पढ़ाई का खर्चा देने को बाध्य होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला तलाक से जुड़े एक विवाद में दिया है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ कर रही थी। मामले में एक दंपत्ति 26 साल से अलग रह रहे थे। इनकी बेटी आयरलैंड में पढ़ाई कर रही थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

क्योस्क आवेदन में हो रही देरी पर भड़के एनएमआरसी के एमडी

कहा-शीघ्र ही क्योस्क की योजना को करें पूरा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) ने राजस्व बढ़ाने के लिए प्रबंध निदेशक (एमडी) डॉ. लोकेश एम ने कड़े निर्देश जारी किए है। उन्होंने कहा कि निविदा की प्रक्रिया की बाध्यताओं में न उलझकर क्योस्क के लिए आने वाले नये युवा उद्यमियों को पहले आओ पहले पाओ आधार पर क्योस्क का आवंटन करें।

उन्होंने निविदा प्रक्रिया में हो रहे विलम्ब को लेकर कड़ी फटकार लगाई तथा कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने इसके लिए अंतिम डेडलाइन भी घोषित कर दी है ताकि शीघ्र ही विभिन्न स्टेशनों के लिए जारी क्योस्क की योजना को पूरा किया जा सकेक।

प्रबंध निदेशक डॉ. लोकेश एम ने कहा कि क्योस्क के लिए जिनकी निविदा नहीं प्राप्त हुई है उन्हें भी इस योजना में शामिल करें।

बता दें कि पिछले 6 माह के दौरान एनएमआरसी ने 7 निवदिाएं जारी की थी। इस दौरान 3 निविदाएं पूरी कर ली गयी है। इससे एनएमआरसी ने आगामी वर्षों में 6.38 करोड़ रूपये के राजस्व प्राप्ति की संभावना जताई है।

घने कोहरे में हाईवे पर भिड़े कई वाहन

कोहरे ने बढ़ाई ठंड, नोएडा में 7 डिग्री रहा तापमान

हापुड़ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर को आज फिर कोहरे ने अपनी आगोश में ले लिया। कोहरे के कारण हापुड़ जिले में शुक्रवार सुबह घने कोहरे के कारण कई गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं।

आज सुबह करीब 7:30 बजे हापुड़ के थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव सिमरौली बॉर्डर काली नदी पुल स्थित NH-9 पर वाहन आपस में भिड़ गए। बताया गया कि मुरादाबाद से दिल्ली जाने वाले रास्ते पर मारुति ईको मुरादाबाद से दिल्ली की तरफ जा रहे अज्ञात वाहन से

टकरा गई। इस हादसे में दो व्यक्ति घायल हुए, जिनके नाम इमरान पुत्र इकबाल और हीना पत्नी इकबाल है। इस दौरान कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम होने के कारण पीछे से आ (शेष पृष्ठ-3 पर)

बसपा के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी के फार्महाउस पर हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़े पूर्व प्रत्याशी सतवीर नागर के फार्म हाउस के दरवाजे को दो लोगों ने तोड़ने का प्रयास किया। आरोपियों ने इस दौरान गाली गलौज भी की। घटना करीब 6 माह पुरानी है। पूर्व प्रत्याशी ने थाना दनकौर में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से ग्राम अट्टा थाना दनकौर निवासी सतबीर नागर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा दो में रह रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2019 में बहुजन समाजवादी पार्टी से लोकसभा का चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में वह दूसरे स्थान पर रहे थे। सतवीर नागर

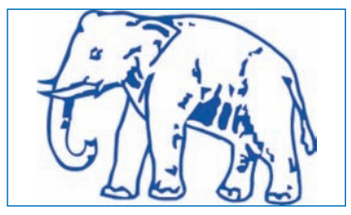

के मुताबिक वह एक राजनीतिक व्यक्ति हैं जिस कारण बहुत से लोग उनसे द्वेष भावना रखते हैं। 13 जुलाई को सलारपुर अंडरपास के पास स्थित उनके फार्म हाउस पर एक कार में दो युवक पहुंचते हैं। दोनों युवकों ने फार्म हाउस के गेट को तोड़ने का प्रयास कर अंदर घुसने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने गाली गलौज भी की। आसपास के लोगों को आता देखकर दोनों युवक अपनी कार (शेष पृष्ठ-3 पर)

दो घरों के ताले तोड़े, नकदी जेवरात पर हाथ साफ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग थाना क्षेत्र में चोरों ने तीन स्थान पर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। चोर नगदी, सोने के जेवरात, बाइक व गैस सिलेंडर को चोरी कर ले गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर सिग्मा 2 में रहने वाले विजय सैनी ने पुलिस को

बताया कि वह 25 दिसंबर को परिवार के साथ अपनी ससुराल मेरठ गया था। 27 दिसंबर को जब वह वापस अपने घर आया तो उसे घर का ताला टूटा हुआ मिला। घर के भीतर जाने पर सारा सामान बिखरा हुआ तथा अलमारी के दरवाजे खुले हुए मिले। चोर उसके घर से 40 हजार रुपए, सोने चांदी के जेवरात व चार बैग को चोरी कर ले गए। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। थाना बीटा दो पुलिस ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-128 चौराहे पर भी बनेगा दूसरा घंटाघर

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-18 के बाद अब सेक्टर-128 चौराहेपर भी नोएडा प्राधिकरण घंटाघर बनने जा रहा है। 25 फुट ऊंचे इस घंटाघर के बनने में 25 लाख रूपये खर्च होंगे। कंपनी का चयन होने के बाद 3 माह में इसका निर्माण पूरा हो जाएगा।

यह नोएडा का दूसरा क्लॉक टावर होगा। सेक्टर 18 में जीआईपी मॉल के पास एक 75 फुट ऊंचा क्लॉक टॉवर पहले से ही निर्माणाधीन है। 1.75 करोड़ रुपये की लागत से इसे बनाया जा रहा है। ये श्रीनगर के लाल चौक पर बने क्लॉक टावर की डिजाइन में तैयार किया जा रहा है। इसके फाउंडेशन का काम पूरा किया जा चुका है।

नोएडा एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित सेक्टर 128 अपनी प्रीमियम

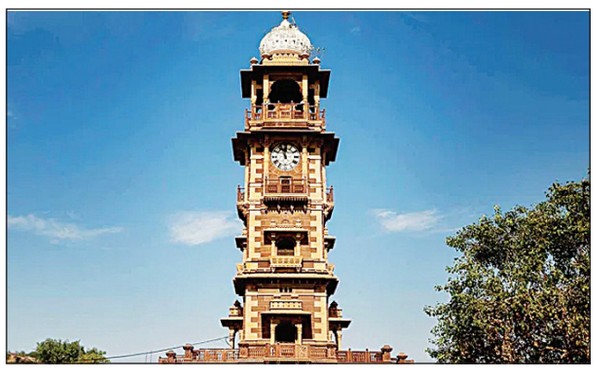

आवासीय परियोजनाओं और कॉर्पोरेट कार्यालयों के लिए जाना जाता है।

आगामी क्लॉक टॉवर ग्रेनाइट और ईंटों से बना होगा। इसमें दो मंजिलें होंगी जो चारों ओर से सुंदर बगीचों से घिरी होंगी। नोएडा प्राधिकरण के उप निदेशक (हार्टिकल्चर) आनंद मोहन सिंह ने कहा कि यह नोएडा के सौंदर्यीकरण और लोगों को एक पाइंट देने का प्रयास है। इसमें तीन और बुद्ध प्रतिमा और एक ओर विशाल गेट होगा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

दबंगों ने घर पर बरसाए पत्थर, तोड़ी कार की लाइट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र के सैनी गांव में दबंगों ने पड़ोसी के घर पर धावा बोलकर गाली गलौज कर तोड़फोड़ की। आरोपियों ने घर पर पत्थर बरसाए और घर के बाहर खड़ी वैगनआर कार की लाइट तोड़ दी। सैनी गांव निवासी आकाश शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 7 जनवरी की रात को गांव के ही छोटू, अभिषेक तथा एक अन्य युवक उसके घर के बाहर खड़े होकर गाली गलौज करने लगे। तीनों आरोपी उसे तथा उसके भाई राहुल को गालियां देकर बाहर आने के लिए कह रहे थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

ट्रांसफार्मर से तेल व कॉपर क्वॉयल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में ट्रांसफार्मर से तेल व कॉपर क्वाइल चोरी करने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। चोरों ने थाना फेस दो क्षेत्र के ग्राम इलाहाबास में स्थापित 400 केवीए के ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर तेल एवं कॉपर कॉइल चोरी कर लिया। विद्युत विभाग के अवर अभियंता ने थाना फेस दो में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। फेस दो

स्थित विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता धर्मेंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्हें 6 जनवरी को सूचना मिली कि ग्राम इलाहाबास में लाइट नहीं आ रही है। इसके बाद उन्होंने लाइनमैन प्रवीण कुमार को पेट्रोलिंग करने के लिए इलाहाबास गांव में भेजा। चेकिंग के दौरान पता चला कि ग्राम इलाहाबास में लगे 400 केवीए के ट्रांसफार्मर को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। चोर ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त करने के बाद तेल एवं कॉपर कॉइल को चोरी कर ले गए हैं। चोरों ने सुरक्षा के लिए ट्रांसफार्मर (शेष पृष्ठ-3 पर)

मौसेरे भाई ने प्लॉट दिलाने के नाम पर लाखों ठगे, दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्लॉट दिलाने के बहाने एक व्यक्ति से उसके मौसेरे भाई ने 10 लाख रुपए हड़प लिए। पीड़ित ने जब वादग्रस्त प्लॉट खरीदने से इनकार किया तो आरोपी ने उसकी (6 वर्षीय) बेटी का अपहरण कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाना रबूपुरा में मुकदमा दर्ज कराया है। रबूपुरा कस्बे में रहने वाले सोहन पाल धामा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके मौसेरे भाई प्रवेश कुमार राठी उर्फ बिट्टू निवासी ग्राम गंगनौली जनपद बागपत ने उसे शोभित कुंज मेरठ में एक प्लॉट सस्ते में दिलाने की बात कही। प्रवेश कुमार राठी ने प्लॉट की कीमत 21 लाख रुपए बताई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

वीडियो बनाने पर दबंगों ने कर डाली धुनाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। वीडियो बनाए जाने का विरोध करने पर दबंगों ने एक व्यक्ति को मारपीट कर लहू लुहान कर दिया। मारपीट में पीड़ित के हाथ की हड्डी टूट गई। पीड़ित ने थाना दादरी में आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। घोड़ी बछेड़ा में रहने वाले अतुल कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 31 दिसंबर की रात को अपने घर के सामने अपनी पत्नी नीतू सिंह व पड़ोस में रहने वाली आंटी रामरति व सविता भाटी के साथ बैठा हुआ था। इस दौरान निशांत उर्फ पप्पू, राहुल, शिवम, सनी, मनीष, चिराग, निशांत व एक अन्य लड़का उनके घर के बाहर पहुंचे और उनकी वीडियो बनाने लगे। उन्होंने जब वीडियो बनाने का विरोध किया तो सभी युवक उसके साथ गाली गलौज करने लगे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

एमएसएमई के महासचिव के पिता का निधन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-122 निवासी एमएसएमई के महासचिव भाई शिव कुमार राणा के पिताजी श्री चरण सिंह राणा का आकस्मिक निधन आज रात में हो गया। वे दर्शनार्थ जगगन्नाथपुरी गए हुए थे। वहां उनको गत रात्रि हार्ट अटैक आ गया और वो बच नहीं सके। एमएसएमई के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह नाहटा ने बताया कि उनके पुत्र एमएसएमई के अध्यक्ष शिव कुमार राणा, सचिन, सुशील कुमार राणा के परिवार पर दुख का पहाड़ टूटा है। उनके अचानक चले जाने से हमारे नोएडा औद्योगिक शहर में मातम छा गया। भगवान उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे।

35 दावेदारों की किस्मत अब भाजपा हाईकमान के हाथ!

दावेदारों में सर्वाधिक 14 ब्राह्मण समाज से

7 ठाकुर, 3 गुर्जर, 3 त्यागी, 2 वैश्य, 1 पंजाबी व 1 दलित समाज से

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर में जिला अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें रिकॉर्ड 35 उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी पेश की है।

35 आवेदकों में 14 आवेदक ब्राह्मण, 7 ठाकुर, 3 त्यागी, 3 गुर्जर, 1 पंजाबी, 2 वैश्य, 1 दलित, तथा 1 लोध ठाकुर बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। इनमें से किसके सिर भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष का सेहरा बंधेगा। इसका निर्णय तो हाईकमान करेगा। लेकिन आवेदन करने के बाद कई दावेदारों ने अब भाजपा के अपने आका नेताओं की परिक्रमा कर जुगाड़ लगाने की कवायद शुरू कर दी है। सूत्र बताते हैं कि 20 जनवरी तक अध्यक्ष पद के नाम की घोषणा किए जाने की संभावना है।

दावेदारों में राकेश शर्मा, विनोद कुमार शर्मा, संजय बाली, मनीष शर्मा, श्रीमती प्रज्ञा पाठक, राजकुमार झा, सुशील शर्मा, उमानंदन कौशिक, मुकेश शर्मा, गिरीश कोटनाला, अशोक मिश्रा, नरेश शर्मा, हरदेव शर्मा, हर्ष चतुर्वेदी, ब्राहमण बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। जबकि महेश चौहान, करतार सिंह चौहान, पूनम सिंह, ब्रजपाल चौहान, नरेश राणा, युद्धवीर चौहान, सुंदर सिंह राणा, ठाकुर बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। प्रशांत त्यागी, अमित त्यागी, उमेश त्यागी, त्यागी समाज से हैं। चंदगीराम यादव, उमेश यादव, यादव समाज से हैं। मनोज गुप्ता, धर्मेन्द्र गुप्ता वैश्य समाज से हैं। महेश अवाना, ओमवीर अवाना, सचिन अम्बावत गुर्जर बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। दलित समाज से अकेले गणेश गौतम जाटव दावेदार हैं जो महानगर कमेटी में महासचिव पद पर हैं। दावेदारों में सर्वाधिक संख्या ब्राहमणों की है।

जिला चुनाव अधिकारी विनोद सोनकर और पूर्व सांसद और सह जिला चुनाव अधिकारी राजीव त्यागी की देखरेख में यह नामांकन प्रक्रिया पूरी हुई। इस दौरान (शेष पृष्ठ-3 पर)

... जब मेढकियों ने भी नाल ठुकवाने को अपनी टांगे बढ़ाई!

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा नोएडा महानगर पद के दावेदारों में अधिकांश दावेदार महानगर कमेटी में पदाधिकारी हैं तो कुछ प्रकोष्ठों के अध्यक्ष व पूर्व अध्यक्ष भी हैं। इसमें कई पूर्व मंडल अध्यक्ष भी शामिल हैं। भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं ने चुटकी लेते हुए कहा कि इसमें ऐसे भी दावेदार हैं जिनको संगठन चलाने का कोई अनुभव नही है। आवेदन जमा करके अब वे अध्यक्ष बनने का ख्वाब देख रहे हैं। यह तो वही कहावत हुई जब घोड़े की नाल ठोंकी जा रहीथी तभी मेढकी ने भी नाल ठुकवाने के लिए अपनी टांग आगे बढ़ा दी।

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

नक्सली हिंसा

छत्तीसगढ़ के माओवादी हिंसा से ग्रस्त बस्तर के इलाके में पत्रकारिता करना तलवार की धार पर चलने जैसा ही है क्योंकि उन्हें न केवल माओवादियों व पुलिस प्रशासन के कोप का भाजन बनना पड़ता है, बल्कि अपराधी राजनेताओं व ठेकेदारों की हिंसा का भी शिकार होना पड़ता है। इसी कड़ी में टीवी पत्रकार मुकेश चंद्राकर की क्रूरता से हत्या करने और शव को सेप्टिक टैंक में डालने की वीभत्स घटना सामने आई। हत्या की वजह मुकेश द्वारा माओवादी इलाके में एक सड़क निर्माण में धांधली उजागर करना बताया गया है। खबर बीते साल दिल्ली के एक बड़े चैनल से प्रसारित हुई थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस मामले में जांच बैठाई थी। मुकेश की हत्या नये साल के पहले दिन की गई और तीन जनवरी को ठेकेदार द्वारा बनाये घरों के पुराने सेप्टिक टैंक से मुकेश का शव बरामद किया गया। बाद में मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया। दरअसल, ठेकेदार से राजनेता बने सुरेश चंद्राकर कांग्रेस के एक प्रकोष्ठ में राज्य स्तरीय पदाधिकारी रहे हैं। कहते हैं कि पिछले महाराष्ट्र चुनाव में वे एक विधानसभा के पर्यवेक्षक भी रहे हैं। जिसके चलते इस मुद्दे पर जमकर राजनीति हुई। एक ओर बीजेपी ने हत्यारे पर कांग्रेस पार्टी से जुड़े होने का आरोप लगाया तो कांग्रेस ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। इस मुद्दे पर दोनों तरफ से खूब बयानबाजी हुई। लेकिन इसके बावजूद एक हकीकत यह है कि पत्रकारों को केवल माओवादियों व सुरक्षाबलों के गुस्से का ही शिकार नहीं होना पड़ता, उन्हें ठेकेदारों, राजनेताओं व अन्य अपराधी तत्वों की हिंसा का भी शिकार होना पड़ता है। उन्हें निर्भीक पत्रकारिता की कीमत जान देकर चुकानी पड़ती है। कहने को तो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कह रहे हैं कि वे स्थिति से परिचित हैं और पत्रकारों के साथ खड़े हैं। लेकिन व्यवहार में पत्रकारों की सुरक्षा राम भरोसे ही है। उल्लेखनीय है कि ठेकेदार की क्रूरता का शिकार हुए मुकेश को पहले माओवादियों ने पुलिस- सरकार का आदमी बताकर धमकाया था। परिजनों का आरोप है कि माओवादियों की धमकी भरी चिट्ठी से पहले सुरक्षा बलों ने मुकेश समेत कुछ अन्य पत्रकारों पर बंदूक तानकर धमकाया था। जिसकी रिपोर्ट भी मुकेश ने बनायी थी। इससे कुछ माह पूर्व बीजापुर के एसडीएम ने मुकेश समेत कुछ पत्रकारों को माओवादी हिंसा की खबर प्रकाशित करने पर नोटिस देकर जवाब मांगा था। वहीं बीजापुर में कांग्रेस अध्यक्ष ने खबरों में पक्षपात के आरोप लगाकर मुकेश समेत कुछ पत्रकारों का बहिष्कार पत्र जारी किया था। घटनाक्रम का दुखद पहलू यह है कि मुकेश की हत्या माओवादियों, सुरक्षा बल या किसी राजनीतिक दल ने नहीं बल्कि एक ऐसे भ्रष्ट ठेकेदार ने की है, जो मुकेश का रिश्तेदार भी था। निश्चय ही यह घटना अन्य पत्रकारों के लिये लगातार असुरक्षित होते हालात की तरफ भी इशारा करती है। कुछ साल पहले बीजापुर में पत्रकार साईं रेड्डी की हत्या कर दी गई थी। जिसे पहले पुलिस ने छत्तीसगढ़ जन सुरक्षा कानून में जेल भेज दिया था और बाद में माओवादियों ने उसकी हत्या कर दी थी। बाद में पत्रकारों के आंदोलन के बाद माओवादियों ने खेद जताया कि यह शीर्ष नेतृत्व का फैसला नहीं था। निचले कैडर की लापरवाही से उनकी हत्या हुई। इससे पहले माओवादियों ने उन पर पुलिस का मुखबिर होने का आरोप लगाकर उनके घर तक को बम से उड़ा दिया था। दरअसल, मुकेश चंद्राकर एक निर्भीक पत्रकार थे। वे न केवल एनडीटीवी के लिये काम करते थे बल्कि यू ट्यूब पर 'बस्तर जंक्शन' के नाम से एक लोकप्रिय चैनल भी चलाते थे। जिसमें वे बस्तर की दबी-छिपी खबरों को प्रसारित करते रहते थे। उल्लेखनीय है कि सुकमा के पत्रकार नेमीचंद की भी माओवादियों ने पुलिस की मदद करने वाला बताकर हत्या कर दी थी। बहरहाल, बस्तर के पत्रकार चौतरफा हमलों के निशाने पर हैं जबकि उनके संस्थानों से उन्हें पर्याप्त पैसा व सुरक्षा तक नहीं मिलती। माओवादियों, पुलिस व प्रशासन के नजले का शिकार होते पत्रकारों की सुरक्षा के लिये बना कानून भी निष्प्रभावी नजर आ रहा है। अब राज्य सरकार विधानसभा में पत्रकार सुरक्षा कानून पेश करने की बात कर रही है।

अमेरिकी आर्थिक नीतियां अन्य देशों को विपरीत रूप से कर सकती है प्रभावित

वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अन्य देशों की मुद्राओं की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिर रही है। इससे, विशेष रूप से विभिन्न वस्तुओं का आयात करने वाले देशों में वस्तुओं के आयात के साथ मुद्रा स्फीति का भी आयात हो रहा है। इन देशों में मुद्रा स्फीति बढ़ती जा रही है और इसे नियंत्रित करने के उद्देश्य से एक बार पुन: ब्याज दरों में वृद्धि की सम्भावना भी बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के अवमूल्यन को रोकने के लिए भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में से लगभग 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर को बेचना पड़ा है जिससे भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अपने उच्चत्तम स्तर 70,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर 65,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के भी नीचे आ गया है।

अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने के चलते विश्व के लगभग सभी देशों की यही स्थिति बनती हुई दिखाई दे रही है। दूसरी ओर, अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है एवं अमेरिका को इसे नियंत्रित करने के लिए अपनी आय में वृद्धि करना एवं व्यय को घटाना आवश्यक हो गया है। परंतु, 20 जनवरी 2025 को डॉनल्ड ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति बनते ही सम्भव है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा आयकर में भारी कमी की घोषणा की जाय। डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने चुनावी भाषण में इसके बारे में इशारा भी किया था। हां, सम्भव है कि आयकर को कम करने के चलते कुल आय में होने वाली कमी की भरपाई अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि कर इसके निर्यात में वृद्धि एवं अमेरिका में विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका में होने वाले आयात पर कर में वृद्धि करने के चलते कुछ हद तक हो सके। परंतु, कुल मिलाकर यदि आय में होने वाली सम्भावित कमी की भरपाई नहीं हो पाती है तो अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि में अतुलनीय वृद्धि सम्भव है। जो एक बार पुन: अमेरिका में मुद्रा स्फीति को बढ़ा सकता है और फिर से अमेरिका में ब्याज दरों में कमी के स्थान पर वृद्धि देखने को मिल सकती है।

पूरे विश्व में पूंजीवादी नीतियों के चलते मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से विभिन्न देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा की जाती रही है। किसी भी देश में मुद्रा स्फीति की दर यदि खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के चलते बढ़ रही है तो इसे ब्याज दरों में वृद्धि कर नियंत्रण में नहीं लाया जा सकता है। हां, खाद्य पदार्थों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर जरूर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। अत: यह मांग की तुलना में आपूर्ति सम्बंधी मुद्दा अधिक है। उत्पादों की मांग में कमी करने के उद्देश्य से बैंकों द्वारा

ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है, जिससे ऋण की लागत बढ़ती है और इसके कारण अंतत: विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ती है। उत्पादन लागत के बढ़ने से इन उत्पादों की मांग बाजार में कम होती है जो अंतत: इन उत्पादों के उत्पादन में कमी का कारण भी बनती है। उत्पादन में कमी अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छँटनी करने के परिणाम के रूप में भी दिखाई देती है। हाल ही के वर्षों में अमेरिका में जब मुद्रा स्फीति की दर पिछले लगभग 50 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर अर्थात 10 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई थी, तब फेडरल रिजर्व द्वारा फेड दर (ब्याज दरों) को भी 0.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत तक लाया गया था, और यह दर लम्बे समय तक बनी रही थी। इसका प्रभाव, अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रही कम्पनियों पर अत्यधिक विपरीत रूप में पड़ता दिखाई दिया था और लगभग 2 लाख इंजीनियरों की छँटनी इन कम्पनियों द्वारा की गई थी। अत: मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करने का निर्णय अमानवीय है एवं इसे उचित निर्णय नहीं कहा जा सकता है। ब्याज दरों में वृद्धि करने का परिणाम वैश्विक स्तर पर कोई बहुत अधिक सफल भी नहीं रहा है। अमेरिका को मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के लिए लगभग 3 वर्ष(?) का समय लग गया है और यह इस बीच ब्याज दरों को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने के बावजूद सम्भव नहीं हो पाया है।

भारत में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर (ब्याज दर) में पिछले लगभग 22 माह तक कोई परिवर्तन नहीं किया गया था एवं इसे उच्च स्तर पर बनाए रखा गया था जिसका असर अब भारत के आर्थिक विकास दर पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत रही है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की रही थी। आर्थिक विकास दर में वृद्धि दर का कम होना अर्थात देश में रोजगार के कम अवसर निर्मित होना एवं नागरिकों की आय में वृद्धि की दर का भी कम होना भी शामिल रहता है। अत: लंबे समय तक ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर नहीं बनाए रखा जाना चाहिए।

यह सही है कि मुद्रा स्फीति को एक दैत्य की संज्ञा भी दी जाती है और इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। अत: किसी भी देश के लिए इसे नियंत्रण में रखना अति आवश्यक है। परंतु, मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने हेतु लगातार ब्याज दरों में वृद्धि करते जाना भी अमानवीय कृत्य है। ब्याज दरों में वृद्धि की तुलना में विभिन्न उत्पादों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए। आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों में इन उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि करना भी शामिल होगा, कम्पनियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि करने के साथ साथ रोजगार के नए अवसरों का निर्माण भी किया जाएगा। इस प्रकार के निर्णय देश की अर्थव्यवस्था के लिए हितकारी एवं लाभदायक साबित होंगे।

अमेरिका द्वारा आर्थिक क्षेत्र से सम्बंधित की जा रही विभिन्न घोषणाओं जैसे चीन एवं अन्य देशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर आयात कर में 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की वृद्धि करना, अमेरिका पर लगातार बढ़ रहे ऋण को कम करने हेतु किसी भी प्रकार के प्रयास नहीं करना, अमेरिकी बजटीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विदेशी व्यापार के क्षेत्र में व्यापार घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विभिन्न देशों द्वारा डीडोलराईजेशन के प्रयास करना आदि ऐसी समस्याएं हैं जिनका हल यदि शीघ्र ही नहीं निकाला गया तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ साथ अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगी।

प्राचीन भारत के इतिहास में मुद्रा स्फीति जैसी परेशानियों का जिक्र नहीं के बराबर मिलता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भारत में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता रहा है अत: वस्तुओं की बढ़ती मांग के स्थान पर बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति ही अधिक रही है। ग्रामीण इलाकों में 50 अथवा 100 ग्रामों के क्लस्टर के बीच हाट (बाजार) लगाए जाते थे जहां स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं/उत्पादों/खाद्य पदार्थों को बेचा जाता था। स्थानीय स्तर पर निर्मित की जा रही वस्तुओं को स्थानीय बाजार में ही बेचने से इन वस्तुओं के बाजार मूल्य सदैव नियंत्रण में ही रहते थे। अत: वस्तुओं की मांग की तुलना में उपलब्धता अधिक रहती थी। कई बार तो उपलब्धता का आधिक्य होने के चलते इन वस्तुओं के बाजार में दाम कम होते पाए जाते थे। इस प्रकार मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं दिखाई नहीं देती थीं। जबकि वर्तमान में, विभिन्न देशों के बाजारों में विभिन्न उत्पादों की उपलब्धता पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है, इन वस्तुओं की मांग बढ़ने से इनकी कीमतें बढ़ने लगती हैं, और, इन कीमतों पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से यह प्रयास किया जाने लगता है कि किस प्रकार इन वस्तुओं की मांग बाजार में कम की जाय, इसे एक नकारात्मक निर्णय ही कहा जाना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर अर्थशास्त्र के वर्तमान सिद्धांत (मॉडल) विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं को हल करने के संदर्भ में बोथरे साबित हो रहे हैं। इसलिए अमेरिकी एवं अन्य विकसित देशों के अर्थशास्त्री आज साम्यवादी एवं पूंजीवादी सिद्धांतों (मॉडल) के स्थान पर वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु एक तीसरे रास्ते (मॉडल) की तलाश करने में लगे हुए हैं और इस हेतु वे भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन इस संदर्भ में निश्चित ही वर्तमान समय में आ रही विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के हल में सहायक एवं लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

-प्रह्लाद सबनानी

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि शिवजी ने बहुत तरह से अपनी सास को समझाया। तब वे शिवजी के चरणों में सिर नवाकर घर गईं। फिर माता ने पार्वती को बुला लिया और गोद में बिठाकर यह सुंदर सीख दी- ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

करेहु सदा संकर पद पूजा। नारिधरमु पति देउ न दूजा॥
बचन कहत भरे लोचन बारी। बहुरि लाइ उर लीन्हि कुमारी॥

हे पार्वती! तू सदाशिवजी के चरणों की पूजा करना, नारियों का यही धर्म है। उनके लिए पति ही देवता है और कोई देवता नहीं है। इस प्रकार की बातें कहते-कहते उनकी आँखों में आँसू भर आए और उन्होंने कन्या को छाती से चिपटा लिया॥

कत बिधि सृजीं नारि जग माहीं। पराधीन सपनेहूँ सुखु नाहीं॥
भै अति प्रेम बिकल महतारी। धीरजु कीन्ह कुसमय बिचारी॥

(फिर बोलीं कि) विधाता ने जगत में स्त्री जाति को क्यों पैदा किया? पराधीन को सपने में भी सुख नहीं मिलता। यों कहती हुई माता प्रेम में अत्यन्त विकल हो गईं, परन्तु कुसमय जानकर (दु:ख करने का अवसर न जानकर) उन्होंने धीरज धरा॥

पुनि पुनि मिलति परति गहि चरना। परम प्रेमु कछु जाइ न बरना॥
सब नारिन्ह मिलि भेंटि भवानी। जाइ जननि उर पुनि लपटानी॥

मैना बार-बार मिलती हैं और (पार्वती के) चरणों को पकड़कर गिर पड़ती हैं। बड़ा ही प्रेम है, कुछ वर्णन नहीं किया जाता। भवानी सब स्त्रियों से मिल-भेंटकर फिर अपनी माता के हृदय से जा लिपटीं॥

(क्रमश:...)

चाय का चक्कर (व्यंग्य)

एक दिन मैं और मेरे मित्र, विकास जी, एक सरकारी दफ्तर में गए थे। दफ्तर में पहुंचते ही यह खबर फैल गई कि किसी बड़े आदमी के साथ कोई राजनेता दफ्तर में आया है। खैर, यह खबर जल्द ही बड़े साहब के कानों तक पहुंच गई होगी, जो एक अनुभवी अधिकारी थे। साहब ने अपनी डेली ड्यूटी के दस्तावेजों को पलटते हुए एक पल के लिए सोचा होगा, अगर कोई राजनेता दफ्तर में आए, तो क्या करना चाहिए? और फिर, साहब ने सोचा होगा—उसे चाय जरूर पिलानी चाहिए। उनके दिमाग में और भी विचार आए होंगे—अगर उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति हो तो उसे भी चाय पिलानी चाहिए। उन्होंने फिर बड़े बाबू को आदेश दिया, जब इनका काम खत्म हो जाए, तो उन्हें चाय के लिए ले आइए।

हमारा काम खत्म हुआ तो बड़े बाबू ने कहा, साहब के साथ चाय पी लीजिए। चाय पीने का अनुभव मेरे लिए नया नहीं था, लेकिन सरकारी अधिकारियों के साथ चाय पीने का ख्याल मुझे थोड़ी घबराहट दे रहा था। फिर भी, सोचा, यह अनुभव कुछ नया हो सकता है। हम दोनों साहब के कमरे में दाखिल हुए। साहब के चेहरे पर एक हल्की मुस्कान फैली हुई थी, जो कि किसी सरकारी अधिकारी की विशेष मुस्कान थी—अत्यधिक विनम्रता और ढ़ोंग का मिश्रण।

साहब ने मुस्कराते हुए पूछा, क्या हाल हैं, शर्मा जी? उनका सवाल इतना सामान्य था कि एक ही शब्द में इसका उत्तर दिया जा सकता था—सब ठीक है। शर्मा जी ने हलका सा उत्तर दिया और फिर साहब ने मेरी ओर रुख किया, और आप, मिश्रा जी, आपका काम कैसा चल रहा है? मैंने भी उसी रूटीन तरीके से जवाब दिया—सब ठीक है।

अब सवाल उठता है, जब कोई सरकारी अधिकारी बात करने के लिए कुछ नहीं चाहता, तो क्या किया जाए? हम तीनों की नजरें दरवाजे पर थीं। हम तीनों चाय के इंतजार में थे। लेकिन चाय का क्या? चाय तो थी ही नहीं। चपरासी, जो चाय लाने गया था, हमारी ओर देखकर दुश्मन जैसा व्यवहार कर रहा था। वह चाय के लिए इतना दूर क्यों गया था? और चाय आ भी रही थी या नहीं, इस पर कोई कुछ नहीं कह पा रहा था।

साहब की स्थिति भी दिलचस्प थी। वह अपने पद की प्रतिष्ठा के बारे में सोचते हुए कुर्सी पर बिल्कुल तनकर बैठ गए थे। लेकिन जैसे ही शर्मा जी ने अपनी छड़ी की मूठ पर हाथ रखा, साहब की मुद्रा ढीली हो गई। वह अब छड़ी पर ध्यान केंद्रित करने लगे, मानो वह छड़ी ही कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति हो।

हमारे बीच चुप्पी थी, लेकिन यह चुप्पी किसी असहज स्थिति से ज्यादा किसी जाल का हिस्सा लग रही थी। साहब अपनी पेंसिल को गाल पर घिस रहे थे, मैं पेपरवेट से खेल रहा था और श्रीवास्तव जी छड़ी की मूठ पर हाथ फेरने में लगे हुए थे। तीनों की स्थिति बहुत ही अजीब थी। हम जैसे गहरे समुद्र में डूबते जा रहे थे, और चाय का जहाज हमें कहीं नजर नहीं आ रहा था।

फिर अचानक साहब ने घंटी बजाई। चाय के लिए घंटी बजाना अधिकारियों का एक परंपरागत तरीका था, जो किसी तरह की नर्वसनेस को शांत करने के लिए होता था। चपरासी दरवाजे से आया और उसने बताया कि होटल में दूध खत्म हो गया था और वह काफी दूर से चाय ले कर आ रहा था। यह सुनकर हमें और भी घिन आ रही थी। दूध खत्म हो गया? हम चाय के बिना ही बैठने को मजबूर थे!

हम तीनों की हालत जैसे सर्दी में सिकुड़ी हुई थी। साहब ने अपनी पेंसिल को गाल पर रगड़ते हुए दरवाजे की ओर देखा। हम सब एक-दूसरे को देखकर शून्य में खो गए थे। साहब ने फिर वही सवाल पूछा, क्या हाल हैं, शर्मा जी? शर्मा जी ने फिर जवाब दिया, सब ठीक है। फिर उन्होंने मेरी ओर रुख किया, क्या हाल है, मिश्रा जी? और मैंने भी वही जवाब दिया, सब ठीक है।

यह खेल कुछ ऐसा लग रहा था जैसे हम एक-दूसरे से बहुत दूर खड़े हो, लेकिन फिर भी एक दूसरे के साथ खड़े हैं। साहब को यह समझने में वक्त नहीं लगा कि चाय का इंतजार करना व्यर्थ था। वह फिर से घंटी बजाते हैं, और चपरासी के आने के बाद हम सब चाय पीने में लगे। चाय आ चुकी थी, लेकिन चाय का स्वाद हमारी स्थिति से कहीं अधिक बेहतर था। हम जल्दी से चाय पीते हुए उठे और साहब से विदा ले ली। दरवाजे तक पहुंचते ही, विकास जी ने कहा, मिश्रा जी, क्या हाल हैं हैदराबाद के? मैं हंसते हुए बोला, बस ठीक हैं, विकास जी, बस ठीक हैं!

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',

राशिफल

पौष शुक्ल पक्ष एकादशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन का आगमन बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा रहेगा

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शुभता के प्रतीक बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। स्वास्थ्य की स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम, संतान बहुत अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शुभ कार्यों में खर्च होगा। लेकिन खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है। बाकी प्रेम-संतान का साथ है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार अच्छा। आय के नवीन सोर्स बनेंगे।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
वाहन धीरे चलाएं। बहुत सावधानी बरतें। कोई रिस्क न लें। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय। प्रेम-संतान के लिए बहुत अच्छा समय। व्यापार अच्छा रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का बहुत अच्छा योग। घर में कुछ उत्सव हो सकता है। शुभ संस्कार हो सकते हैं।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। प्रेम व संतान की स्थिति अच्छी होगी। व्यापार भी अच्छा रहेगा।

भाजपा सरकार में हो रहा है व्यापारियों का शोषण : प्रदीप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी व्यापार सभा की समीक्षा बैठक गांव रोज़ा जलालपुर में आयोजित की गई। बैठक में समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में तथा प्रदेश सचिव डॉ. अजय चौरसिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नागर ने की तथा बैठक का संचालन समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव मनोज शर्मा ने किया।

इस अवसर पर भाजपा के पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला मंत्री सत्यपाल प्रजापति ने दर्जनों साथियों के साथ भाजपा छोड़कर सपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस मौके पर समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा सरकार में व्यापारियों का शोषण हो रहा है। आज भाजपा सरकार चंद पूंजीपतियों को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से छोटे और मध्यम वर्गीय दुकानदारों के रोजगार समाप्त कर रही है। छोटे व्यापारी पूरी तरह से तबाही के कगार पर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का व्यापारियों की समस्याओं की ओर ध्यान नहीं है। सरकार का लक्ष्य केवल व्यापारियों से अधिक से अधिक टैक्स वसूलने का है।

इस मौके पर समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष विपिन सेन ने कहा कि समाजवादी पार्टी ही व्यापारियों की सच्ची हितैषी है। व्यापारियों का हित समाजवादी पार्टी में सुरक्षित है।

इस मौके पर प्रमुख रूप से रामपाल नागर, डॉ. शशि यादव, मोहित यादव, अकबर खान, जगदीश सैन, दीपक नागर, हैप्पी पंडित, विजय यादव, संदीप सैन, उपेंद्र सिंह यादव, मुकेश वर्मा, नीरज तंवर, सतीश भाटी, फुरकान सिद्दीकी, संदीप कुमार, सुमित कुमार, कपिल कुमार, टेकचंद, श्याम, अजय, अन्नू कुमार, मोहित कुमार, सन्नी कुमार, विशाल कुमार आदि मौजूद रहे।

जेल से छूटने पर सीटू के जिलाध्यक्ष का हुआ स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। मजदूर-किसान आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा की परसों देर रात लुकसर जेल से रिहाई हुई। जेल से बाहर आते ही सैकड़ों मजदूर-किसान संगठनों के कार्यकर्ताओं ने उनका फूल-माला पहनाकर और पगड़ी बांधकर जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर किसान सभा के जिला संयोजक वीर सिंह नगर ने कहा कि किसान आंदोलन में गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में सीटू के कार्यकर्ताओं का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। किसानों की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने आंदोलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किसानों की बिना शर्त रिहाई की मांग को लेकर 12 दिसंबर 2024 को सीटू ने अन्य सहयोगी संगठनों के साथ डीएम कार्यालय सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा पर प्रदर्शन का ऐलान किया था।

प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस के उच्च अधिकारी उन पर दबाव बना रहे थे, लेकिन प्रदर्शन स्थगित करने से मना करने के कारण नाराज पुलिस अधिकारियों ने 19 दिसंबर 2024 को उन पर झूठा मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया। गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि पुलिस के उत्पीड़न के आगे हम झुकने वाले नहीं हैं और अपने हक-अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

सीटू के जिला महासचिव रामसागर ने कहा कि पुलिस द्वारा लगाए गए सभी आरोप फर्जी हैं। जनपद के मजदूर, किसान और आम जनता सब कुछ समझ रही है और मजबूती से गंगेश्वर दत्त शर्मा के साथ खड़ी है। कल और आज शहर के विभिन्न सम्मानित लोगों ने उनका स्वागत किया और जेल से रिहाई की बधाई दी।

सोरन प्रधान का हुआ स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान और किसान आंदोलन में जेल गए सभी साथियों का स्वागत और सम्मान मतलूब अली, निवासी ग्राम डेरिन खूबन, ने अपने आवास पर किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अलीहसन मुखिया जी ने की और संचालन जिला अध्यक्ष पप्पे नागर ने किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान जी ने आंदोलन के पूरे घटनाक्रम पर प्रकाश डाला और गांव के सभी लोगों को यह भरोसा दिलाया कि वे अपनी मांगों को लेकर पूरी तरह गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हमें जेल भेजकर हमारे मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही है, लेकिन यदि अपनी किसान बिरादरी के लिए बार-बार जेल जाना भी पड़े, तो हम इसके लिए तैयार हैं।

गांव की ओर से अलीहसन मुखिया जी और गांव के अन्य सभी लोगों ने आंदोलनकारियों का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की बात कही।

इस अवसर पर बाबा देशराज, श्रीकृष्ण बेसला, मोहनपाल बीडीसी, मेहरबान अली, जोराभाटी, सहदेव भाटी, रामहर प्रधान, सतीश नागर, अरुण नंबरदार, मनोज भाटी, सोनू मावी, सचिन मावी, फ़ाइन ख़ान फौजी, फरमान त्यागी, पप्पू, यामीन मुखिया, सल्लन पहलवान, इमरान ख़ान, फैजान डीलर, हैदर ख़ान, नाज़िम त्यागी, शारुख़ ख़ान, विक्की, जिसान समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

चुनाव को लेकर हुई भाजपा की बैठक

ज्ञानपुर (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय ज्ञानपुर में कल बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश महामंत्री व विधान परिषद सदस्य, गोविंद नारायण शुक्ला, और जिला चुनाव अधिकारी व प्रदेश कार्य समिति सदस्य, दिनेश राय उपस्थिति रहे।

बैठक में भाजपा के जिला अध्यक्ष और प्रांतीय परिषद के नामांकन हेतु आवेदन पत्र (फॉर्म) वितरित किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यालय पर गहमागहमी का माहौल बना रहा।

बैठक के दौरान, प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने कहा कि संगठन का यह चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा और प्रदेश नेतृत्व के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी एक बड़ा दल है, जहां कार्यकर्ता हमेशा उत्साह और गर्व के साथ काम करते हैं। इस अवसर पर भदोही सांसद डॉ. विनोद बिंद, पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय, पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्रा, पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष अनूरुद्ध त्रिपाठी सहित अन्य प्रमुख नेता, मंडल अध्यक्ष, और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

बेटियों को सुप्रीम अदालत ....

लड़की ने अपनी मां को दिए जा रहे कुल गुजारा भत्ते के एक हिस्से के रूप में अपने पिता द्वारा उसकी पढ़ाई के लिए दिए गए 43 लाख रुपये लेने से इनकार कर दिया।

अदालत ने आदेश में कहा कि बेटी होने के नाते उसे अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च प्राप्त करने का ऐसा अधिकार है जिसे खत्म नहीं किया जा सकता है। इस आदेश को कानूनी रूप से लागू किया जा सकता है।

अदालत ने कहा कि लड़की ने अपनी गरिमा का ध्यान रखते हुए इस राशि को रखने से इनकार कर दिया और अपने पिता को पैसे वापस लेने को कहा, लेकिन पिता ने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि बेटी कानूनी रूप से राशि की हकदार थी। पिता ने बिना किसी कारण के पैसे दिए, जिससे पता चलता है कि वे फाइनेंशियल तौर पर मजबूत हैं और अपनी बेटी की पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद करने में सक्षम हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम केवल इतना ही मानते हैं कि बेटी को अपनी शिक्षा जारी रखने का मौलिक अधिकार है, जिसके लिए माता-पिता को अपने वित्तीय संसाधनों की सीमा के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है।

'वक्फ का जिन...

जमीन किसके नाम पर थी और फिर उसको हम वापस दिलाने का काम कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि कहीं भी, किसी भी ऐसी जमीन पर जो सार्वजनिक उपयोग में होगी. हिंदू आस्था से जुड़े पवित्र स्थलों की जमीन होगी या सरकार की जमीन होगी, वहां पर हम इस प्रकार के किसी भी भूमाफिया बोर्ड को कब्जा नहीं करने देंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ये कुंभ की भूमि है और आने वाले साधु-संतों को कुंभ के आयोजन के लिए इसी प्रकार से उपलब्ध होती रहेगी।

35 दावेदारों की किस्मत...

जिला अध्यक्ष पद के लिए 35 नामांकन पत्रों के साथ-साथ प्रदेश परिषद सदस्य पद के लिए भी दो नामांकन पत्र दाखिल किए गए। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में नामांकन पार्टी में लोकतांत्रिक प्रक्रिया और कार्यकर्ताओं के उत्साह को दर्शाता है।

वीडियो बनाने पर...

उसने जब गाली देने का विरोध किया तो युवकों ने उसे लाठी डंडों और सरियों से पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर पड़ोसी इकट्ठा हो गए। पड़ोसियों ने किसी तरह उसे हमलावर युवकों के चंगुल से बचाया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

अतुल कुमार के मुताबिक वह अपना इलाज कराने अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि उसके हाथ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मौसेरे भाई ने प्लॉट ...

मौसेरे भाई की बातों का विश्वास कर उसने प्रवेश कुमार राठी को 22 जून 2024 को 1050000 दे दिए। इस दौरान उसे पता चला कि जिस प्लॉट को प्रवेश उसे दिलवा रहा है वह वादग्रस्त है। इसके बाद उसने अपने मौसेरे भाई से प्लॉट खरीदने से इनकार करते हुए दिए गए पैसे वापस मांगे। प्रवेश कुमार राठी उसे पैसे देने के लिए बहाना बनाता रहा। उसने जब सख्त तगादा किया तो प्रवेश ने स्पष्ट कहा कि वह कोई पैसा वापस नहीं करेगा।

पीड़ित के मुताबिक 26 सितंबर को प्रवेश ने फोन पर व्हाट्सएप मैसेज भेज कर गंदी-गंदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। 27 सितंबर को प्रवेश उसके घर कस्बा रबूपुरा आया। इस दौरान वह घर पर नहीं था उसकी पत्नी काजल ने दरवाजा नहीं खोला तो प्रवेश उसके मकान तथा जिस स्कूल में उसकी 6 वर्षीय बेटी पढ़ती है उसका फोटो खींचकर ले गया। प्रवेश कुमार राठी ने घर व स्कूल के फोटो उसके व्हाट्सएप पर भेज कर उसकी बेटी का अपहरण कर जान से मारने की धमकी दी।

सोहन पाल धाम के मुताबिक उसके मौसेरे भाई पर हत्या जैसे कई संगीन मामले भी दर्ज हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बसपा के पूर्व लोकसभा...

में बैठकर फरार हो गए। सतबीर नागर के मुताबिक यह पूरी घटना फार्म हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पूर्व प्रत्याशी का कहना है कि इस घटना से वह काफी सहमे हुए हैं और भविष्य में भी उनके अथवा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कोई अनहोनी घटना घटित हो सकती है। सतवीर नागर ने दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई तथा स्वयं को सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की है।

घने कोहरे में हाईवे...

रही गाड़ियां भी आपस में टकरा गईं। हाईवे पर पिकअप गाड़ी और आर्टिका, मारुती वैन और स्विफ्ट कार भी आपस में टकरा गई।

पुलिस के अनुसार, पीछे से टकराने वाली गाड़ी में कोई घायल नहीं है। सभी लोग सुरक्षित है और तुरंत वाहनों को हाईवे से हटवा दिया गया। इसके बाद पुलिस ने वाहनों का आवागमन शुरू कराया गया।

उधर पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ा दी है। ठंडी हवाएं चलने की वजह से नोएडा समेत पूरा एनसीआर भीषण शीतलहर की चपेट में है और धुंध ने लोगों की दुश्वारियो को बढ़ा दिया है। नोएडा में सुबह का पारा 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वही ग्रेटर नोएडा में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, हाइवे पर वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा और जो गाडियां चल भी रही है उन्हें लाइट जलाकर चलना पड रहा है। मौसम विभाग ने बारिश का भी अलर्ट किया जारी।

नोएडा शीतलहर की चपेट में है और कोहरे की चादर आसमान पर नजर आ रही है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार नोएडावासियो लोगों को ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं नजर आ रहे हैं वेस्टर्न हिमालय रीजन में वेस्टर्न साइक्लोन एक्टिव है जिसके चलते आने वाले दिनों का मौसम ठंडा होगा।

दो घरों के ताले तोड़े नकदी...

पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 36 में रहने वाले इंद्रदेव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 3 जनवरी की रात को मध्य प्रदेश के नागपुर गया था। 9 जनवरी को जब वह घर लौटा तो उसे घर का ताला टूटा हुआ मिला।चोर उसके घर से एक लाख रुपए व सोने चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए।

वहीं थाना रबूपुरा में एक व्यक्ति ने घर से बाइक व गैससिलेंडर चोरी करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम फलेंदा बांगर निवासी मंगतू ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 23 दिसंबर की रात्रि को कुछ लोग उसके घर से बाइक व सिलेंडर चोरी कर ले गए। उसने सुबह जब रास्ते पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो उसमें दो व्यक्ति मुंह को ढके हुए बाइक से जाते हुए दिखाई दिए। यह लोग उसके घर के बाहर से बाइक और सिलेंडर को चोरी कर ले जा रहे थे। पीड़ित के मुताबिक उसे गांव के ही कालू, अरविंद व कोल्डिक पर चोरी कर शक था। उसने जब बाइक व गैस सिलेंडर के बारे में इन लोगों से पूछा तो तीनों आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि इस घटना से उसका परिवार सहमा हुआ है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

सेक्टर-128 चौराहे पर....

इस बीच, सेक्टर 18 में जीआईपी मॉल के पास क्लॉक टॉवर को बनाने का काम जारी है। इसका डिज़ाइन श्रीनगर के प्रसिद्ध लाल चौक क्लॉक टावर से प्रेरित है। लेकिन इसकी प्रेरणा के विपरीत, इस क्लॉक टावर में कई मंजिलें नहीं होंगी। इसके बजाय, इसकी चोटी पर तिरंगा झंडा फहराया जाएगा।घड़ी में रोमन अंक होंगे और यह सौर ऊर्जा से चलेगी। टावर का निर्माण करने वाली कंपनी ही घड़ी लगाने की भी जिम्मेदारी लेती है। लाल रंग की संरचना उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के तत्वों को प्रदर्शित करेगी।

सेक्टर 18 क्लॉक टॉवर के चारों ओर एक ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी। जिसमें बैठने की बेंच और एक सेल्फी प्वाइंट होगा। स्थान को रणनीतिक रूप से चुना गया था क्योंकि यह दिल्ली से सीधे जुड़ने वाली सड़क पर स्थित है। ये एक तरफ सेक्टर 18 के व्यस्त वाणिज्यिक केंद्र और दूसरी तरफ लोकप्रिय जीआईपी मॉल से घिरा हुआ है। दोनों क्लॉक टावर शहरी विकास को सौंदर्य करण का एक हिस्सा है।

दबंगों ने घर पर...

जब वह लोग बाहर नहीं निकले तो उन्होंने घर पर पत्थर मारे। इसके बाद आरोपियों ने घर के बाहर उसके चाचा के दामाद की खड़ी वेगनर कार की लाइट तोड़ दी। इसके बाद आरोपी दोनों भाइयों को जान से मारने की धमकी देकर चले गए। यह पूरी घटना घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

आकाश शर्मा ने बताया कि छोटू और अभिषेक उसके भाई राहुल से रंजिश मानते हैं और पूर्व में भी कई बार उन पर जानलेवा हमला कर चुके हैं। पीड़ित के मुताबिक 1 दिसंबर की रात को भी गौरव, सचिन व अन्य लोगों ने उनके घर पर उसके भाई को जान से मारने के लिए गोली चलाई थी। इसके अलावा उसके भाई तथा उनकी मां व पत्नी के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की थी। इस मामले की रिपोर्ट भी उन्होंने पूर्व में थाने में दर्ज कराई थी। पीड़ित ने आरोपियों से अपनी तथा परिवार की जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

इलाहाबास में लगे...

के पास लगाई गई फेंसिंग को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मौके पर ट्रांसफार्मर टैंक,कोर व ढक्कन अलग-अलग जगह पर पड़े हुए मिले। अवर अभियंता के मुताबिक इस घटना से जहां उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है वहीं विभाग को करीब 592206 की धनराशि का नुकसान हुआ है। बता दें कि चोरों ने पूर्व में भी कई स्थानों पर ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर तेल व कॉपर क्वाइल चोरी करने की घटनाओं को अंजाम दिया है। हाल ही में थाना दादरी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद ट्रांसफार्मरो से तेल चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

एक हजार लीटर शराब पर चलाया बुलडोजर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने लगभग 3 लाख रुपए की अवैध शराब को नष्ट कर दिया है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की गई है। नोएडा पुलिस ने 1000 लीटर अवैध शराब को सेक्टर-63 थाना पुलिस ने पकड़ा था। चेकिंग के दौरान पुलिस ने लाखों की शराब बरामद की थी।

बाद में पुलिस ने अवैध शराब को बुलडोजर से नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई से पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ सख्त संदेश दिया है।

फुटपाथ पर सोए लोगों को रैन बसेरों में भेजा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शीत लहर एवं ठंड को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से सुरक्षित रखने के लिए डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरों का संचालन, अलाव तथा अन्य राहत कार्य कराये जा रहे हैं।

इसी कड़ी में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा विवेकानंद मिश्रा ने नोएडा में रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया और उनको बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जनपद में रैन बसेरे बनाए गए हैं, आप खुले आसमान या सड़क किनारे फुटपाथ पर न सोए। उन्होंने आम जनमानस से भी अपील करते हुए कहा कि यदि उनको भी कोई व्यक्ति खुले आसमान में सड़क किनारे फुटपाथ पर सोता हुआ मिले तो, उसको रैन बसेरे के संबंध में बताएं कि वह ऐसे खुले में ना सोकर जिला प्रशासन द्वारा संचालित किये जा रहे रैन बसेरों में प्रवास कर सकते हैं। साथ ही इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए।

नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के नेतृत्व में इसी प्रकार से रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे या खुले आसमान में सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया जाएगा एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए जाएंगे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

महाकुम्भ से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपए की होगी वृद्धिः सीएम योगी

प्रयागराज (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि महाकुम्भ 2025 अब तक के सभी कुम्भ पर्वों से अधिक दिव्य और भव्य होगा। इस महाकुम्भ में आस्था और आधुनिकता का समागम होगा और यह समागम प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कैसे खुशहाली ला सकता है, इसका उदाहरण भी बनेगा। उन्होंने कहा कि लाखों लोग इस महासमागम और व्यवस्था के साथ जुड़े हुए हैं। ये प्रयागराज के साथ साथ पूरे देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा। अकेले प्रयागराज कुम्भ से अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपए का ग्रोथ होने का अनुमान है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ सांस्कृतिक एकता का ऐसा महायज्ञ है जो पूर्व से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण न केवल भारतवर्ष को अपितु सम्पूर्ण विश्व को एक नीड़ (घोंसले) में लाकर स्थापित कर देता है। यजुर्वेद का संदर्भ देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यजुर्वेद में कहा गया है यत्रविश्वं भवत्येक नीड अर्थात जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक घोंसले में आ जाता है। महाकुम्भ उसी परिकल्पना का उत्कृष्ट उदाहरण है।

गुरुवार को महाकुंभ नगर में डिजिटल मीडिया सेंटर का लोकार्पण करने के बाद पत्रकारों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि 2017 से पहले की सरकारों ने आस्था का सम्मान नहीं किया। हमने आस्था का सम्मान किया और आस्था कैसे अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाती है, प्रयागराज इसका उदाहरण बनने जा रहा है। उन्होंने देश भर के पत्रकारों से अपील की कि हमने इस महाआयोजन को एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आधुनिक महासमागम के रूप में प्रस्तुत करने की जो योजना बनाई है, उसे अपनी रिपोर्टिंग के माध्यम से पूरी दुनिया में प्रसारित करना होगा, ताकि न केवल प्रयागराज बल्कि उत्तर प्रदेश को दुनिया के बेहतरीन डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया जा सके। यह मान्यता प्रयागराज को पहले ही मिल जानी चाहिए थी, लेकिन आपकी रिपोर्टिंग आज प्रयागराज को उसका हक दिलाने में मददगार होगी।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पत्रकार बंधुओं की आवश्यकता और अपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए सूचना विभाग द्वारा यह सर्वसुविधायुक्त मीडिया सेंटर तैयार किया गया है। खबरें फाइल करनी हों या इंटरव्यू और पॉडकास्ट, एडिटिंग हो या संदर्भ ग्रंथों की आवश्यकता, आप सभी की हर जरूरत को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। 2019 कुम्भ को आपने आस्था के अद्भुत संगम के रूप में देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया था। परिणाम था कि यूनेस्को ने प्रयागराज कुम्भ को मानवता की अमूर्त विरासत की मान्यता प्रदान की। इस बार भी विश्व मानता के कल्याण का मार्ग यहां से प्रशस्त हो, इसके लिए यह मीडिया सेंटर आपको समर्पित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 12 वर्ष के बाद महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है और उसमें भी 144 वर्ष का वह शुभ मुहुर्त आया जो सचमुच आज की पीढ़ी के लिए सौभाग्य की बात है। यह उनके लिए भी गौरव का क्षण है जो जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस आयोजन से जुड़े हैं। ये हमारा सौभाग्य है कि सनातन गर्व के प्रतीक महाकुम्भ पर्व का आयोजन करने का डबल इंजन सरकार को अवसर प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने कहा कि विगत 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री ने 5500 करोड़ की स्थायी परियोजनाओं का लोकार्पण किया। यह स्थायी विकास के कार्य हैं, जो प्रयागराज को नई पहचान देने वाले हैं। पांच कॉरीडोर, प्रयागराज

के छत्र कहे जाने वाले अक्षयवट का भव्य कॉरिडोर, भारद्वाज आश्रम कॉरीडोर, हनुमान मंदिर कॉरीडोर, प्रभु श्री राम और उनके सखा निषादराज की मिलन स्थली श्रृंगवेरपुर कॉरिडोर और सरस्वती कूप कॉरीडोर को प्रधानमंत्री जी ने लोकार्पित किया है। ब्रह्मा जी का यज्ञस्थल दशाश्वमेध घाट व मंदिर, नागवासुकि मंदिर या द्वादशमाधव के मंदिरों का जीर्णोद्धार, प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव को अविस्मरणीय बना देगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु वर्षों से पक्के घाट की प्रतीक्षा कर रहे थे, इस बार 12 किलोमीटर पक्के घाट बनाकर इस चिरप्रतीक्षित कार्य को पूरा कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज के अंदर 2019 के कुम्भ के दौरान भी इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य हुआ था। इस बार उससे भी दोगुना कार्य किया गया है। महाकुम्भ के बहाने प्रयागराज का कायाकल्प हो रहा है। उन्होंने मेला प्राधिकरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि कुम्भ का आयोजन मां गंगा और यमुना के तट पर ही संपन्न होता है और आयोजन के लिए हम लोगों के पास दिसंबर तक का समय होता है। अत्यधिक वर्षा के कारण हमें सिर्फ ढाई माह का समय मिला और उस दौरान तटों व नदी को व्यवस्थित करना, वहां कैंप लगाने, अस्थाई आश्रम स्थापित करके सुविधाएं प्रदान करना सुनिश्चित किया गया। इस मास्टर प्लान और लेआउट प्लान को जमीनी धरातल पर उतारने का कार्य इन ढाई महीने के अंदर मेला प्राधिकरण ने संपन्न कराया है।

सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि 2019 कुम्भ के पहले कुछ लोग भारत की आस्था, उसके सम्मान की कोई कीमत नहीं समझते थे। उन लोगों ने कुम्भ को गंदगी, अव्यवस्था और भगदड़ का पर्याय बनाया था। उनके लिए यह सबक होना चाहिए। कुम्भ इस बार आस्था और आधुनिकता के महासमागम के साथ दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन से जुड़ने जा रहा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आबादी इस महाआयोजन की साक्षी बनेगी। 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु यहां आएंगे। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में 2019 का कुम्भ स्वच्छता का प्रतिमान बना था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा, आज त्रिवेणी संगम को भी शुद्ध जल उपलब्ध हो रहा था। 2025 में और बेहतर व्यवस्था देखने को मिल रही है। 2019 में यहां पर कुल 1.15 हजार टॉयलेट बन पाए थे, इस बार ये 1.5 लाख से अधिक बन चुके हैं। ऐसे ही सेक्टर की संख्या बढ़ाई गई। प्रयास किया गया है कि संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो। इसके लिए 550 शटल बसें और इलेक्ट्रिक बसें भी उपलब्ध कराई गई हैं। कुम्भ स्वच्छ और सुरक्षित भी रहे इसकी भी पुख्ता व्यवस्था की गई है। 56 थाने बनाए गए हैं। एक एक गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। एंटी ड्रोन सिस्टम यहां स्थापित हो चुका है। पर्याप्त मात्रा में सीसीटीवी कैमरों का कवरेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में 13 अखाड़े स्थापित हो चुके हैं। दंडीबाड़ा, खाकचौक, आचार्यबाड़ा ये सभी व्यवस्थित रूप से यहां संचालित हो रहे हैं। प्रयागवाल भी अपनी व्यवसव्था को आगे बढ़ा रहा है। इस दौरान 25 से 30 लाख कल्पवासी भी अगले एक महीने तक प्रयागराज में रहेंगे। वे भी यहां एक-दो दिन में पर्याप्त मात्रा में प्रवेश कर जाएंगे। सीएम ने कहा कि इस बार 6 प्रमुख स्नान में तीन परंपरागत रूप से शाही स्नान थे जिन्हें पूज्य संतों ने अमृत स्नान के रूप में मान्यता दी है। मौनी अमावस्या के दिन हमारा अनुमान है कि 8 से 10 करोड़ श्रद्धालु प्रयागराज आएंगे। बसंत पंचमी में भी हमारा अनुमान है कि 5-6 करोड़ श्रद्धालु स्नान करने आएंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर भी भारी मात्रा में श्रद्धालु आने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 3 हजार से अधिक स्पेशल ट्रेनें दी हैं। यहां पर पहले से एयर कनेक्टिविटी के लिए 14 नई फ्लाइट्स जोड़ी गई हैं। 8 हजार से अधिक परिवहन की बसें श्रद्धालुओं को लाने के लिए लगाई गई हैं। 9 रेलवे स्टेशन हैं, जहां श्रद्धालुओं के लिए वेटिंग स्टेशन बनाए गए हैं जिसमें एक लाख लोगों के रुकने की व्यवस्था रहेगी। मोबाइल टिकट भी हर स्टेशन पर उपलब्ध होंगे। डिजिटल डिस्प्ले के माध्यम से सभी परिवहन स्थलों पर गाड़ियों के आने जाने की सूचना मिलेगी।

इस अवसर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना एवं जनसम्पर्क संजय प्रसाद व अन्य प्रमुख अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्रीस में मिला एचएमपीवी का संक्रमण

एथेंस। ग्रीस में एक व्यक्ति में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण की पुष्टि हुई है। मरीज को निमोनिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित था और उसे थेसालोनिकी में गहन देखभाल में रखा गया है। स्वास्थ्य कर्मचारियों को कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करने और सख्त स्वच्छता उपायों को अपनाने की सलाह दी है। इस संबंध में एथेंस के नेशनल एंड कपोडिस्ट्रियन विश्वविद्यालय के महामारी विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर गिकिकास मैगियोर्किनिस ने जनता को आश्वस्त किया कि इस वायरस को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह वायरस पहले से ही मौजूद है और खतरनाक नहीं है। यह वायरस पहले से ही 2001 से मौजूद है और अब तक इसके कारण किसी गंभीर प्रभाव की सूचना नहीं है। इंडोनेशिया के स्वास्थ्य मंत्री बुदी गुनादी सादिकिन ने भी मंगलवार को इस वायरस की पुष्टि की थी और बताया कि इससे संक्रमित कई बच्चे सामने आए हैं, लेकिन यह बीमारी खतरनाक नहीं है।

लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग अब शहर के रिहायशी इलाकों तक पहुंच गई है। इसे राज्य के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी आपदा बताया जा रहा है। वहीं अधिकारियों ने बताया कि इस भीषण आग में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तूफानी हवा के झोंकों ने आग को और भड़का दिया है।

प्रीतीश नंदी का निधन, शोक में डूबी फिल्मी दुनियां

मुंबई। फिल्म निमार्ता, चित्रकार और पत्रकार प्रीतीश नंदी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया, जिससे फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। प्रीतीश नंदी के निधन पर करीना कपूर खान, अनिल कपूर, अनुपम खेर और अन्य फिल्मी सितारों ने सोशल मीडिया पर शोक जताया है। अभिनेता अनिल कपूर ने इस खबर को झटका बताते हुए नंदी के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने पोसट में लिखा- प्रीतीश नंदी निडर और एक साहसी इंसान थे। वह हमेशा ईमानदारी के साथ खड़े रहते थे और हमेशा दूसरों की मदद करते थे। मुझे आज भी वह वीकली कवर शूट याद है, जब उन्होंने मेरी असहजता को समझते हुए उसे तुरंत रद्द कर दिया था।

एचएमपीवी महज सर्दियों में होने वाला सामान्य संक्रमण : डब्ल्यूएचओ

एजेंसी

जिनेवा। सर्दियों के दौरान सांसो से जुड़े संक्रमण में बढ़ोतरी और ह्यूमन मेटाप्नूमोवायरस (एचएमपीवी) को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अधिकारी मार्गरेट हैरिस ने इसको लेकर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सर्दियों और वसंत ऋतु के दौरान श्वसन संक्रमणों का बढ़ना सामान्य है और इससे घबराने की जरूरत नहीं है। बता दें कि बीते दिनों एचएमपीवी ने भारत में भी दस्तक दे दी है। देश में एचएमपीवी के 5 नए मामले सामने आए थे। इनमें से 2 मामले कर्नाटक में, 2 तमिलनाडु में और 1

गुजरात में मिले थे। हालांकि केंद्र सरकार ने आश्वस्त किया था कि इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। मार्गरेट हैरिस ने यह भी कहा कि चीन में श्वसन संक्रमण के जो मामले सामने आ रहे हैं, वे सामान्य स्तर पर हैं और सर्दियों के मौसम में इस तरह के मामले अक्सर आते रहते हैं। उन्होंने बताया कि चीन में अस्पतालों का उपयोग दर पिछले साल की तुलना में इस समय कम है और किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति घोषित नहीं की गई है। हैरिस ने यह स्पष्ट किया कि ह्यूमन मेटाप्नूमोवायरस कोई नया वायरस नहीं है। इसे पहली बार 2001 में पहचाना गया था और यह लंबे समय से मानव आबादी में मौजूद है। यह वायरस सर्दियों और वसंत के मौसम में सक्रिय होता है और इसके लक्षण सामान्य सर्दी जैसे होते हैं। उन्होंने बताया कि चीन के रोग नियंत्रण केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मौसमी इन्फ्लुएंजा वायरस सबसे ज्यादा मामलों में सामने आ रहा है। दिसंबर के अंत में इन्फ्लुएंजा के लिए टेस्ट पॉजिटिविटी रेट 30प्रतिशत से अधिक थी, जो आउटपेशेंट और आपातकालीन विभागों में फ्लू जैसे लक्षणों के साथ प्रस्तुत होने वाले मरीजों के लिए सामान्य है। हैरिस ने संक्रमण से बचाव के लिए सरल उपाय अपनाने की सलाह दी है। ये वही उपाय हैं, जो कोविड-19 के दौरान सुझाए गए थे। उन्होंने कहा, सर्दियों के दौरान बीमार होने से बचने के लिए सबसे अच्छा तरीका है, संक्रमण से बचाव के उपायों को अपनाना।

70 से अधिक रेलवे स्टेशनों का किया जा रहा विकास : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने कहा कि विशाखापत्तनम के नए शहर में साउथ कोस्ट रेलवे जोन के मुख्यालय की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के लिए इस विकास के महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे एक अलग रेलवे जोन की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साउथ कोस्ट रेलवे जोन मुख्यालय की स्थापना से क्षेत्र में कृषि और व्यापार गतिविधियों का विस्तार होगा और पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने हजारों करोड़ रुपये की कनेक्टिविटी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का भी उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश 100% रेलवे विद्युतीकरण वाले राज्यों में से एक है और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 70 से अधिक रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आंध्र प्रदेश के लोगों की यात्रा को आसान बनाने के लिए सात वंदे भारत ट्रेनें और अमृत भारत ट्रेन चलाई जा रही हैं।

सऊदी अरब में भारी बारिश, तूफान का अलर्ट

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब में भारी बारिश, तेज हवाओं और ओलों के साथ देश के कई हिस्सों में आंधी-तूफान का कहर जारी है। नेशनल सेंटर फॉर मेट्रोलॉजी (एनसीएम) ने राजधानी रियाद, मक्का, असीर, और बहा समेत कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश, ओले और धूल भरी आंधी के साथ दृश्यता कम होने की चेतावनी भी जारी की है।

सऊदी के मौसम विभाग के मुताबिक मक्का, मदीना और जेद्दा में भारी बारिश से निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। रियाद में मौसम की पहली बारिश दर्ज की गई, जिससे

जनजीवन प्रभावित हुआ। लोगों को जलभराव वाले इलाकों और घाटियों से दूर रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने अनुमान है कि देश के उत्तरी हिस्सों में तापमान में गिरावट आएगी। वहीं, रियाद, कासिम, पूर्वी क्षेत्र और जजान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। लाल सागर के ऊपर हवाओं की गति 20-50 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान है, जिससे समुद्र में लहरों की ऊंचाई डेढ़ से दो मीटर ऊपर तक पहुंच सकती है। सोशल मीडिया पर मक्का, मदीना और जेद्दा के वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें सड़कों पर पानी भरा हुआ और डूबी हुई कारें दिखाई दे रही हैं। सिविल डिफेंस ने नागरिकों को घर के अंदर रहने और सुरक्षा निदेशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है।

सऊदी अरब के मौसम में पिछले कुछ सालों में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। जहां रेतीले इलाकों में हरी घास उगने के मामले सामने आए हैं, वहीं अब भारी बारिश और बाढ़ की घटनाएं सामने आ रही हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में मौसम असामान्य हो गया है। खराब मौसम से बढ़ते खतरे के बीच, सऊदी प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए जनता को सुरक्षित रहने के निर्देश दिए हैं।

ओम बिरला ने की ऋषि सुनक से मुलाकात

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इन दिनों ब्रिटेन के दौरे पर हैं। ओम बिरला ने ब्रिटेन के पूर्व पीएम ऋषि सुनक से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बिरला ने अपनी मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने ब्रिटेन और भारत के ऐतिहासिक संबंधों, संसदीय लोकतंत्र के साझा मूल्यों, और कई समकालीन मुद्दों पर भी चर्चा की। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सोशल मीडिया, फर्जी खबरों के प्रभाव और इन चुनौतियों से निपटने के लिए उपयुक्त कानूनों की जरुरत पर भी विचार किया। ओम बिरला ने ऋषि सुनक को पीएम मोदी की कई प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी।

होमगार्ड जवान ने की पत्नी बेटी और भतीजी की हत्या

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक होमगार्ड जवान ने जालाहल्ली क्रॉस पर अपनी पत्नी, बेटी और भतीजी की बेरहमी से हत्या कर दी। सूचना मिलने पर गश्ती टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और तीनों को मृत पाया, जिनके शरीर पर धारदार हथियार से चोट के निशान थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेंगलुरु पूर्व के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया गश्ती टीम को सूचना मिली थी कि जालाहल्ली क्रॉस पर तीन शव पड़े हैं उसके तुरंत टीम घटनास्थल पर पहुंची और तीनों के शव बरामद किए। वहीं होमगार्ड जवान गंगाराजू को मौके से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि हत्या करने के बाद आरोपी गंगाराजू ने हथियार लेकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि हत्याओं के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल सका है और आगे की पूछताछ के बाद इसका पता लगाया जाएगा। जहां आरोपी गंगाराजू का परिवार पिछले पांच सालों से किरायेदार से रह रहा था वहां के मकान मालिक ने बताया कि इससे पहले उनके बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि मकान मालिक को संदेह है कि घटना के समय गंगाराजू नशे में होगा। होमगार्ड गंगाराजू ने पत्नी भाग्या (36), बेटी नव्या (19) और भतीजी हेमावती (23) की हत्या कर दी।

दिल्ली चुनाव में भाजपा और आप के बीच पोस्टर वॉर तेज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच पोस्टर वॉर तेज हो गया है। पिछले 9 दिनों में दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप के पोस्टर और एडिटेड वीडियो शेयर किए हैं। भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़ी चार पोस्टर साझा किए, जिसमें एक में उन्हें गोविंदा की फिल्म राजा बाबू के रूप में दिखाया गया, वहीं दूसरे पोस्टर में केजरीवाल के साथ एक टॉयलेट शीट की फोटो लगाकर टॉयलेट चोर का आरोप लगाया। इसके अलावा भाजपा ने केजरीवाल को दुलकर सलमान की फिल्म लकी भास्कर के पोस्टर के रूप में भी पेश किया। भाजपा के इन पोस्टरों के जवाब में आप ने भी 8 पोस्टर और एडिटेड वीडियो शेयर किए। दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रही हैं, जो सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है। आप ने पहले ही अपनी पूरी सूची उम्मीदवारों की घोषित कर दी है, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव मैदान में है। इस बीच, कांग्रेस ने भी अपनी तीन लिस्ट में 48 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा को कालकाजी सीट से प्रत्याशी बनाया है, जबकि भाजपा ने अपनी पहली लिस्ट में 29 उम्मीदवारों का ऐलान किया है, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश वर्मा को नई दिल्ली से उम्मीदवार बनाया गया है।

सड़क हादसे में दो की मौत

मुंबई। सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर के प्री-रिलीज इवेंट से लौट रहे दो फैंस की सडक हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, काकिंडा के गाइगोलुपाडु के रहने वाले अरवा मणिकांता (23) और थोका चरण (22) इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में, एक तेज रफ्तार वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दोनों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत पेड्डापुरम के अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, उनकी चोटें इतनी गंभीर थीं कि डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से राम चरण के फैंस और उनके परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई।

रूस ने यूक्रेन पर दागी मिसाइलें, 13 की मौत

एजेंसी

मॉस्को। रूस ने दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर पर मिसाइलें दागीं जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई जबकि 30 अन्य घायल हो गए। रूस के अधिकारियों ने इस हमले में एक बड़े ड्रोन हमले की बात मानी है और कहा कि उन्होंने लड़ाई के लिए एक आपातकालीन कमांड सेंटर स्थापित किया है। वहीं यूक्रेन ने भी अपनी तरफ से लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोन का शस्त्रागार विकसित करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं ताकि वह रूस में पश्चिमी आपूर्ति वाली मिसाइलों से हमला कर सके। यूक्रेन ने ड्रोन और मिसाइलों को अपनी सेना के लिए बेहद महत्वपूर्ण बनाते हुए सीमाओं तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा

है। इससे पहले यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने बताया कि रूस के सारातोव क्षेत्र के एंगेल्स में एक भंडारण सुविधा पर ड्रोन हमला हुआ था। इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन ड्रोन के मलबे से एक औद्योगिक संयंत्र में आग लग गई। यह हमला हुआ और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसे नागरिक क्षेत्रों पर किए गए एक और क्रूर हवाई हमले के रूप में बताया। आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंची जेलेंस्की ने कहा कि इस हमले के दौरान कई लोग मलबे के नीचे दब गए थे और उन्हें बचाने के लिए आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंची। उन्होंने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक पोस्ट की जिसमें नागरिक मलबे से भरी सड़कों पर पड़े हुए दिखाई दे रहे थे। राष्ट्रपति ने इसे नागरिकों पर किए गए हवाई हमलों की क्रूरता का उदाहरण बताया। जापोरिज्जिया क्षेत्र के गवर्नर इवान फेडोरोव ने कहा कि हमले से कुछ मिनट पहले ही उन्होंने विनाशकारी ग्लाइड बम और मिसाइल हमलों की चेतावनी दी थी। दोपहर में रूसी सैनिकों ने जापोरिज्जिया में ग्लाइड बम गिराना शुरू कर दिया और इनमें से कम से कम दो बम शहर की आवासीय इमारतों पर गिरे। फेडोरोव ने घोषणा की कि गुरुवार को इस क्षेत्र में शोक का दिन होगा।

खास खबर

आकाश दीप एक माह तक खेल से बाहर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप सिंह चोटिल होने के कारण करीब एक महीने तक खेल से दूर रहेंगे। आकाशदीप को हाल के ऑस्ट्रेलिया दौरे में चोट लगी थी। आकाशदीप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में पीठ दर्द के कारण नहीं खेले थे। आकाशदीप तब तकरीबन एक महीने तक कोई मैच नहीं खेल पाएंगे। इस दौरान बेंगलुरू स्थित एनसीए (नेशनल क्रिकेट एके-डमी) में उनका इलाज ओर रिहैबिलिटेशान होगा। आकाश दीप को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो टेस्ट मैच में खेलने का अवसर मौका मिला था। इसमें वह पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। अब तक आकाश ने कुल 7 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्हें अब तक एकदिवसीय और टी20 खेलने का अवसर नहीं मिला है। उनके इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अवसर मिल सकता था पर चोटिल होने के कारण यें सभावना समाप्त हो गयी है।

कराटे चैंपियनशिप में बनर्जी ने जीता खिताब

रानीगंज। कौशल, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन का असाधारण प्रदर्शन करते हुए कोलकाता की 16 वर्षीय कराटेका ऋषिका बनर्जी ने राष्ट्रीय पूर्ण संपर्क कराटे चैम्पियनशिप 2025 जीत लिया है, इसी के साथ वह यह चैम्पियनशिप जीतने वाली सबसे कम उम्र की विजेता बन गई हैं। ओपन-वेट वयस्क वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, ऋषिका की जीत ने टूर्नामेंट की विरासत में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर चिह्नित किया। पश्चिम बंगाल के रानीगंज में आयोजित इस चैंपियनशिप में ऋषिका ने चार मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ कठिन मुकाबले खेले, जिनमें से प्रत्येक कई कठिन दौरों तक चला। चुनौतियों के बावजूद, ऋषिका ने शानदार तकनीक और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। अपनी जीत पर ऋषिका ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह जीत सिर्फ. मेरे लिए नहीं बल्कि हर उस युवा मार्शल आर्टिस्ट के लिए है जो बड़े सपने देखता है।

मिस्ट्री गर्ल के साथ नजर आये चहल

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की जिंदगी में आजकल सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पत्नी धनश्री वर्मा से उनके अलगाव की खबरें आ रही हैं। चहल और धनश्री ने साल 2020 में शादी की थी पर अब इन दोनो के संबंधों में दूरी आ गयी है। इसका संकेत इससे मिलता है कि दोनो ने ही सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। चहल ने अपनी पत्नी के साथ वाली तस्वीरें भी हटा दीं हैं। वहीं अब मुंबई के एक होटल के बाहर चहल एक मिस्ट्री गर्ल के साथ दिखे हैं जिससे भी अफवाएं बढ़ रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार चहल ने फोटोग्राफर्स को देखकर अपना चेहरा छुपाने का प्रयास कर रहे थे पर उनकी तस्वीर ऑनलाइन लीक हो गई। तस्वीर में चहल सफेद टी-शर्ट और बैगी जींस में थे, और उनका चेहरा ढका हुआ था। वहीं मिस्ट्री गर्ल स्वेटशर्ट और काली जींस में नजर आयी।

आकाशदीप एक महीने के लिए बाहर

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज और संभावित रूप से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में वापसी करने की उम्मीद है। नवंबर 2023 में विश्व कप फाइनल के बाद से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज ने हाल ही में सफेद गेंद क्रिकेट खेलना फिर से शुरू किया है और उनके भारतीय टीम के लिए उपलब्ध होने की संभावना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार, एनसीए की मेडिकल टीम शमी की बारीकी से निगरानी कर रही है, जिनकी दाहिनी एड़ी की सर्जरी हुई है। एड़ी ठीक हो गई है, लेकिन उनके घुटने में हल्की सूजन है, जिसके कारण उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद के चरणों के लिए विचार से बाहर कर दिया गया है। हाल ही में, शमी ने बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ खेलों में भाग लिया है और गुरुवार को बड़ौदा में हरियाणा के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में फिर से खेलने के लिए तैयार हैं।

जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

एजेंसी

राजकोट । स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय महिला किकेट टीम आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में जीत के इरादे से उतरेगी। हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज में जीत से टीम उत्साहित है और उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। मंधाना ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनो ही प्रारूपों में सबसे अधिक रन बनाए। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में भी बेहतर बल्लेबाजी करना रहेगा। इस सीरीज में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम देकर मंधाना को कप्तानी दी गयी है। हरमनप्रीत के अलावा तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को भी आराम दिया गया है। ऐसे में इस सीरीज में हरलीन देयोल, प्रतीका रावल को शामिल किया गया है। टीम में रन बनाने की

जिम्मेदारी मंधाना के अलावा जेमिमा रौड्रिग्स पर भी रहेगी। गेंदबाजी में रेणुका के नहीं होने से अब नई गेंदबाज टिटास साधू और साइमा ठाकोर को शामिल किया गया है। एकदिवसीय में तीन और टी20 में 13 विकेट ले चुकी साधू इस बार भी बेहतर करना चाहेंगी। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रफ्तार और स्विंग से प्रभावित किया है। वहीं साइमा ने अब तक आठ एकदिवसीय में सात विकेट लिए हैं। इसके अलावा आफ स्पिनर और उपकप्तान दीप्ति शर्मा की भूमिका भी अहम होगी जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 31 रन देकर छह विकेट लिये । उनका साथ देने के लिये प्रिया मिश्रा और तनुजा कंवर होंगी। ऑलराउंडर राघवी बिष्ट और सयाली सतघारे को भी टीम में शामिल किया गया है। वह इस अवसर का लाभ उठाना चाहेंगी। वहीं दूसरी ओर गैरी लुईस की कप्तानी वाली आयरलैंड भी अपनी ओर से पूरी तकता लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो आयरलैंड टीम ने अब तक 12 एकदिवसीय में एक भी बार भारत को नहीं हराया है। ऐसे में इस सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

दोनो टीमें

भारत : स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, उमा छेत्री, रिचा घोष, तेजल हसंबिस, राघवी बिष्ट, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधू, साइमा ठाकोर, सयाली सतघारे।

आयरलैंड : गैबी लुईस (कप्तान), एवा केनिंग, क्रिस्टिना रीली, अलाना डालजेल, लौरा डेलानी, जॉर्जिना डेंपसे, सारा फोर्ब्स, अलेर्ने केली, जोआना लोगरान, एमी मागिरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडेरगास्ट, उना रेमंड होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका दौरे के लिए की टीमघोषित, स्मिथ करेंगे कप्तानी

एजेंसी

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने श्रीलंका के खिलाफ इसी माह 29 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को दी गयी है क्योंकि टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस अभी निजी कारणों से टीम से बाहर हैं। इसके साथ ही वह उनके टखने में भी चोट है। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अंडर-19 क्रिकेट टीम के उपप्तान कूपर कोनोली को भी जगह मिली है। इसके अलावा युवा खिलाड़ी नाथन मैकस्वीनी की भी वापसी हुई है। मैकस्वीनी को भारत के खिलाफ सीरीज में विफल होने के कारण अंतिम टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। स्पिनर मैट कुहनेमैन और टॉड मर्फी को भी टीम में जगह मिली है। जोश हेजलवुड और मिशेल मार्श को फिट नहीं होने के कारण टीम में

जगह नहीं मिली है। , वहीं ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, स्पिनर एडम जाम्पा और पीटर हैंड्सकॉम्ब जैसे खिलाड़ियों को दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों के रूप में गया था पर टीम में शामिल नहीं किया गया है। चयनकताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि श्रीलंका में लाल गेंद से खेलने का अनुभव खिलाड़ियों के लिए काफी अच्छा रहेगा। बेली ने कहा, श्रीलंका दौरा चुनौतीपूर्ण रहेगा क्योंकि यहां खिलाड़ियों को अलग-अलग हालातों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही कहा कहा, हम उन टीम के सदस्यों के लिए भी उत्साहित हैं।

गुजरात, उत्तर प्रदेश की पुरुष टीमें शीर्ष दस में पहुंची

एजेंसी

भावनगर। गुजरात के भावनगर स्थित सिदसर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही 74वीं सीनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में गुजरात और उत्तर प्रदेश की पुरुष और पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र की महिला टीमें लेवल 2 से शीर्ष 10 में पहुंच गई हैं। यह चैंपियनशिप गुजरात बास्केटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से भारतीय बास्केटबॉल महासंघ के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। आज सुबह पुरुष वर्ग के क्वालीफाइंग दौर के मैचों में गुजरात ने असम को 78-41 से हराया। गुजरात के लिए सहज कुमार पटेल ने सरवाधिक 25 अंक अर्जित

सीनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप

किये, सहज के अलावा नमन ने 17 और कृष्णा ने 15 अंक अर्जित किये, जबकि असम के लिए जय प्रकाश ने 23 और अमित ने 16 अंक बनाए। वहीं, उत्तर प्रदेश ने ओडिशा को 84-59 से हराया। उत्तर प्रदेश के लिए रियांशु ने 19, हर्ष डागर ने 14 और सत्यजीत ने 12 अंक हासिल किये, जबकि ओडिशा के लिए अमित और शाहिद ने 19-19 अंक बनाए। महिला वर्ग में महाराष्ट्र ने तेलंगाना को 64-49 से हराया। महाराष्ट्र के लिए शिरीन लिमाए (16) और अंकिता (14) शीर्ष स्कोरर रहीं। वहीं, तेलंगाना के लिए सुदर्शिनी ने 16 और दुर्गा ने 15 अंक हासिल किये। पश्चिम बंगाल ने पुडुचेरी को 62-49 से हराकर प्रो क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पश्चिम बंगाल के लिए नीमा दोमा (18) और अवनि वर्धन (17) शीर्ष स्कोरर रहीं। वहीं, पांडुचेरी के लिए हारिनी बी ने 19 और वर्षिनी ने 10 अंक हासिल किये। बुधवार को पुरुष वर्ग में अंतिम सीटी बजने से तीन सेकंड पहले सहज प्रताप सिंह सेखों के तीन-पॉइंटर की मदद से भारतीय रेलवे ने ग्रुप ए के मैच में पंजाब को (73-72) हराया, जबकि ग्रुप बी के एक अन्य मैच में केरल ने सर्विसेज को (63-52) हराकर चौंका दिया।

मैंने वेवजह बुमराह को उकसा दिया : कोंस्टास

एजेंसी

सिडनी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने डेब्यू मैच में शानदार प्रदर्शन कर सभी की नजरों में आये ऑस्ट्रेलिया के युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास इस मैच में विवादों में भी रहे। उनकी विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह से झड़प तक हुई थी जिसके बाद अंपायर तक को हस्तक्षेप करना पड़ा था। डेब्यू मैच ही कोंस्टास की विराट के साथ भिड़ंत हो गई थी। इसके बाद सीरीज के अंतिम मुकाबले में कोंस्टास बुमराह से भिड़ गये। उसी को लेकर अब कोंस्टास का कहना है कि उससे गलती हुई। उन्होंने

बेवजह ही बुमराह को उकसा दिया था। बुमराह के साथ हुई झड़प को लेकर कोंस्टास ने कहा, मैं ज्यादा परेशान नहीं हुआ। दुर्भाग्य से, उस्मान ख्वाजा आउट हो गए। वह थोड़ा समय निकालने की कोशिश कर रहे थे। शायद यह मेरी गलती थी कि मैंने बुमराह को उकसा दिया था, लेकिन ऐसा होता है। यह क्रिकेट है। इसका श्रेय बुमराह को जाता है। उन्होंने विकेट हासिल किया। कोंस्टास को ऑस्ट्रेलिया के लिए बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में डेब्यू का मौका मिला था। कोंस्टास ने बुमराह के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। जिससे वह अतिउत्साहित थे। इसी दौरान उनको विराट कोहली का कंधा लग गया। जिससे दोनो के बीच विवाद हो गया।

विराट अभी रिटायर होते हैं तो भारतीय टीम का होगा नुकसान : क्लार्क

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि अगर अभी विराट कोहली संन्यास लेते हैं तो भारतीय क्रिकेट टीम को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। क्लार्क के अनुसार हाल के खराब प्रदर्शन के बाद विराट को टीम में रखे जाने पर सवाल उठा रहें। विराट न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में रन नहीं बना पाये। क्लार्क ने कहा कि अगर वे यदि वे कप्तान होते तो कोहली को टीम में बनाये रखने टीम प्रबंधन से भी टकरा जाते। क्लार्क ने कहा, ह्यवह सही है कि विराट पिछले मैचों में उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना सके हैं पर उनमें काफी प्रतिभा है। वह कब दोहरा शतक लगा दे कहा नहीं जा सकता। क्लार्क ने साथ ही कहा, ह्यवे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे आगे खेल

सकते हैं। उन्हें तब तक खेलना चाहिए जब तक कि उनका बेहतरीन खेल बाकी है। यदि वे अभी टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो जाते हैं तो केवल भारतीय टीम को ही नुकसान होगा।ह्ल विराट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 मैच में केवल 190 रन ही बना पाए थे। उन्होंने सीरीज के पहले मैच में शतक बनाया पर उसके बाद वह बाकि मैचों में विफल रहे। , कोहली के इस प्रदर्शन के बाद भी क्लार्क का मानना है कि भारतीय टीम में अभी उन्हें बनाये रखा जाना चाहिये।

इंग्लैंड की अंडर-19 टीम के कप्तान बने आर्ची

लंदन । इंग्लैंड ने ऑलराउंडर आर्ची वॉन को दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए पुरुष अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया है। आर्ची इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के बेटे हैं। इंग्लैंड दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 जनवरी से 6 फरवरी तक तीन 50 ओवर और दो लाल गेंद के मुकाबले होंगे। इसमें आर्ची 18 सदस्यीय अपनी टीम की कप्तानी करेंगे। आर्ची ने पिछले सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था। उन्होंने समरसेट की ओर से केवल चार काउंटी चैंपियनशिप मैचों में 15 विकेट लेने 236 रन भी बनाये हैं। आर्ची ने कहा कि वह टीम की कप्तानी को लेकर उत्साहित हैं। साथ ही कहा कि कप्तान बनने की जानकारी जब मिली तो वह मेरे लिए एक बहुत ही विशेष क्षण था।

जडेजा का अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त होने की ओर : रिपोर्ट

- चैंपियंस ट्रॉफी में भी जगह मिलने की संभावना नहीं

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का क्रिकेट करियर समाप्त होने की ओर है। एक समय जहां जडेजा आपनी अक्रामक बल्लेबाजी, कसी हुई फिल्डिंग और बेहतरीन गेंदबाजी के कारण टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते थे। वहीं अब ये बात नहीं रही और उनका प्रदर्शन भी नीचे आने लगा है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से प्रभावित नहीं कर पाये। ऐसे में जडेजा को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह शायद ही मिले। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन अब

एकदिवसीय विश्व कप 2027 की तैयारियों में लगे हैं। ऐसे में उसी अनुसार टीम भी बनाएंगे। इसकी शुरूआत चैंपियंस ट्रॉफी से ही होने की संभावना है। सफेद और लाल गेंद दोनो ही प्रारूपों में ही जडेजा का प्रदर्शन जिस प्रकार नीचे जा रहा है उससे भी टीम प्रबंधन उनके विकल्प देखना चाहेगा। इसके अलावा उनकी उम्र भी 35 तक पहुंच गयी है। वहीं गंभीर हर प्रारुप में कोर टीम बनाना चाहते हैं जो लंबे समय तक खेल सके। अभी तक उन्होंने लंबे प्रारूपों के साथ बहुत अधिक बदलाव नहीं किया है पर एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक मजबूत टीम बनाने में वह लगे हैं। ऐसे में वह उनकी जगह किसी नये खिलाड़ी को अवसर देना चाहेंगे। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर नितीश कुमार रेड्डी , वाशिंगटन सुंदर जैसे नाम है। पिछले साल जुलाई में टी20 विश्व कप जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा करने के बाद जडेजा को श्रीलंका में एकदिवसीचय सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। ऐसे में अब टेस्ट क्रिकेट में भी टीम प्रबंधन उनसे आगे बढ़ कसता है।

दूसरी ओर अक्षर पटेल भी जडेजा के लिए एक बड़ी चुनौती है। उन्हें जडेजा के विकल्प के रूप में तैयार किया गया है। वाशिंगटन सुंदर का स्पिनर ऑलराउंडर के रूप में उभरना भी एक बड़ी सकारात्मक बात है। इसके कुलदीप यादव की फिटनेस पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम को उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

अश्विन टीम में जगह नहीं मिलने से निराश थे : हैडिन

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर ब्रैड हैडिन ने कहा है भारतीय टीम के दिगगज स्पिनर आर अश्विन ने जिस प्रकार से सीरीज के बीच में संन्यास लिया वह उन्हें बेहद अटपटा लगा। हैडिन के अनुसार भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए पूरी तैयारी के साथ नहीं आई थी, जिसकी वजह से अश्विन निराश हुए होंगे। पहले तीन टेस्ट मैचों में से दो में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। ऐसे में ब्रिस्बेन टेस्ट के बाद अश्विन ने अचानक ही खेल को अलविदा कहने की घोषणा कर दी। हैडिन ने कहा कि अश्विन बेंच पर बैठने से खुश

नहीं थे और इसी वजह से उन्होंने यह बड़ा फैसला लिया होगा। हैडिन ने कहा, पहले तीन टेस्ट मैचों में भारतीय टीम ने तीन अलग-अलग स्पिनरों को खिलाया, जिससे साफ पता चलता है कि उन्हें अपनी रणनीति ही नहीं पता थी। ऑस्ट्रेलिया में खेलने का उन्हें अच्छा अनुभव है और उन्हें यहां सफलता भी मिली है, इसलिए अश्विन का सीरीज के बीच में संन्यास लेना अटपटा लगा। मुझे नहीं लगता कि यह मामला यहीं खत्म हो गया है। मुझे लगता है कि वह टीम में जगह न मिलने से निराश थे। अश्विन 106 टेस्ट मैचों में 537 विकेट लेकर भारत के दूसरे सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले (619 विकेट) हैं। हैडिन ने कहा कि अश्विन पहली पसंद के स्पिनर के रूप में नहीं चुने जाने के लिए तैयार नहीं थे, यही कारण हो सकता है कि उन्होंने अचानक संन्यास ले लिया। वह अपने को नंबर एक स्पिनर मानने थे और इसमें कोई गलती भी नहीं थी।

शुभमन की जगह यशस्वी को मिल सकता है अवसर

एजेंसी

नई दिल्ली । आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चयनकताओं बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शामिल कर सकते हैं। यशस्वी को इस टूनार्मेंट में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरूआत करने का अवसर मिल सकता है। यशस्वी इसलिए भी चयन समिति की पहली पसंद है क्योंकि शुभमन गिल का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की हार को भुलाकर आगे बढ़ना चाहेंगे और इसके लिए उन्हें एक अच्छे

जोड़ीदारी की जरुरत होगी। टेस्ट में भले ही रोहित पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर एक एकदिवसीय में जमकर रन बना सकते हैं। वहीं यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान पारी की शुरूआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं एकदिवसीय विश्वकप में रोहित के जोड़ीदारर रहे शुभमन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। वह इस दौरान एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। दूसरी ओर यशस्वी ने उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाए थे। यशस्वी ने 5 मैच की 10 पारियों में 1 शतक और 2 अर्धशतक की सहायता से 391 रन बनाये थे। यशस्वी ने अब तक कोई एकदिवसीय नहीं खेला है, ऐसे में वह इस टूनार्मेंट से 50 ओवरों के प्रारुप में डेब्यू कर सकते हैं।

ओडिशा वॉरियर्स ने असोटेक हिल्स, रांची का दौरा कर समुदाय को किया प्रेरित

रांची। झारखंड- खेल भावना और समुदाय की भागीदारी का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, ओडिशा वॉरियर्स महिला हॉकी टीम ने असोटेक हिल्स रांची प्रोजेक्ट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने निवासियों को आनंदित किया और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया। रांची में अभ्यास और उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग टूर्नामेंट में भाग लेने आई इस टीम ने युवा निवासियों से बातचीत की और उन्हें खेल को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। खिलाड़ियों ने ऑटोग्राफ दिए, सेल्फियां लीं और प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं, जिससे असोटेक हिल्स में एक जीवंत और यादगार माहौल बन गया। दौरे के दौरान टीम ने प्रोजेक्ट का भ्रमण किया और इसके विश्व स्तरीय सुविधाओं और जीवनशैली की खूब तारीफ की। उनकी सराहना ने निवासियों को गर्व से भर दिया, जो इस बात को और पुख्ता करती है कि असोटेक हिल्स एक बेहतर जीवन शैली के लिए प्रतिबद्ध समुदाय है। यह हम सबके लिए एक यादगार दिन था, एक निवासी ने साझा किया। विश्व स्तर के हॉकी सितारों और ओलंपिक हीरोज से मिलना, खासकर युवाओं के लिए, एक अविस्मरणीय अनुभव था।

ओडिशा वॉरियर्स उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग में अग्रणी हैं, जो देश में इस पैमाने का पहला अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी टूर्नामेंट है।

टीम में शामिल

यिब्बी जेन्सन-एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर 2024, क्लेयर कॉलविल -एफआईएच राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर 2024 नॉमिनी, जैनेक स्कोपमैन-एफआईएच कोच ऑफ द ईयर 2024, दीप ग्रेस एक्का -अर्जुन अवार्डी 2022, नेहा - टीम कप्तान और कुशल मिडफील्डर , ईशिका चौधरी-उप-कप्तान और मजबूत डिफेंडर और टीम के कई अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ी।

ग्रुप के प्रतिनिधि ने कहा

हमारा उद्देश्य केवल टीम का स्वामित्व लेना नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच बनाना है जहां महिला हॉकी खिलाड़ी चमक सकें। इन खिलाड़ियों में कौशल, सहनशक्ति और वह जज्बा है जो लाखों लोगों को प्रेरित करता है। वे खेल में किसी से कम नहीं हैं। असोटेक हिल्स रांची में यह दिन खेल और समुदाय के बंधन का जीवंत उत्सव था, जहां निवासियों ने ओडिशा वॉरियर्स से मिलकर और उन्हें समर्थन देकर गर्व महसूस किया। टूर्नामेंट की तैयारी में जुटी टीम ने एक ऐसा प्रभाव छोड़ा, जो सभी के लिए खेल भावना और आत्म-विश्वास का प्रतीक बनेगा।

जगन्नाथ मंदिर के 10 चमत्कार

।। नमोः नारायणाय। नमोः भगवते वासुदेवाय ।।

माना जाता है कि भगवान विष्णु जब चारों धामों पर बसे अपने धामों की यात्रा पर जाते हैं तो हिमालय की ऊंची चोटियों पर बने अपने धाम बद्रीनाथ में स्नान करते हैं। पश्चिम में गुजरात के द्वारिका में वस्त्र पहनते हैं। पुरी में भोजन करते हैं और दक्षिण में रामेश्वरम में विश्राम करते हैं। द्वापर के बाद भगवान कृष्ण पुरी में निवास करने लगे और बन गए जग के नाथ अर्थात जगन्नाथ। पुरी का जगन्नाथ धाम चार धामों में से एक है। यहां भगवान जगन्नाथ बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजते हैं।

मंदिर का इतिहास

इस मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्ववसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है।

हिन्दुओं की प्राचीन और पवित्र 7 नगरियों में पुरी उड़ीसा राज्य के समुद्री तट पर बसा है। जगन्नाथ मंदिर विष्णु के 8वें अवतार श्रीकृष्ण को समर्पित है। भारत के पूर्व में बंगाल की खाड़ी के पूर्वी छोर पर बसी पवित्र नगरी पुरी उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर से थोड़ी दूरी पर है। आज का उड़ीसा प्राचीनकाल में उत्कल प्रदेश के नाम से जाना जाता था। यहां देश की समृद्ध बंदरगाहें थीं, जहां जावा, सुमात्रा, इंडोनेशिया, थाईलैंड और अन्य कई देशों का इन्हीं बंदरगाह के रास्ते व्यापार होता था।

पुराणों में इसे धरती का वैकुंठ कहा गया है। यह भगवान विष्णु के चार धामों में से एक है। इसे श्रीक्षेत्र, श्रीपुरुषोत्तम क्षेत्र, शाक क्षेत्र, नीलांचल, नीलगिरि और श्री जगन्नाथ पुरी भी कहते हैं। यहां लक्ष्मीपति विष्णु ने तरह-तरह की लीलाएं की थीं। ब्रह्म और स्कंद पुराण के अनुसार यहां भगवान विष्णु पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतरित हुए और सबर जनजाति के परम पूज्य देवता बन गए। सबर जनजाति के देवता होने के कारण यहां भगवान जगन्नाथ का रूप कबीलाई देवताओं की तरह है। पहले कबीले के लोग अपने देवताओं की मूर्तियों को काष्ठ से बनाते थे। जगन्नाथ मंदिर में सबर जनजाति के पुजारियों के अलावा ब्राह्मण पुजारी भी हैं। ज्येष्ठ पूर्णिमा से आषाढ़ पूर्णिमा तक सबर जाति के दैतापति जगन्नाथजी की सारी रीतियां करते हैं।

पुराण के अनुसार नीलगिरि में पुरुषोत्तम हरि की पूजा की जाती है। पुरुषोत्तम हरि को यहां भगवान राम का रूप माना गया है। सबसे प्राचीन मत्स्य पुराण में लिखा है कि पुरुषोत्तम क्षेत्र की देवी विमला है और यहां उनकी पूजा होती है। रामायण के उत्तराखंड के अनुसार भगवान राम ने रावण के भाई विभीषण को अपने इक्ष्वाकु वंश के कुल देवता भगवान जगन्नाथ की आराधना करने को कहा। आज भी पुरी के श्री मंदिर में विभीषण वंदापना की परंपरा कायम है।

स्कंद पुराण में पुरी धाम का भौगोलिक वर्णन मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार पुरी एक दक्षिणवर्ती शंख की तरह है और यह 5 कोस यानी 16 किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। माना जाता है कि इसका लगभग 2 कोस क्षेत्र बंगाल की खाड़ी में डूब चुका है। इसका उदर है समुद्र की सुनहरी रेत जिसे महोदधी का पवित्र जल धोता रहता है। सिर वाला क्षेत्र पश्चिम दिशा में है जिसकी रक्षा महादेव करते हैं। शंख के दूसरे घेरे में शिव का दूसरा रूप ब्रह्म कपाल मोचन विराजमान है। माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा का एक सिर महादेव की हथेली से चिपक गया था और वह यहीं आकर गिरा था, तभी से यहां पर महादेव की ब्रह्म रूप में पूजा करते हैं। शंख के तीसरे वृत्त में मां विमला और नाभि स्थल में भगवान जगन्नाथ रथ सिंहासन पर विराजमान है।

राजा इंद्रदयुम्न ने बनवाया था यहां मंदिर

राजा इंद्रदयुम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रदयुम्न को सपने में हुए थे जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रदयुम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति। विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्ववसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा तक पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी। विश्ववसु अपने आराध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान भी दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रदयुम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दे। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्ववसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए।

अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्वकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएंगे और अकेले में बनाएंगे। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रदयुम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाई। वह दरवाजे के पास गई तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गई। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया।

जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अधूरी मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि सुभद्रा के हाथ-पांव बनाए ही नहीं गए थे। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अधूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं।

वर्तमान में जो मंदिर है वह 7वीं सदी में बनवाया था। हालांकि इस मंदिर का निर्माण ईसा पूर्व 2 में भी हुआ था। यहां स्थित मंदिर 3 बार टूट चुका है। 1174 ईस्वी में ओडिसा शासक अनंग भीमदेव ने इसका जीर्णोद्धार करवाया था। मुख्य मंदिर के आसपास लगभग 30 छोटे-बड़े मंदिर स्थापित हैं।

हवा के विपरीत लहराता ध्वज

श्री जगन्नाथ मंदिर के ऊपर स्थापित लाल ध्वज सदैव हवा के विपरीत दिशा में लहराता है। ऐसा किस कारण होता है यह तो वैज्ञानिक ही बता सकते हैं लेकिन यह निशचित ही आश्चर्यजनक बात है।

यह भी आश्चर्य है कि प्रतिदिन सायंकाल मंदिर के ऊपर स्थापित ध्वज को मानव द्वारा उल्टा चढ़कर बदला जाता है। ध्वज भी इतना भव्य है कि जब यह लहराता है तो इसे सब देखते ही रह जाते हैं। ध्वज पर शिव का चंद्र बना हुआ है।

गुंबद की छाया नहीं बनती

यह दुनिया का सबसे भव्य और ऊंचा मंदिर है। यह मंदिर 4 लाख वर्गफुट में क्षेत्र में फैला है और इसकी ऊंचाई लगभग 214 फुट है। मंदिर के पास खड़े रहकर इसका गुंबद देख पाना असंभव है। मुख्य गुंबद की छाया दिन के किसी भी समय अदृश्य ही रहती है। हमारे पूर्वज कितने बड़े इंजीनियर रहे होंगे यह इस एक मंदिर के उदाहरण से समझा जा सकता है। पुरी के मंदिर का यह भव्य रूप 7वीं सदी में निर्मित किया गया।

चमत्कारिक सुदर्शन चक्र - पुरी में किसी भी स्थान से आप मंदिर के शीर्ष पर लगे सुदर्शन चक्र को देखेंगे तो वह आपको सदैव अपने सामने ही लगा दिखेगा। इसे नीलचक्र भी कहते हैं। यह अष्टधातु से निर्मित है और अति पावन और पवित्र माना जाता है।

हवा की दिशा

सामान्य दिनों के समय हवा समुद्र से जमीन की तरफ आती है और शाम के दौरान इसके विपरीत, लेकिन पुरी में इसका उल्टा होता है। अधिकतर समुद्री तटों पर आमतौर पर हवा समुद्र से जमीन की ओर आती है, लेकिन यहां हवा जमीन से समुद्र की ओर जाती है।

गुंबद के ऊपर नहीं उड़ते पक्षी

मंदिर के ऊपर गुंबद के आसपास अब तक कोई पक्षी उड़ता हुआ नहीं देखा गया। इसके ऊपर से विमान नहीं उड़ाया जा सकता। मंदिर के शिखर के पास पक्षी उड़ते नजर नहीं आते, जबकि देखा गया है कि भारत के अधिकतर मंदिरों के गुंबदों पर पक्षी बैठ जाते हैं या आसपास उड़ते हुए नजर आते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा रसोईघर

500 रसोइए 300 सहयोगियों के साथ बनाते हैं भगवान जगन्नाथजी का प्रसाद। लगभग 20 लाख भक्त कर सकते हैं यहां भोजन। कहा जाता है कि मंदिर में प्रसाद कुछ हजार लोगों के लिए ही क्यों न बनाया गया हो लेकिन इससे लाखों लोगों का पेट भर सकता है। मंदिर के अंदर पकाने के लिए भोजन की मात्रा पूरे वर्ष के लिए रहती है। प्रसाद की एक भी मात्रा कभी भी व्यर्थ नहीं जाती।

मंदिर की रसोई में प्रसाद पकाने के लिए 7 बर्तन एक-दूसरे पर रखे जाते हैं और सब कुछ लकड़ी पर ही पकाया जाता है। इस प्रक्रिया में शीर्ष बर्तन में सामग्री पहले पकती है फिर क्रमश- नीचे की तरफ एक के बाद एक पकती जाती है अर्थात सबसे ऊपर रखे बर्तन का खाना पहले पक जाता है। है न चमत्कार!

समुद्र की ध्वनि

मंदिर के सिंहद्वार में पहला कदम प्रवेश करने पर ही (मंदिर के अंदर से) आप सागर द्वारा निर्मित किसी भी ध्वनि को नहीं सुन सकते। आप (मंदिर के बाहर से) एक ही कदम को पार करें, तब आप इसे सुन सकते हैं। इसे शाम को स्पष्ट रूप से अनुभव किया जा सकता है।

इसी तरह मंदिर के बाहर स्वर्ग द्वार है, जहां पर मोक्ष प्राप्ति के लिए शव जलाए जाते हैं लेकिन जब आप मंदिर से बाहर निकलेंगे तभी आपको लाशों के जलने की गंध महसूस होगी।

रूप बदलती मूर्ति

यहां श्रीकृष्ण को जगन्नाथ कहते हैं। जगन्नाथ के साथ उनके भाई बलभद्र (बलराम) और बहन सुभद्रा विराजमान हैं। तीनों की ये मूर्तियां काष्ठ की बनी हुई हैं।

यहां प्रत्येक 12 साल में एक बार होता है प्रतिमा का नव कलेवर। मूर्तियां नई जरूर बनाई जाती हैं लेकिन आकार और रूप वही रहता है। कहा जाता है कि उन मूर्तियों की पूजा नहीं होती, केवल दर्शनार्थ रखी गई हैं।

विश्व की सबसे बड़ी रथयात्रा

आषाढ़ माह में भगवान रथ पर सवार होकर अपनी मौसी रानी गुंडिचा के घर जाते हैं। यह रथयात्रा 5 किलोमीटर में फैले पुरुषोत्तम क्षेत्र में ही होती है। रानी गुंडिचा भगवान जगन्नाथ के परम भक्त राजा इंद्रदयुम्न की पत्नी थी इसीलिए रानी को भगवान जगन्नाथ की मौसी कहा जाता है।

अपनी मौसी के घर भगवान 8 दिन रहते हैं। आषाढ़ शुक्ल दशमी को वापसी की यात्रा होती है। भगवान जगन्नाथ का रथ नंदीघोष है। देवी सुभद्रा का रथ दर्पदलन है और भाई बलभद्र का रक्ष तल ध्वज है। पुरी के गजपति महाराज सोने की झाड़ू बुहारते हैं जिसे छेरा पैररन कहते हैं।

हनुमानजी करते हैं जगन्नाथ की समुद्र से रक्षा

माना जाता है कि 3 बार समुद्र ने जगन्नाथजी के मंदिर को तोड़ दिया था। कहते हैं कि महाप्रभु जगन्नाथ ने वीर मारुति (हनुमानजी) को यहां समुद्र को नियंत्रित करने हेतु नियुक्त किया था, परंतु जब-तब हनुमान भी जगन्नाथ-बलभद्र एवं सुभद्रा के दर्शनों का लोभ संवरण नहीं कर पाते थे।

वे प्रभु के दर्शन के लिए नगर में प्रवेश कर जाते थे, ऐसे में समुद्र भी उनके पीछे नगर में प्रवेश कर जाता था। केसरीनंदन हनुमानजी की इस आदत से परेशान होकर जगन्नाथ महाप्रभु ने हनुमानजी को यहां स्वर्ण बेड़ी से आबद्ध कर दिया। यहां जगन्नाथपुरी में ही सागर तट पर बेदी हनुमान का प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर है। भक्त लोग बेड़ी में जगड़े हनुमानजी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

महान सिख सम्राट महाराजा रणजीत सिंह ने इस मंदिर को प्रचुर मात्रा में स्वर्ण दान किया था, जो कि उनके द्वारा स्वर्ण मंदिर, अमृतसर को दिए गए स्वर्ण से कहीं अधिक था।

पांच पांडव भी अज्ञातवास के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने आए थे। श्री मंदिर के अंदर पांडवों का स्थान अब भी मौजूद है। भगवान जगन्नाथ जब चंदन यात्रा करते हैं तो पांच पांडव उनके साथ नरेन्द्र सरोवर जाते हैं।

कहते हैं कि ईसा मसीह सिल्क रूट से होते हुए जब कश्मीर आए थे तब पुन- बेथलेहम जाते वक्त उन्होंने भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए थे।

बुरी तरह फ्लॉप रही बेबी जॉन, फिर भी खरीदा करोड़ों का घर

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल मुंबई के प्रमुख जुहू इलाके में अपने नए रियल एस्टेट निवेश की वजह से चर्चा में आ गए हैं। इस जोड़ी ने हाल ही में डीडेकोर ट्वेंटी बिल्डिंग में दो शानदार फ्लैट खरीदे हैं। इसकी कीमत करोड़ों में हैं।

छठी और सातवीं मंजिल पर है आलीशान आशियाना

इन दोनों फ्लैट का कार्पेट एरिया 9,730 स्क्वायर फीट है। अभिनेता के ये फ्लैट बिल्डिंग की छठी और सातवीं मंजिल पर स्थित है। इसमें पांच करोड़ 21 लाख रुपये का स्टाम्प ड्यूटी भी अदा की गई।

इतनी है अपार्टमेंट की कीमत

वरुण धवन और नताशा दलाल के इस अपार्टमेंट में आठ कार पार्किंग स्पेस भी हैं, जो इस घर की लग्जरी को और भी ज्यादा बढ़ा रहे हैं। इस खरीदारी का प्रति वर्ग फीट मूल्य 89,332 रुपये है। घर की कीमत 86.92 करोड़ रुपये है। जुहू क्षेत्र अपनी शानदार लाइफस्टाइल और फिल्मी हस्तियों के लिए मशहूर है। इस जगह पर कई सितारों के घर मौजूद हैं।

जुहू में रहते हैं कई सितारे

जुहू और बांद्रा मुंबई के वे प्रमुख इलाके हैं, जहां कई बॉलीवुड सितारे रहते हैं। अमिताभ बच्चन के पास जुहू में प्रतिष्ठा और जलसा जैसे शानदार बंगले हैं। इसके अलावा, धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी, अक्षय कुमार, अजय देवगन, काजोल, गोविंदा और संजय लीला भंसाली भी जुहू क्षेत्र में रहते हैं। वहीं, सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान, सैफ अली खान और करीना कपूर सहित कई सितारे बांद्रा इलाके में रहते हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगे वरुण

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वरुण धवन फिल्म बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव के साथ नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। उनकी आगामी फिल्म की बात करें तो वह फिल्म नो एंट्री 2 में नजर आएंगे, जिसमें दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर भी होंगे। इसके अलावा, वरुण धवन के पास फिल्म बॉर्डर 2 में भी है। फिल्म में वह सनी देओल, दिलजीत और अहान शेट्टी के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

राशा से लेकर शनाया तक इस साल डेब्यू करेंगे ये स्टारकिड्स

इस साल 2025 में कई बॉलीवुड स्टार किड्स बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रहे हैं। आइए आपको बताते हैं इन स्टार किड्स के एजुकेशन के बारे में...

राशा थडानी

बॉलीवुड की दुनिया में आजाद फिल्म से डेब्यू करने जा रही राशा ने धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने साल 2021 में इंटरनेशनल जनरल सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन की पढ़ाई साल 2021 में पूरी की है। वे अब फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं।

इब्राहिम अली खान

सारा अली खान के भाई इब्राहिम अली खान सरजमीं से डेब्यू करेंगे। इब्राहिम ने धीरूभाई अंबानी स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से ग्रेजुएशन कर फिल्म मेकिंग में डिग्री ली।

अमान देवगन

अजय देवगन के भांजे अमान देवगन भी राशा के साथ फिल्म आजाद से डेब्यू करने जा रहे हैं। अमान ने मुंबई के स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने नेब्रास्का विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा मिशिगन विश्वविद्यालय के रॉस स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की डिग्री ली।

सिमर भाटिया

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी डेब्यू करने को तैयार है। सिमर ने मुंबई के स्कूल से स्कूलिंग की। उनकी आगे की पढ़ाई की डिटेल्स अभी मौजूद नहीं है।

अहान पांडे

अहान पांडे मोहित सूरी की फिल्म से डेब्यू करेंगे। अहान ने मुंबई के ओबेरॉय स्कूल से पढ़ाई की और फिर ग्रेजुएशन किया। वे दो फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक रह चुके हैं।

शनाया कपूर

शनाया कपूर भी इस साल बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। बॉक्स ऑफिस पर साल 2025 में उनकी फिल्म वृषभा और आंखों की गुस्ताखियां रिलीज होने वाली हैं। एजुकेशन की बात करें तो मुंबई के इकोले मोंडिएल वर्ल्ड स्कूल से पढ़ाई की। उन्होंने एक्टिंग की ट्रेनिंग की है। शनाया वर्तमान में लंदन के इस विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में कला स्नातक की पढ़ाई कर रही हैं। शनाया अपनी पहली फिल्म में लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीरजादा के साथ काम करने वाली हैं।

वीर पहाड़िया

स्काई फोर्स से डेब्यू कर रहे वीर पहाड़िया ने भी धीरूभाई अंबानी के स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद बॉस्टन के कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री भी ले चुके हैं। उन्होंने ग्लोबल बिजनेस मैनेजमेंट में बी.ए. की पढ़ाई की है।

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बोलीं एक्ट्रेस पार्वती

अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु वायनाड लिटरेचर फेस्टिवल में अतिथियों में से एक थीं, लेखिका अरुंधति रॉय के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि आज के युवा मलयालम अभिनेता पुरानी पीढ़ी से बदतर हैं। उन्होंने कहा कि लड़ाई झगड़े और हिंसा करने वाले पुरुषों का गुणगान करने वाले सितारों के लिए फिल्में अभी भी बन रही हैं।

नई पीढ़ी को लेकर की बात

जब पार्वती से पूछा कि वर्तमान पीढ़ी में महिलाओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों का तरीका थोड़ा परेशान करने वाला है। पहले के लोग कुछ अन्य चीजों से परेशान थे, आज के लोगों की समस्याएं दूसरी हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है। इंडस्ट्री में कुछ लोग निराश हैं क्योंकि उन्हें वे लाभ नहीं मिल रहे हैं जो पुरानी पीढ़ी को मिल रहे थे।

इसलिए चर्चा में रहती हैं पार्वती

पार्वती थिरुवोथु को उनके खुलकर बोलने की बात करने की आदत के कारण जाना जाता है। उन्होंने कहा कि मलयालम इंडस्ट्री में बहुत सारे बदलाव आए हैं। यहां बड़ी बजट की फिल्में बनने लगी हैं, इसके बाद भी वही मुद्दे फिल्मों में दिखाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पहले मुझे चिंता होती थी कि मुझे फिर से इन लोगों के साथ काम करना पड़ेगा। लेकिन अब ऐसे विचार मुझे परेशान नहीं करते। पार्वती ने कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में बाथरूम पार्वती का नाम मिला क्योंकि उन्होंने सेट पर महिलाओं को लिए सही शौचालय व्यवस्था को लेकर बात की थी। इससे पहले पार्वती को मलयालम फिल्म हर में देखा गया, इसका निर्देशन लिजिन जोस ने किया था।

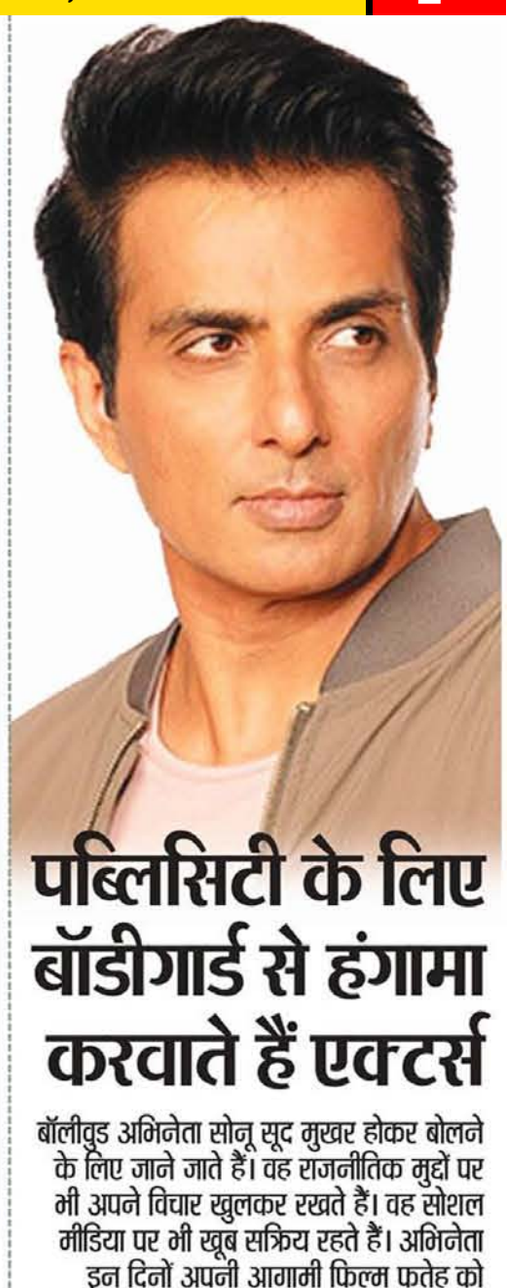

पब्लिसिटी के लिए बॉडीगार्ड से हंगामा करवाते हैं एक्टर्स

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मुखर होकर बोलने के लिए जाने जाते हैं। वह राजनीतिक मुद्दों पर भी अपने विचार खुलकर रखते हैं। वह सोशल मीडिया पर भी खूब सक्रिय रहते हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फतेह को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। सोनू सूद फिल्म का खूब प्रमोशन कर रहे हैं। साथ ही इंडस्ट्री की कई छुपी बातों का खुलासा भी कर रहे हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया है कि कुछ अभिनेता लोगों का अटेंशन लेने के लिए अपने बॉडीगार्ड से हंगामा करवाते हैं।

पब्लिसिटी के लिए कलाकार करते हैं ये काम

हाल ही में जिस्ट के साथ एक साक्षात्कार में, सोनू सूद ने बॉलीवुड कलाकारों पर कटाक्ष किया है और कहा है कि कुछ लोग कैमरे के पीछे भी काफी अच्छी एक्टिंग करते हैं। अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि बॉलीवुड के लोगों के सिर्फ कैमरे के आगे की एक्टिंग करनी चाहिए। जैसे ही कैमरा बंद हो जाए, उन्हें एक्टिंग करनी भी बंद कर देनी चाहिए। हालांकि, कुछ लोगों से इतना भी नहीं होता है, उनकी पूरा जीवन हर समय एक्टिंग करने में ही निकल जाता है।

फैंस से बातचीत करना सोनू को है पसंद

अभिनेता ने आगे कहा, कई बार वीडियो वायरल होते हैं कि किसी कलाकार के बॉडीगार्ड ने हंगामा कर कर दिया। कई लोग बॉडीगार्ड साथ लेकर जाते हैं। यहां तक कि मैं भी बड़े इवेंट्स में बॉडीगार्ड साथ लेकर जाता हूं। हालांकि, मैं अपने बॉडीगार्ड से कहता हूं कि मुझे लोगों के बीच में जाने दो क्योंकि मुझे उनसे बातचीत करना पसंद है। कई कलाकार इसका भी पब्लिसिटी के इस्तेमाल करते हैं।

लोगों की अटेंशन पाने के लिए सोनू रखते थे बॉडीगार्ड

सोनू ने यह भी बताया कि बॉलीवुड में कई लोग बॉडीगार्ड सिर्फ अटेंशन लेने के लिए रखते हैं। अभिनेता ने कहा, उन्होंने कहा, उनमें से कई लोग एयरपोर्ट पर भी अपने बॉडीगार्ड रखते हैं और फिर वे वहां पूरा तमाशा बनाते हैं। एक बार मैंने एक बॉडीगार्ड से बात की और पूछा, तुम तमाशा क्यों बना रहे हो? क्या तुम शांति से नहीं चल सकते? उसने कहा, नहीं सर, हमें ड्रामा करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोग नहीं करेंगे नोटिस

बॉडीगार्ड ने अभिनेता से कहा कि अगर ऐसा नहीं किया तो हम पर चिल्लाया जाएगा। सोनू ने कहा कि इसलिए बहुत से अभिनेता लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने साथियों के साथ ये सब ड्रामा करते हैं क्योंकि उन्हें बस इस बात का डर होता है कि अगर वे बिना ड्रामा के किसी जगह पर जाएंगे तो लोग उन्हें नोटिस नहीं करेंगे।

गुड बैड अग्ली की रिलीज डेट का एलान, प्रभास की द राजा साब से भिड़ेंगे अजित

अभिनेता अजित कुमार की आगामी फिल्म गुड बैड अग्ली को आधिकारिक तौर पर इसकी रिलीज की तारीख मिल गई है। फिल्म का निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कई तरह की आशंकाएं बनी हुई थीं, लेकिन आखिरकार आज निर्माताओं ने गुड बैड अग्ली की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है।

फिल्म की नई रिलीज डेट

निर्दशक आदिक रविचंद्रन ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया और एलान किया कि यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आज सोमवार को एक्स पर शेयर किए गए नए पोस्टर में अजित एक शानदार टू-पीस व्हाइट सूट में एक पिस्तौल पकड़े हुए सोफे पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ आदिक रविचंद्रन ने एक कैप्शन लिखा, गुड बैड अग्ली 10 अप्रैल को आ रही है।

प्रभास की फिल्म से कड़ी टक्कर

हालांकि, इस तारीख को फिल्म की रिलीज आसान नहीं होने वाली है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सुपरस्टार प्रभास की फिल्म द राजा साब से होगी। 10 अप्रैल 2025 को प्रभास की द राजा साब भी रिलीज हो रही है। प्रभास इस समय सबसे बड़े पैन इंडिया स्टार हैं, जबकि अजीत के तमिलनाडु में बहुत बड़े प्रशंसक हैं, इसलिए यह टकराव देखना बहुत दिलचस्प होगा। अब देखना यह होगा कि कौन सी फिल्म किस पर भारी पड़ती है। गुड बैड अग्ली के बारे में अपडेट साझा करते हुए इससे पहले मैत्री मूवी मेकर्स के निर्माता नवीन यरनेनी ने चेन्नई में पुष्पा 2 के प्री-रिलीज इवेंट में फिल्म की रिलीज के बारे में अपडेट साझा किया। उन्होंने गुड बैड अग्ली के पोस्टपोन का संकेत दिया था। दरअसल, यह फिल्म को पहले पोंगल 2025 के मौके पर रिलीज किया जाना था, क्योंकि अजित की एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म विदामुयार्ची की रिलीज को रास्ता दिया गया था, लेकिन अंतिम समय में विदामुयार्ची की रिलीज को भी आगे खिसका दिया गया। ऐसे में अजित की दोनों फिल्मों के हाथ से पोंगल की तारीख निकल गई। हालांकि, अब तक विदामुयार्ची की नई रिलीज पर अपडेट नहीं आया है, लेकिन गुड बैड अग्ली की रिलीज की तारीख ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। इस फिल्म में अजित कुमार, तृषा, प्रसन्ना और सुनील प्रमुख भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में होंगे। अजित के तीन किरदार फिल्म के नाम गुड बैड अग्ली को दिखाएंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि अजित एक नकारात्मक किरदार भी निभा सकते हैं।

तलाक के बाद प्यार की तलाश में हैं संजीदा?

टीवी अभिनेत्री संजीदा शेख अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। संजीदा ने पहले आमिर अली से शादी की थी, हालांकि अब अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें प्यार पर भरोसा है। एक साक्षात्कार में संजीदा शेख कहा कि आज के वक्त में प्यार ढूंढना कोई मुश्किल काम नहीं है।

संजीदा ने बताया कि आज के समय में कोई ऐसा पार्टनर मिले, जो आपकी आत्मा को शांति दे। अभिनेत्री ने आगे कहा कि मैं उम्मीद करती हूं कि यह एक्सपीरियंस सबको मिले। संजीदा ने यह भी कहा कि रिश्ते में धोखा हमेशा ही मिलता है, लेकिन प्यार पर भरोसा करना जरूरी है।

न्यू नोएडा के अधिसूचित गांवों में अवैध निर्माण पर होगी कड़ी कार्यवाही : डॉ. लोकेश एम

नोएडा (चेतना मंच)। न्यू नोएडा में चयनित गांवों में किसी भी सूरत में अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह निर्णय बैठक में तय हुआ।

न्यू नोएडा क्षेत्र के लिए भूमि बैंक विकसित करने की योजना के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में जिलाधिकारी बुलंदशहर, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री, वन्दना त्रिपाठी, महेन्द्र प्रसाद, सतीश पाल, मुख्य विधि सलाहकार रविन्द्र प्रसाद गुप्ता, वित्त नियंत्रक स्वतंत्र कुमार, विशेष कार्याधिकारी क्रान्ति शेखर सिंह, अरविन्द कुमार सिंह, महाप्रबन्धक मीना भार्गव और इश्तयाक अहमद ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

न्यू नोएडा के विकास के लिए पहले चरण में अधिसूचित ग्रामों का चयन किया जाएगा। न्यू नोएडा में अधिसूचित ग्रामों में बिना नोएडा की अनुमति के हो रहे अवैध और अनधिकृत निर्माण पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जाने की योजना बनाई गई।

भूमि अधिग्रहण या आपसी समझौते के आधार पर भूमि क्रय की प्रक्रिया पर चर्चा की गई और प्रतिकर दरों के निर्धारण के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। न्यू नोएडा में प्रस्तावित विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और इस योजना को सही समय पर लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। यह बैठक न्यू नोएडा के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी और इससे क्षेत्र में अवैध निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के साथ-साथ विकास कार्यों की गति में भी तेजी आएगी।

डॉयल-112 के पर्यवेक्षण में गौतमबुद्धनगर दूसरे स्थान पर

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन व पुलिस उपायुक्त यातायात/नोडल अधिकारी यू0पी0 112 गौतमबुद्धनगर के पर्यवेक्षण में पीआरवी वाहनों का औसत समय 4 मिनट 2 सेकंड रहा। इसी प्रयास से यूपी में गौतमबुद्धनगर का प्रदेश में दूसरा स्थान रहा।

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के कुशल निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त यातायात/नोडल अधिकारी यू0पी0 112 गौतमबुद्धनगर के कुशल पर्यवेक्षण में इस माह दिसम्बर में यू0पी0-112 के पीआरवी वाहनों पर 1 जनवरी से 7 जनवरी तक नव वर्ष के पहले सप्ताह में कुल 5726 सूचना/ इवेन्ट प्राप्त हुए जिनका औसत रेस्पॉन्स टाईम 4 मिनट 2 सेकेण्ड रहा। साथ ही रात्रि के समय में रास्तों फुटपाथ बस स्टैंड आदि स्थानों पर सोने वाले लगभग 56 असहाय गरीब व्यक्तियों को अभियान के तहत P 112 द्वारा रेन बसेरा में भेजा गया जिसकी जनता के व्यक्तियों द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गई।

समय समय पर पीआरवी वाहनों के रूटचार्ट में प्राप्त होने वाली इवेन्ट/सूचना के आधार पर जिस क्षेत्र में सबसे ज्यादा इवेन्ट प्राप्त होते हैं वहाँ पर पीआरवी वाहन की संख्या के साथ साथ भ्रमण का समय भी बढाया गया है जिससे पीडित को जल्दी से जल्दी पुलिस सहायता प्राप्त हो सके। इस कार्य प्रणाली से कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर को प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

मोबाइल टॉवरों से उपकरण चुराने वाले दबोचे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा थाना बीटा-2 पुलिस ने मोबाइल टावरों से आरआरयू व अन्य कीमती उपकरण चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी का एक आरआरयू बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त कर रही थी। सेक्टर सिग्मा-4 के टी पॉइंट के पास पुलिस टीम को दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। संदेह के आधार पर उनकी तलाशी ली गई तो इनके पास से एक आरआरयू बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम सनी पुत्र सुरेश व अंकित पुत्र सतीश बताया। दोनों चोरों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह आरआरयू एक दिन पहले मोबाइल टावर से चोरी किया था। दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह मौका देखकर सुनसान स्थान पर लगे मोबाइल टावरों से आरआरयू व अन्य उपकरण को चोरी करने की घटना को अंजाम देते हैं। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

फोनरवा व आरडब्ल्यूए संग बैठक करेंगे डीसीपी

पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने फोनरवा को दिया आश्वासन

नोएडा (चेतना मंच)। फोनरवा के प्रतिनिधिमंडल ने गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह से मुलाकात की। बैठक के दौरान अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा एवं महासचिव के के जैन नोएडा ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से मीटिंग करवाने का निवेदन किया।

उन्होंने कहा कि सेक्टर-104 के सामने वाले 75 मीटर रोड पर के आसपास पूरे रोड पर गाड़ियों के खड़े होने की वजह से बहुत अधिक जाम लग जाता है। इसके साथ साथ

योगेंद्र शर्मा

के.के. जैन

अन्य स्थानों में ट्रैफिक जाम से संबंधित समस्या के समाधान करने का निवेदन किया।

श्रीमती लक्ष्मी ने सभी डीसीपी को फोनरवा व आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों के साथ शीघ्र ही मीटिंग करने का आदेश दिया। इसके बाद जल्दी ही सभी आरडब्ल्यूए की मीटिंग पुलिस कमिश्नर के साथ भी होगी

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के के जैन, उपाध्यक्ष लाट साहिब लोहिया, उमाशंकर शर्मा आदि उपस्थित थे।

सेक्टर-18 में वेडिंग जोन के विरोध में उतरे व्यापारी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-18 में वेंडिंग जोन बनाने को लेकर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ व्यापारियों ने नारे बाजी की प्राधिकरण हाय हाय के नारे लगाए। व्यापारियों का कहना है कि ठेला व रेहड़ी, पटरी वालों को दुकान दी जाएगी, जिससे यहां के स्थाई शोरूम में आने वाले ग्राहकों को परेशानी होगी। हमारे यहां आस पास बड़े व्यापारी है जो ज्वैलरी में डील करते है इसको देखते हुए यहां पर वारदात भी बढ़ेंगी, व्यापारियों ने बताया कि मार्केट में काम नहीं है ऐसे में अगर सड़क पर वेंडिंग जोन हो जाएगा तो यहां पर हमारा काम बंद हो जाएगा ऊपर से वेंडिंग जोन बनाने से व्यापारियों को दोहरी मार भी झेलनी पड़ेगी।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से चिह्नित स्थान की नापी कराते हुए वहां निशान भी लगा दिया है।। इस बीच आस-पास के स्थाई शोरूम मालिकों ने वेंडिंग जोन बनाए जाने का विरोध शुरू कर दिया है। व्यापारी सौरभ अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, रोहित विज, यश विज, नवल बंसल अनिरुद्धा, राहुल गुप्ता, आदि व्यापारियों का कहना है कि वेंडिंग जोन बनाए जाने से यहां आने वाले लोगों के वाहन कहां खड़े होंगे, यह सवाल बना हुआ है

इससे दुकानों पर ग्राहकों की संख्या भी कम हो जाएगी। जिसका नुकसान व्यापारियों को उठाना पड़ेगा। जिससे यहां के व्यापारियों के समक्ष संकट बना हुआ है। वेंडर जोन बन जाने से समस्या और बढ़ सकती है। प्राधिकरण के अधिकारियों को लिखित शिकायत देने के बाद भी नहीं पड़ा कोई असर, अगर मांगे नहीं मानी गई तो होगा कल से विरोध प्रदर्शन और धरने पर व्यापारी वर्ग बैठेगा।

सेक्टर-62 रजत विहार पहुंची 'नोएडा आपके द्वार' की टीम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा आपके द्वार की टीम सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सी ब्लॉक पहुंची। इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल, सिविल से अशोक वर्मा, जल एवं सीवर से अमर जीत वरिष्ठ प्रबंधक, उद्यान विभाग से उमेश चंद्र आदि सभी विभागों के अधिकारी उपष्ठित रहे। आरडब्लूए से अध्यक्ष अमित नागपाल, महासचिव गोपाल शर्मा, दीप्ति, ममता, संजीव गर्ग, मुकेश गर्ग, विश्वाश सक्सेना, सुनीता, कुसुम आदि सभी आरडब्लूए पदाधिकारी रहे।

महासचिव गोपाल शर्मा ने पार्कों के सौंदर्यीकरण, पार्कों, नालों की सफाई, भवनों का जीर्णोधार, मुख्य दीवार की मरम्मत, योग पार्क का निर्माण, बच्चों के लिए झूला, खेल मैदान, निवासियों के उपर लगे धारा 10 हटाने आदि बहुत से विकास एवं समस्या से अवगत कारया।

समलैंगिक डेटिंग ऐप से चैटिंग, फिर ब्लैक मेलिंग

नोएडा (चेतना मंच)। समलैंगिक ऐप के जरिए लोगों को

फंसाकर और फिर उन्हें ब्लैकमेल कर अपने अकाउंट में रूपये ट्रांसफर व सामान लेने वाले एक रैकेट का नोएडा पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस रैकेट में शामिल ब्लैकमेलर्स की उम्र महज 22 साल है।

थाना फेस-3 पुलिस ने समलैंगिक ग्राइंडर ऐप के माध्यम से लोगों को फंसाकर उनको डरा धमकाकर उनसे रुपये ट्रान्सफर कराने व उनके पैसे व सामान ले लेने की घटनाओं को अन्जाम देने वाले 4 जालसाजों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 12,700 रुपये व एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, एक आरसी बरामद हुई है। पुलिस ने शनि पुत्र हरपाल सिंह, करन कुमार पुत्र मनोज कुमार, रजत पुत्र राजकिशोर व तुषार पुत्र विजय को सेक्टर-63 बी ब्लॉक पार्क से गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए जालसाजों ने बताया कि हम लोग ग्राइंडर समलैंगिक ऐप के माध्यम से अलग-अलग आईडी बनाकर लोगों को अपने पास बुलाकर उसे डरा धमकाकर उसके पैसे ट्रांसफर करा लेते है व उनका सामान व कागजात ले लेते है। हम चारो ने मिलकर ग्राइंडर समलैंगिक ऐप पर अक्की गोस्वामी नाम की आई.डी. वाले लड़के को फंसाने का प्लान बनाया। हमने शनि नाम की आई.डी. से आपस में चैट कर उसे बुलाया था तथा उसे लेने के लिए शनि को उसके पास भेजा था जहाँ से उसे साथ लेकर ममूरा शनि के कमरे पर गये प्लानिंग के मुताबिक अक्की की जेब से 4000 रूपये निकाल लिये थे। उन्होंने अक्की को डराया धमकाया गया कि हम तुम्हारे समलैंगिक होने की बात तुम्हारे घरवालों व रिश्तेदारों को बता देंगे अन्यथा तुम्हारे खाते में जितने रुपये है हमें ट्रान्सफर करो। अक्की के खाते से जालसाजों द्वारा गूगल-पे के माध्यम से 14,300 रूपये व 10,000 रुपये अक्की के भाई से शनि के खाते में ट्रांसफर कराये।

जालसाजों ने बताया कि ग्राइंडर समलैंगिक डेटिंग ऐप से लोगो को फंसाकर समाज में बदनामी का भय दिखा कर धोखाधड़ी करते है। ऑनलाइन ऐप पर प्रोफाइल मैचिंग के बाद चैट करते है, और इस तरह के तथ्य जुटा लेते है जिससे पीड़ित को बाद में ब्लैकमेल किया जा सके। गोपनीय बातों को सार्वजनिक करने के नाम पर पीड़ित को गुमराह करते है जिससे पैसे निकलवा पाए। अभियुक्त खुद की प्रीमियम प्रोफाइल बनाते है ताकि वह प्रमाणित लगे और पीड़ित को इनके इरादों पर शक ना हो। उनको डरा धमाकर उनसे गलत तरीके से रुपये ट्रान्सफर करा लेते है।

किशोरी लापता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र से एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर से लापता हो गई। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बिसरख गांव में किराए पर रहने वाले दिनेश काल्पनिक नाम ने बताया कि उनकी बेटी सुबह के समय घर से बाहर गई थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उन्होंने अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरी की तलाश की जा रही है।

निर्माणाधीन साइट से सरिया चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा क्षेत्र में फलेदा रोड पर बन रहे आरसीसी नाले की निर्माणाधीन साइट से चोरों ने करीब एक कुंतल सरिया चोरी कर लिया। ठेकेदार ने एक कबाड़ी पर शक जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।अशोक कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मैसेज दिशा इंटरप्राइजेज द्वारा नगर पंचायत रबूपुरा में सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अंतर्गत फलेदा रोड पर आरसीसी नाले एवं राज्य वित्त आयोग निधि से पुराने जेवर रोड पर डंपिंग ग्राउंड के निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। 8 जनवरी की रात्रि को फलेदा रोड नाला निर्माण साइड से चोरों ने करीब एक कुंतल सरिया चोरी कर लिया। अशोक कुमार ने मौसम कबाड़ी के ऊपर चोरी का शक जताया है।

'औद्योगिक सेक्टर में कटिया डालकर बिजली की चोरी'

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के औद्योगिक सेक्टरों में बनी झुग्गियों में रहने वाले

कटिया डालकर बिजली की चोरी कर रहे हैं। इस चोरी में कुछ दुकानदार भी शामिल हैं। इसका खामियाजा उद्यमियों को उठाना पड़ रहा है।

नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता हरीश बंसल, अधीक्षण अभियंता रितेश आनन्द, विवेक कुमार, अधीशासी अभियंता मोहित गोयल, निशांत, नवीन, शेलेश शर्मा, प्रवीन कुमार, तथा विद्युत विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक में नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन एंव वरि0 उपाध्यक्ष एंव चेयरमैन विद्युत कमेटी-एनईए हरीश जोनेजा ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को बताया कि

सैक्टर-10 में बी-84 से बी-102 के मध्य लगे विद्युत पोल में आस-पास की झुग्गियो तथा उनमें चल रही दुकान वालों ने सैकड़ो की तादात में कटियां डाल रखी है जिसके कारण आये दिन तारों में शार्ट सर्किट होने के कारण इकाईयों की विद्युत बाधित होती रहती है जिसके कारण इकाईयों में उत्पादन प्रभावित होता है। साथ ही मैसर्स सुपर स्पीड इन्डस्ट्रीज,सी-8, सैक्टर-10 में लगे विद्युत संयोजन के बिल कामर्शियल के रेट से भेजे जा रहे थे, जिसे जॉच के उपरांत कामर्शियल से औद्योगिक श्रेणी में कर दिया गया लेकिन उद्यमी द्वारा जमा कराई गई अतिरिक्त राशि का समायोजन नही किया जा रहा है। सैक्टर-9 में जी एंव एच ब्लाक वाली सड़क पर तथा कई अन्य औद्यौगिक सैक्टरों में बिजली की तारें टाईट न होने के कारण काफी नीची हो गई है तथा ऑधी आने पर आपस में टकराती है जिसके कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होती है तथा तारों का माल वाहक वाहनों से टकराने का खतरा बना रहता है।

उद्यमियों की समस्याएं सुनने के बाद मुख्य अभियंता हरीश बंसल ने कहा कि सैक्टर-10 में झुग्गियों में अलग से कनेक्शन के लिए बॉक्स लगाये जाऐंगे, जिन औद्यौगिक श्रेणी की औद्यौगिक इकाईयों को कामर्शियल के विद्युत भेजे गये थे उनका आगामी विद्युत बिलों में समायोजन कर दिया जाएगा । जहॉ भी बिजली की तारें लटक रही हैं उन्हें टाईट करवा दिया जाएगा।

बैठक में एनईए महासचिव वी0के0सेठ, राकेश कोहली, धर्मवीर शर्मा, कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, उपाध्यक्ष मोहन सिंह, सुधीर श्रीवास्तव, आर0एम जिंदल, मौ0 इरशाद, सचिव कमल कुमार, आलोक कुमार गुप्ता, राहुल नैययर, राजन खुराना, विरेन्द्र नरूला, सह सचिव जी0के0बंसल, नवनीत अग्रवाल, अजय अग्रवाल, तमनजीत सिंह चड्ढा, इन्दरपाल खांडपुर, असीम जगिया, एस.एन. शर्मा, दलीप मल्होत्रा, रमन वासन, राजेश गिरधर, कार्तिक मिश्रा उपेन्द्र सिंह, संजीव गुप्ता, अमित गुप्ता, नवनीत शर्मा, अमित चुग व रमन वासन, सहित कई उद्यमी उपस्थित थे।